2014–15

49वीं वार्षिक रिपोर्ट

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
49वीं वार्षिक रिपोर्ट

समीक्षाधीन अवधि में, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने अपने अस्तित्व के 49वें वर्ष में एक उत्कृष्ट विद्वत संस्थान के रूप में प्रवेश किया। इसकी स्थापना 1966 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत् एक पंजीकृत सोसाइटी के रुप में हुई थी। विगत वर्षों से यह संस्था, संगम ज्ञापन में निर्धारित सोसाइटी के लक्ष्य एवं उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए अपने नवीन प्रयासों द्वारा अपनी छवि में सुधार के लिए निरंतर प्रयत्नशील रही हैं। यह रिपोर्ट इसकी बहुआयामी गतिविधियों, विशेष रुप से प्रोन्नत ऐतिहासिक शोध एवं समकालीन अध्ययनों के क्षेत्र में इसके योगदानों पर प्रकाश डालती है।

जवाहरलाल नेहरू से संबंधित एक व्यक्तिपरक संग्रहालय के साथ इसमें समाज विज्ञान से जुड़े विषयों से संबंधित देश का जाना-माना विशिष्ट पुस्तकालय, मौखिक इतिहास प्रभाग, पाण्डुलिपि प्रभाग, शोध एवं प्रकाशन प्रभाग, रिप्रोग्राफी प्रभाग, समसामयिक अध्ययन केन्द्र, नेहरू तारामण्डल तथा नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र हैं।

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के उद्देश्यों के अनुसरण में, यह संस्था शोध कार्यक्रमों और विद्वानों को अधिकाधिक शोध सुविधाएं उपलब्ध करने पर विशेष ध्यान देती है।

संगठन

वर्ष के दौरान, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की कार्यकारिणी समिति की दो बैठकें क्रमशः 24 जून 2014 एवं 27 नवम्बर 2014 को

हुई थीं एवं वित्त समिति की चार बैठकें 24 जून 2014, 27 नवम्बर 2014, 9 फरवरी 2015 एवं 20 मार्च 2015 को हुई। सोसाइटी के कार्यकारिणी परिषद् एवं इसके वित्त समिति के सदस्यों के नाम परिशिष्ट में दिए गए हैं।

सोसाइटी की 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 तक की गतिविधियों का विभागवार विवरण निम्नानुसार है :

संग्रहालय

तीन मूर्ति परिसर के मुख्य भवन में स्थित संग्रहालय जवाहरलाल नेहरू के जीवन एवं कार्यों के साथ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को दर्शाता है। विगत-वर्षों के समान संग्रहालय ने अपनी लोकप्रियता बनाए रखी और इसने रोज़ाना भारी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, देश-विदेश के विभिन्न तबकों से 24,65,525 दर्शक इसे देखने आए। प्रतिदिन संग्रहालय देखने वालों की संख्या औसतन 8,137 रही जो रविवार के दिन बढ़कर 10,934 हो गयी। दर्शकों को संग्रहालय दिखाने के लिए गाइड की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

संग्रहालय देखने वालों में देश-विदेश के नामी व्यक्ति शामिल थे जिनमें से कुछ उल्लेखनीय है : भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जो भारत में स्वीडिश राजदूत व नोबेल लॉरिएट प्रो. जार्ज स्मूट के साथ पधारे; संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, श्री रवीन्द्र सिंह; जस्टिस बी. एस. इन्द्राकुलु, बेंगलुरू; रॉयल भूटान पुलिस के प्रमुख, श्री किपचू नामग्येल, केरल के पंचायत व सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. एम. के. मुनीर, राष्ट्रीय संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. वी. वेणु के साथ; सांसद डॉ. प्रभास के. सिंह तथा ग्रीस से पधारे संग्रहालय विशेषज्ञों का दल।

1 जुलाई 2014 को नामी पुरातत्ववेत्ता श्री एस. आर. राव पर एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें उनके दस्तावेजों और तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत सरकार के केन्द्रीय रसायन

एवं उर्वरक मंत्री, श्री अनंत कुमार द्वारा किया गया।

30 अक्टूबर 2014 को संस्था ने स्वीडन के नोबेल म्यूजियम के सहयोग से एक अन्य प्रदर्शनी ''नोबेल प्राइज़ : दि आइडियाज़ चेंजिंग दि वर्ल्ड'' का आयोजन भी किया जिसका उद्‌घाटन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा किया गया।

14 नवम्बर 2014 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती के उपलक्ष में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में ''प्रथम केन्द्रीय मंत्रिमण्डल 1947'' नामक प्रदर्शनी लगाई और 'नेहरू पोर्टल' लाँच किया गया। इस प्रदर्शनी और 'नेहरू पोर्टल' का उद्‌घाटन माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. महेश शर्मा, माननीय पयर्टन एवं संस्कृति राज्य मंत्री भी उपस्थित थे।

जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती के स्मरणोत्सव के अवसर पर संस्था द्वारा जिन प्रदर्शनियों के आयोजन की योजना थी, उसके तहत् ''इनवर्डस : दि नेहरू मेमोरियल लाइब्रेरी' नामक प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्‌घाटन 4 मार्च 2015 को संस्था की कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य श्री नितिन देसाई ने किया। इसी श्रृंखला में 19 मार्च 2015 को ''दि टेंपल्स ऑफ मॉडर्न इंडिया'' का उद्‌घाटन नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष डॉ. कर्ण सिंह ने किया।

संग्रहालय में जगह-जगह पर प्रदर्शित वस्तुओं और उनके शोकेसों का रख-रखाव नियमित कार्यो का एक हिस्सा है। संग्रहालय की स्थायी प्रदर्शनियों का समीक्षाधीन अवधि में रख-रखाव किया गया और पुराने, धुंधले पड़ गए अनुशीर्षकों को नए अनुशीर्षकों से बदला गया। जवाहरलाल नेहरू के निजी कक्ष में रखीं पुस्तकें तथा अध्ययन दीर्घा में रखी पुस्तकों की नियमित झाड़-पोछ तथा धूम्रीकरण किया गया। संग्रहालय में रखी वस्तुओं तथा तस्वीरों का भी नियमित रख-रखाव किया गया।

विभिन्न शैक्षणिक व सांस्कृतिक संस्थानों, जिनमें वरिष्ठ नागरिकों

की वरिष्ठ नागरिक असोशिएशन, अमर कॉलोनी, नई दिल्ली शामिल है को संग्रहालय से संबंधित सूचनाएं उपलब्ध कराई गईं। *टीच इंडिया, इतिहास* व अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आग्रह पर, संग्रहालय के गाइडों द्वारा विशेष दौरों का आयोजन किया गया। यहां भ्रमण करने वाले स्कूलों, कॉलेजों और दर्शक दलों को संग्रहालय के स्टॉफ द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे *स्वच्छ भारत अभियान* के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया गया और उनसे इस कार्यक्रम में सक्रिय योगदान के लिए अनुरोध किया गया।

संग्रहालय के बिक्री पटल से 4,22,323 रूपए के संस्था का प्रकाशन स्मृति चिन्ह, तस्वीरें, भगत सिंह के वृतचित्र की डी.वी.डी. और बाल साहित्य बेचा गया।

संग्रहालय संग्रहों की डिजिटलीकरण की प्रक्रिया प्रगति पर है।

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रथम तल पर स्थित बॉल रूम के नवीकरण का कार्य किया गया तथा संग्रहालय भवन के आस-पास का कोटा स्टोन बदला गया। संग्रहालय के भीतरी भाग की, जवाहरलाल नेहरू के निजी कक्षों आदि की सफेदी की गई। सुविनॲर शॉप का भी नवीकरण किया गया है। संग्रहालय में नई अलमारियों और शोकेसो की स्थापना भी उक्त अवधि में की गई हैं।

पुस्तकालय

भारत और विदेश के समाज विज्ञान पुस्तकालयों में इस पुस्तकालय का आज भी अपना महत्व और स्थान है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, इसने उत्तरोत्तर प्रगति की है। पूर्व वर्षों के समान इस अवधि में भी पुस्तकें, माइक्रोफार्मस, सी. डी. रोम्स, डी. वी. डी'ज., आवधिक पत्रिकाओं तथा फोटोग्राफ्स के रुप में और अधिक शोध सामग्री अर्जित की गईं।

वर्ष के दौरान इसके संग्रह में 8,016 प्रकाशन जोड़े गए जिनमें से 2,506 प्रकाशन खरीदे गए, 1,009 पुस्तकें विभिन्न व्यक्तियों, भारत सरकार, राज्य सरकार के विभागों तथा अन्य संस्थानों से उपहार स्वरुप प्राप्त हुईं, 3,341 पुस्तकें (एच. डी. संग्रह) में डॉ. हरिदेव शर्मा से प्राप्त

हुईं तथा 605 पुस्तकें श्री ए. के. देराश्री से (डी. एस. संग्रह) में प्राप्त हुईं एवं 41 पुस्तकें श्री देवी प्रसाद (डी. पी. संग्रह) में प्राप्त हुई। शेष 514 प्रकाशन पुस्तकालय के पत्रिका अनुभाग द्वारा स्थानांतरित पत्रिकाओं के सजिल्द खण्ड थे।

इस प्रकार वर्ष के दौरान 8,016 प्रकाशनों के जुड़ने से पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़कर 2,79,990 हो गई हैं।

डॉ. हरिदेव शर्मा के संग्रहों पर अवाप्ति क्रमांक डालने का कार्य पूरा किया गया। इस संग्रह में कुल 7,072 पुस्तकें हैं।

नेहरूआना

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'नेहरूआना' संग्रह में बीस नए शीर्षक जोड़े गए जिससे इसकी संख्या 1,543 से बढ़कर 1,563 हो गई हैं।

गांधीआना

'गांधीआना' संग्रह में चौदह नए शीर्षक जोड़े गए जिससे इनकी संख्या 2,503 से बढ़कर 2,517 हो गई हैं।

इंदिराना

'इंदिराना' संग्रह में एक नया शीर्षक जोड़ा गया। जिससे इस संग्रह की संख्या 358 से बढ़कर 359 हो गई हैं।

उत्तर–पूर्व संग्रह

उत्तर पूर्व संग्रह में और अधिक पुस्तकें अर्जित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस संग्रह में 59 नई पुस्तकें जोड़ी गई।

माइक्रोफार्मस

माइक्रोफार्मस के रूप में अर्जित की गई शोध सामग्री की संख्या उक्त अवधि में 117 रही। माइक्रोफिल्म रोल्स की संख्या बढ़कर 18,349 हो गई तथा माइक्रोफिश संग्रह की संख्या 51,322 हैं। जोड़े गए नए

माइक्रोफिल्म रोल्स इस प्रकार हैं : *टाइम्स ऑफ इंडिया* (नई दिल्ली), (जनवरी 1960–नवम्बर 2005); *हिंदू* (चेन्नई) (जुलाई 2001–जनवरी 2005); *कीर्ति* (पंजाबी वीकली) (3 अप्रैल 1936–8 दिसम्बर 1936); *गुजरात सत्याग्रह समाचार* (12 अप्रैल 1930–12 मार्च 1931); चर्च मिशनरी सोसाइटी पेपर्स (1868–1871, 1874–1875 तथा 1891–1998); स्वदेसमित्रान (1 जनवरी–8 फरवरी 1930) तथा *तेज* (16 मार्च से 31 मई 1936)।

पुस्तकालय के सी. डी. संग्रह में भी वर्ष के दौरान 39 सी. डी. रोम्स जोड़े गए है जिससे इस संग्रह की संख्या 273 से बढ़कर 312 हो गई हैं।

वर्ष के दौरान पुस्तकालय में 84 डी.वी.डी. भी जोड़े गए जिससे डी. वी. डी. संग्रह की संख्या बढ़कर 696 हो गई हैं।

वर्ष के दौरान 7,949 पुस्तकों को वर्गीकृत व सूचीकृत किया गया तथा कंप्यूटर में इनकी प्रविष्टि (डीवे डेसिमेल क्लासीफिकेशन स्कीम, 21वां संस्करण व ए.ए.सी.आर.–II) के आधार पर की गई। इसके अलावा 7,949 पुस्तकों पर बार कोड डाले गए तथा 39 सी. डी., 32 डी. वी. डी. प्रोसेस किए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान (1 जनवरी–30 जून तथा 1 जुलाई–31 दिसम्बर 2014) दो भागों में *आथर्स केटालॉग* को भी प्रिंट फार्म में निकाला गया।

पत्रिकाएं

वर्ष के दौरान पत्रिका संग्रह में शुल्क के आधार पर चार नई पत्रिकाएं जोड़ी गईं। शुल्क पर प्राप्त हो रही 48 पत्रिकाओं की सदस्यता बंद कर दी गई। इस प्रकार पुस्तकालय में प्राप्त हो रही कुल पत्रिकाओं की संख्या अब 422 है। इनमें से 250 भारतीय प्रकाशन और 172 विदेशी प्रकाशन हैं। पुस्तकालय में प्राप्त हो रही पत्रिकाओं में 372 पत्रिकाएं अंग्रेज़ी, 46 हिंदी और शेष 4 प्रादेशिक भाषाओं में हैं।

पुस्तकालय में प्राप्त हो रहे दैनिक समाचार पत्रों की संख्या 27

है जिनमें से 26 शुल्क आधार पर व एक मानार्थ आधार पर प्राप्त हो रहे हैं। इन समाचार पत्रों में 19 अखबार अंग्रेज़ी के, सात हिंदी के तथा एक उर्दू का है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान पत्रिकाओं के 4,669 नए अंक कारडेक्स में पंजीकृत किए गए। शुल्क के आधार पर प्राप्त हो रही पत्रिकाओं के 100 बिलों को मैनुअली एवं लिबसिस के माध्यम से प्रोसेस किया गया और 815 पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की गईं। अध्येताओ ने पत्रिकाओं की 16,140 अबद्ध प्रतियों व 5,100 जिल्दबंद पत्रिकाओं के अंकों का उपयोग किया जिन्हें बाद में शेल्फ पर यथास्थान लगाया गया।

पुस्तकालय ने इस दौरान प्रोजेक्ट म्यूज के तहत् 305 ऑनलाइन (ई–पत्रिकाओं) को भी सब्सक्राईब किया जिनमें से 196 शीर्षक साहित्य और शेष 109 शीर्षक समाज विज्ञान से संबंधित है।

फोटोग्राफ्स

समीक्षाधीन अवधि के दौरान फोटो संग्रहों में 1,248 फोटो जोड़े गए। इसमें 736 फोटो सामान्य वर्ग में जोड़ी गई जिनमें जवाहरलाल नेहरु (1947-1964) की गतिविधियों की 37 तस्वीरें, श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की 236 तस्वीरें, सी. राजागोपालाचारी की 124 तस्वीरें, श्री जग प्रवेश चन्द्र की 130 तस्वीरें; डॉ. जे. एम. जुसावला की 34 तस्वीरें; स्वतंत्रता सेनानियों की 8 तस्वीरें; डॉ. वी. के. आर. वी. राव के 124 तस्वीरें तथा के. आर. नारायणनन संग्रह के तहत् 512 तस्वीरें प्राप्त हुए है। ये तस्वीरें विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्राप्त हुए। इस प्रकार 1,248 तस्वीरें जोड़े जाने से पुस्तकालय में फोटो संग्रहों की संख्या बढ़कर 2,05,113 हो गई हैं।

इस दौरान 980 एलबमों में से 3,257 तस्वीरें स्कैन किए गए तथा 52 सी. डी. और 1 डी. वी. डी. एवं 932 तस्वीरें शोधार्थियों/स्टॉफ को पेन ड्राइव के माध्यम से उपलब्ध कराए गए। इन तस्वीरों के उपलब्ध कराए जाने पर इनसे 55,210/– की राशि प्राप्त हुई।

इस अवधि के दौरान 334 शोधार्थी सरकारी विभागों संस्थानों और जनसंचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने फोटो पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ उठाया।

पुस्तकालय में इस दौरान विद्यार्थी व प्रशिक्षणार्थी भी पधारे। ये थे : नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एण्ड फैमिली वेल्फेयर के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के छात्रों का दल, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी के एम. एल. आई. एस. प्रोग्राम के छात्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विभाग के छात्रों का दल एवं जामिया मीलिया इस्लामिया, राजनीति विज्ञान के छात्रों का दल।

समाज विज्ञान के क्षेत्र में समृद्ध और विविध संसाधनों से युक्त तथा पुस्तकालय स्टॉफ द्वारा प्रदान की जाने वाली त्वरित कुशल सेवाओं के कारण, यह पुस्तकालय अकाद्मिक समुदाय के बीच आज भी आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, प्रतिदिन 70 अध्येताओं के हिसाब से यहां लगभग 20,395 विद्वान पधारे। कुल मिलाकर 1,240 अध्येताओं का पंजीकरण किया गया और उनसे सदस्यता शुल्क के रुप में 7,82,026 रुपए की राशि प्राप्त हुई। वर्ष के दौरान, अध्येताओं द्वारा 2,55,100 पुस्तकों, पत्रिकाओं, अखबारों के सजिल्द फाइलों का तथा 5,074 माइक्रोफिल्म रोल्स तथा 12,483 माइक्रोफिश प्लेट्स का उपयोग किया गया। अध्येताओं के उपयोग के लिए 920 माइक्रोफिल्म रोल्स तथा 1,573 माइक्रोफिश प्लेट्स की फोटो प्रतियां भी उपलब्ध कराई गईं। इस अवधि में पुस्तकालय ने 2,447 संदर्भ प्रश्नों का समाधान भी किया।

पांडुलिपि विभाग

पांडुलिपि विभाग भारत के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा राजनीतिक एवं अन्य संगठनों के अभिलेखों को एकत्रित कर, उन्हें परिरक्षित करता है। ये अभिलेख, जो शोध के लिए सूचना का प्राथमिक स्रोत हैं, शोधकर्ताओं को उपलब्ध कराए जाते हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हमारे अभिलेखों में निम्नलिखित कागज़ात जोड़े गए :

I. संस्थागत कागज़ात

1. संप्रदान के कागज़ात

इंडियन सेंटर फॉर फिलेन्थ्रोपी (एस.आई.सी.पी.)

संप्रदान के कागज़ातों का संग्रह डॉ. प्रदीप्त कुमार नायक से प्राप्त हुआ है। इसमें 14 फाइलें, उनके प्रकाशन एवं मुद्रित सामग्री शामिल हैं। इन कागज़ातों में मोदी फाउंडेशन, परोपकार एवं गैर–लाभ क्षेत्र, आदि विषयों पर फाइलें हैं। इस संग्रह में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं के लेख तथा ओकेज़नल पेपर्स, संगोष्ठियों तथा कार्यशालाओं के पत्र आदि शामिल हैं। सन् 1990-2010 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

2. उन्नयन के कागज़ात

सोशल एक्शन ग्रुप, कोलकाता

श्री जयसेन, उन्नयन के संस्थापक निदेशक, ने उन्नयन कागज़ातों की एक और किश्त प्रदान की जिसमें 70 फाइलें हैं। इसमें विभिन्न संस्थाओं तथा व्यक्तियों के साथ किया पत्र–व्यवहार शामिल है। इस संग्रह की विषय फाइलें सेनिटेशन फॉर डेवलपमेंट तथा उन्नयन की संगठनात्मक व्यवस्था आदि से संबंधित हैं। सन् 1978-2001 की अवधि के ये कागज़-पत्र अंग्रेज़ी, हिंदी तथा बंग्ला में हैं।

II. व्यक्तिगत कागज़ात

1. डॉ. मनमोहन सिंह के कागज़ात (ज. 1932)

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री तथा सांसद (राज्य सभा)

डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में दिए अपने भाषणों के संग्रह की कॉपी प्रदान की जिसमें कुल मिलाकर 1377 भाषण हैं। सन् 2004-2014 के वर्षों के ये भाषण हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

2. जॉर्ज फर्नांडिस के कागज़ात (ज. 1930)

समाजवादी नेता

जॉर्ज फर्नांडिस के कागज़ात, जिसमें लगभग 100 फाइलें हैं, उनकी पत्नी श्रीमती लीला कबीर ने प्रदान किए हैं। इन कागज़–पत्रों में उनका अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों जैसे मनमोहन सिंह, नरेन्द्र मोदी, ए. राजा, दयानिधि मारन, ए. के. एन्टनी, शिवराज वी. पाटिल, पी. चिदंबरम, राम सिंह, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, प्रणब मुखर्जी, अंबुमणि रामदास तथा सद्दाम हुसैन के साथ पत्राचार शामिल है। इसके साथ–साथ, प्रेस कतरनें और मुद्रित सामग्री भी इस संग्रह का भाग हैं। सन् 1984–2010 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी, हिंदी तथा उर्दू में हैं।

3. के. डी. मालवीय के कागज़ात (1904-1981)

कांग्रेसी नेता

के. डी. मालवीय के कागज़ातों की एक अन्य किश्त, जिसमें 5 फाइलें हैं, उनकी पुत्री श्रीमती आशा सेठ ने प्रदान की है। इन कागज़ातों में उनका इंदिरा गांधी, के. पी. उन्निकृष्णन, वी. एस. व्यास तथा अन्य व्यक्तियों के साथ किया गया पत्राचार शामिल है। इस संग्रह में के. डी. मालवीय के निधन पर प्राप्त संवेदना पत्र भी सम्मिलित हैं। सन् 1955–1990 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

4. मोहन धारिया के कागज़ात (1925-2013)

सांसद, सामाजिक कार्यकर्ता, वकील तथा पर्यावरणविद्

मोहन धारिया के कागज़ातों की तीसरी किश्त, जिसमें 115 फाइलें हैं, श्री चंद्रकांत इंगुलकर से प्राप्त हुई है। इनमें मोहन धारिया का इंदिरा गांधी, के. कामराज, पी. वेंकटसुबैया, शंकर दयाल शर्मा, स्वर्ण सिंह, पी. सी. सेठी तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार शामिल है जो ए.आई.सी.सी. के मामलों, योजना आयोग तथा महाराष्ट्र स्टेट लॉज़ के विस्तार आदि विषयों से संबंधित हैं। इसके साथ–साथ, उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लेख तथा भाषण पाम्फलेट्स, प्रेस कतरनें, अधिकारिक

रिपोर्टस उनके भाषण आदि भी इस संग्रह का भाग हैं। सन् 1947, 1966–1991 की अवधि से संबंधित ये कागज़ात अंग्रेज़ी, हिंदी तथा बंग्ला में हैं।

5. डॉ. कर्ण सिंह के कागज़ात (ज. 1931)

अनुभवी राजनीतिज्ञ तथा लेखक

डॉ. कर्ण सिंह ने स्वयं अपने कागज़ातों का संग्रह प्रदान किया है जिसमें लगभग 1800 फाइलें हैं। ये कागज़ात मुख्य रूप से जम्मू एवं कश्मीर राज्य के सदर-ए-रियासत के रूप में उनके कार्यकाल से संबंधित हैं। इसमें उनका मोहम्मद अनवर, अल्लाह लभाया तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार शामिल है। सन् 1953-1979 की अवधि के मे कागज़ात अंग्रेज़ी, हिन्दी तथा उर्दू में हैं।

6. वाल्मीकि चौधरी के कागज़ात (1921–1996)

स्वतंत्रता सेनानी, लेखक तथा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के निजी सचिव

वाल्मीकि चौधरी के कागज़ातों की छठी और सातवीं किश्त उनके पुत्र श्री के. डी. चौधरी ने प्रदान की। इस संग्रह में 17 फाइलें हैं जो मुख्यतः डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की डायरियों की टंकित प्रति हैं। ये मुख्य रूप से डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की रोज़मर्रा की गतिविधियों जैसे राजनीतिक व्यक्तियों तथा नौकरशाहों के साथ हुई बैठकों से संबंधित हैं। सन् 1951–1967 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी में हैं।

7. एम. पी. परमेश्वरन के कागज़ात (ज. 1935)

न्यूक्लियर इंजीनियर, प्रख्यात वैज्ञानिक तथा शिक्षा शास्त्री

प्रो. एम. पी परमेश्वरन ने अपने कागज़ातों का एक बड़ा संग्रह प्रदान किया है जिसमें बाउंड रजिस्टर तथा मुद्रित सामग्री की लगभग 650 फाइलें हैं। इन कागज़ातों में सेंटर फॉर अर्थ साइंस स्टडीज़, इंस्टिट्यूट फॉर स्टडी ऐण्ड ट्रांसफॉर्मेशन, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मेनेजमेंट (कलकत्ता), एनर्जी कंज़र्वेशन सोसाइटी आदि के साथ पत्र–व्यवहार शामिल है। सन् 1964–2013 की अवधि के ये कागज़ात मलयालम, चीनी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

8. पीताम्बर पंत के कागज़ात (1919-1973)

सिविल सर्वेन्ट

पीताम्बर पंत के कागज़ात, जिसमें दो फाइलें हैं, उनके पुत्र श्री चंद्र शेखर पंत ने प्रदान किए हैं। इन कागज़ातों में उनका जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, पी. सी. महालानोबिस, भानु पंत, जे. बी. कृपलानी, जे. बी. एस. हल्डेन तथा अन्य व्यक्तियों के साथ निजी पत्राचार शामिल है। सन् 1946–1964 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी में हैं।

9. प्रो. यशपाल के कागज़ात (1926–2017)

वैज्ञानिक

प्रो. यशपाल ने स्वयं अपने कागज़ातों का संग्रह प्रदान किया है जिसमें 15 फाइलें शामिल हैं। इस संग्रह में उनका निर्मल शर्मा, कुलदीप सिंह, कुमकुम दीवान, राजुल माहेश्वरी तथा अन्य व्यक्तियों के साथ किया पत्र–व्यवहार शामिल है। इसमें उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लेख, नोटबुक/डायरियां और मुद्रित सामग्री शामिल हैं। सन् 1952–2012 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी तथा हिंदी में हैं।

10. जयराम रमेश के कागज़ात (ज. 1954)

अर्थशास्त्री और सांसद

श्री जयराम रमेश ने स्वयं अपने कागज़ातों का संग्रह प्रदान किया है जिसमें लगभग 100 फाइलें हैं। इसमें उनका ग्रामीण विकास मंत्री तथा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण और वन, के रूप में किया पत्र–व्यवहार शामिल है। इसके अतिरिक्त, इसमें जयराम रमेश के विभिन्न विषयों पर भाषण, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा अन्य सामग्री भी शामिल है। सन् 2009–2014 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

11. हबीब तन्वीर के कागज़ात (1923–2009)

नाटककार तथा अभिनेता

हबीब तन्वीर के कागज़ातों का एक बड़ा संग्रह, जिसमें लगभग

600 फाइलें हैं, उनकी पुत्री सुश्री नगीन तन्वीर द्वारा दो किश्तों में प्रदान किया गया। इस संग्रह में उनका विभिन्न व्यक्तियों तथा संस्थाओं के साथ किया अधिकारिक तथा निजी पत्राचार शामिल है। इनके अतिरिक्त, हबीब तन्वीर के लेख *आगरा बाज़ार* तथा *मिट्टी की गाड़ी* की पांडुलिपियां, नया थियेटर पर अन्य व्यक्तियों के लेख, पत्रिकाएं, प्रेस कतरनें तथा पुस्तकें भी इस संग्रह का भाग हैं। सन् 1952–2009 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी, अंग्रेज़ी तथा उर्दू में हैं।

12. बाबू गुलाब राय के कागज़ात (1888–1963)

प्रख्यात हिंदी लेखक

बाबू गुलाब राय के कागज़ातों की दूसरी किश्त, जिसमें चार फाइलें हैं, उनके पुत्र श्री विनोद शंकर गुप्ता ने प्रदान की है। इन कागज़–पत्रों में मुख्यतः हिंदी काव्य, नवरस हास्य तथा साहित्य आदि विषयों पर उनके अधूरे टिप्पण तथा लेखों की पांडुलिपियां शामिल हैं। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ तथा मध्य में लिखे ये लेख हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

13. अजीत भट्टाचार्जी के कागज़ात (1924-2011)

अनुभवी भारतीय पत्रकार एवं आर. टी. आई. प्रचारक

अजीत भट्टाचार्जी के कागज़ात, जिसमें लगभग 50 फाइलें हैं, उनके पुत्र श्री आदित्य भट्टाचार्जी ने प्रदान किए हैं। इसमें उनका जयप्रकाश नारायण, जी. डी. बिड़ला, शेख अब्दुल्ला, एच. वी. आर. आय्यंगर, के. के. बिड़ला, प्राण चोपड़ा, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, लोक नीति परिषद्, आदि के साथ पत्राचार शामिल है जो नेशनल सेमिनार ऑन राइट टु इंफॉर्मेशन, बिहार में संघर्ष, बंग्लादेश की स्थिति, कश्मीर पर सुरक्षा परिषद् की बैठक, भारत–चीन संबंध तथा उनकी साहित्यिक गतिविधियों से संबंधित हैं। सन् 1961–2005 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

14. बृंदा करात के कागज़ात (ज. 1947)

सांसद

श्रीमती बृंदा करात ने स्वयं अपने कागज़ात प्रदान किए जिसमें लगभग 1500 पृष्ठ हैं। इस संग्रह में मुख्यतः विभिन्न मंत्रियों और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों जैसे शरद पवार, अर्जुन सिंह, पी. चिदंबरम्, शिवराज वी. पाटिल, प्रणब मुखर्जी, राम जेठमलानी तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार शामिल है। सन् 2005–2011 की अवधि के ये कागज-पत्र अंग्रेज़ी तथा हिंदी में हैं।

15. रूचि राम साहनी के कागज़ात (1863–1948)

शिक्षाविद्, वैज्ञानिक तथा समाज सुधारक

रूचि राम साहनी के कागज़ात, जिसमें पांच फाइलें हैं, डॉ. नीरा बुर्रा द्वारा दो किश्तों में प्रदान किए गए हैं। इन कागज़-पत्रों में उनकी पुस्तक की प्रति तथा गुरूद्वारा सीस-गंज फायरिंग इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट, 1930, और लाहौर कंस्पिरेसी केस ऐण्ड पंजाब, से संबंधित कागज़ात शामिल हैं। ये कागज़ात सन् 1914, 1945–1971 तथा 2013 की अवधि के हैं।

16. प्राण चोपड़ा के कागज़ात (1921–2013)

पत्रकार तथा लेखक

प्राण चोपड़ा के कागज़ातों की दो किश्तें, जिसमें लगभग 58 फाइलें हैं, उनकी पत्नी श्रीमती सरोजनी चोपड़ा ने प्रदान की हैं। इन कागज़-पत्रों में उनका पी. वी. नरसिम्हा राव, हैरी जॉर्ज बर्नेस, तथा अन्य व्यक्तियों के साथ किया पत्राचार शामिल है। इस संग्रह के बड़े भाग में उनके लेखों की प्रेस कतरनें तथा परमाणु नीति, भारत व उसके पड़ोसी देश, कश्मीर, इंडो-पाक संबंध आदि विषयों पर उनके लेख शामिल हैं। इसके साथ-साथ, इन कागज-पत्रों में जवाहरलाल नेहरू, वी. वी. गिरि, मोरारजी देसाई तथा अन्य प्रतिष्ठित नेताओं के साथ उनके वार्तालाप तथा साक्षात्कारों के रिकॉर्ड्स भी सम्मिलित हैं। सन् 1965–2009 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेजी में हैं।

17. कपूरथला की प्रिंसेस इंदिरा के कागज़ात (1912-1979)

कपूरथला की प्रिंसेस इंदिरा के कागज़ात, जिसमें लगभग 200 पृष्ठ, फोटोग्राफ्स, स्लाइड्स तथा पुस्तकें शामिल हैं, श्री बाल आनंद ने प्रदान किए हैं। इसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों जैसे हैरी ई. एडिंगटन, ज़ेल्टन ग्लास तथा एड्ना बेलेफोन्टेन के साथ पत्र-व्यवहार शामिल है। सन् 1922-1969 के ये कागज़ात अंग्रेज़ी तथा फ्रेंच में हैं।

18. चित्रा नारायण सहाय के कागज़ात

पूर्व उप-महानिदेशक, दूरदर्शन

सुश्री चित्रा नारायण सहाय ने अपने कागज़ातों का एक लघु संग्रह, जिसमें एक फाइल है, प्रदान किया। इसमें उनका बी. आर. नन्दा के साथ उनके लेखों से संबंधित पत्र-व्यवहार शामिल है। इन कागज़ातों में उनके लेख भी शामिल हैं। ये कागज़ात सन् 1988-1999 की अवधि के हैं।

19. डॉ. जे. एम. जस्सावाला के कागज़ात (1907-1997)

वरिष्ठ प्रकृति चिकित्सक

डॉ. जे. एम. जस्सावाला के कागज़ातों की दूसरी किश्त, जिसमें 30 फाइलें हैं, उनके पुत्र श्री आदिल जस्सावाला ने प्रदान की है। इस संग्रह में उनका पत्र-व्यवहार, उनके लेख, डायरियां तथा नोटबुक एवं प्रेस कतरनें शामिल हैं। इन कागज़ातों में उनके पुत्र श्री आदिल जस्सावाला के कागज़–पत्र भी सम्मिलित हैं जिसमें उनका विभिन्न साहित्यिक व्यक्तियों जैसे मुल्क राज आनंद, दिलीप चित्रे, एड्रियन स्लेवन तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार शामिल है जो उनके कार्य तथा निजी गतिविधियों से संबंधित है। सन् 1936–2008 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी तथा गुजराती में हैं।

20. प्रो. लक्ष्मी नारायण दूबे के कागज़ात (1932-2000)

शिक्षाविद्

प्रो. राजीव दूबे ने अपने पिता के कागज़ातों का एक लघु संग्रह, जिसमें लगभग 100 पृष्ठों की एक फाइल है, प्रदान किया। इसमें उनका रामधारी सिंह 'दिनकर', मैथिलीशरण गुप्त, शिवमंगल सिंह 'सुमन', मन्मथनाथ गुप्त तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार शामिल है। सन् 1956–1991 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

21. एम. एस. गिल के कागज़ात (ज. 1936)

सिविल सर्वेन्ट तथा राजनीतिज्ञ

डॉ. एम. एस. गिल ने स्वयं अपने कागज़ात, जिसमें 15 फाइलें हैं, प्रदान किए। इन कागज़ातों में उनका कैप्टेन अमरिन्दर सिंह, इंदरजीत सिंह जयजी तथा अन्य व्यक्तियों के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, तथा निजी मामलों से संबंधित पत्राचार सम्मिलित है। सन् 1959-2009 की अवधि के ये कागज़ात पंजाबी, हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

22. दिलीप सिमिऑन के कागज़ात

शिक्षाविद्

डॉ. दिलीप सिमिऑन ने बिहार राज्य अभिलेखागार तथा टाटा स्टील अभिलेखागार (जमशेदपुर) से एकत्रित शोध सामग्री की ज़िरॉक्स प्रतियां, जिसमें लगभग 50 फाइलें हैं, प्रदान कीं। सन् 1869–1993 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी, अंग्रेज़ी तथा उर्दू में हैं।

23. जी. एन. देवी के कागज़ात (ज. 1950)

शिक्षाविद् तथा सामाजिक कार्यकर्ता

डॉ. गणेश एन. देवी ने स्वयं अपने कागज़ातों की एक अन्य किश्त, जिसमें 25 फाइलें हैं, प्रदान की। इन कागज़ातों में उनका विभिन्न व्यक्तियों के साथ पत्राचार तथा स्वयं उनके और अन्य व्यक्तियों के लेख शामिल हैं। सन् 1986-2014 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती तथा मराठी में हैं।

24. ई. एस. रेड्डी के कागज़ात

गांधीवादी विचारक तथा लेखक

श्री ई. एस. रेड्डी ने गांधी तथा गांधीवाद से संबंधित एकत्रित सामग्री की एक और किश्त (सॉफ्ट कॉपी), जिसमें लगभग 1000 पृष्ठ हैं, प्रदान की। इन कागज़ातों में गांधीजी द्वारा एलिस ग्रीन (1912), रीस (1931), राष्ट्रपति रूज़वेल्ट (1942) तथा अन्य व्यक्तियों को लिखे पत्र शामिल हैं। अन्य व्यक्तियों के लेख, प्रेस कतरनें, डिज़र्टेशन्स व गांधी के साक्षात्कार भी इस संग्रह का भाग हैं। ये कागज़ात सन् 1849-1942 / 2011-2014 की अवधि के हैं।

25. आबिद हुसैन के कागज़ात (1926-2012)

अर्थशास्त्री, सिविल सर्वेन्ट तथा राजनयिक

डॉ. आबिद हुसैन ने अपने कागज़ातों की एक डी. वी. डी. प्रदान की जिसमें लगभग 350 पृष्ठ हैं। इसमें मुख्यतः उनके लेख, भाषण तथा रिपोर्ट्स जैसे 'फाल्ट लाइन्स ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी', 'साइंस ऐण्ड टेक्नॉलजि : ए फ्यूचर पर्सपेक्टिव' नामक लेख शामिल हैं। ये कागज़ात सन् 1995–2012 की अवधि के हैं।

26. परमानंद प्रसाद के कागज़ात (1921-1967)

स्वतंत्रता सेनानी

परमानंद प्रसाद के कागज़ातों का एक लघु संग्रह उनके पुत्र डॉ. शरत् कुमार से प्राप्त हुआ है, जिसमें स्वामी सहजानंद सरस्वती, तथा ऑल इंडिया किसान सभा के अध्यक्ष के साथ पत्र–व्यवहार शामिल है जो वामपंथी यूनाइटेड फ्रंट, इंडियन नेशनल आर्मी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, आदि से संबंधित है। ये कागज़ात सन् 1945–1967 की अवधि के हैं।

27. सैयुद हुसैन के कागज़ात (1886-1949)

वरिष्ठ पत्रकार तथा मिस्र में प्रथम भारतीय राजदूत

सैयुद हुसैन के कागज़ात प्रो. इस्मत मेहदी ने प्रदान किए हैं। इस संग्रह में 6 फाइलें हैं जिनमें सैयुद हुसैन का मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, श्री प्रकाश, एम. ए. अंसारी, एम. ए. जिन्ना, ऐनी बेसेंट, बी. जी. हॉर्निमेन, सरोजिनी नायडु, मदन मोहन मालवीय, तेज बहादुर सप्रू, सैयद महमूद तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्र–व्यवहार शामिल है। सन् 1907–1919 की अवधि का यह संग्रह अंग्रेज़ी तथा उर्दू में है।

28. नयनतारा सहगल के कागज़ात (ज. 1927)

उपन्यासकार तथा राजनीतिक पत्रकार

नयनतारा सहगल के कागज़ातों की दूसरी किश्त, जिसमें पांच फाइलें हैं, सुश्री ऋतु मेनन से प्राप्त हुई है । इस संग्रह में विजय लक्ष्मी पंडित, चेस्टर बॉउल्स, पिलर कस्मादा, हेलेन फ्रेसर, केरोल वेल्च, बिल हेमिल्टन, एड्वर्ड थॉम्पसन, जॉन केन्नथ तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्र–व्यवहार शामिल है। सन् 1954–2004 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी, स्पैनिश तथा हिंदी में हैं।

29. के. जी. सैयदेन के कागज़ात (1904-1971)

शिक्षाविद् तथा उर्दू लेखक

के. जी. सैयदेन के कागज़ात, जिसमें लगभग 50 फाइलें हैं, डॉ. सैयदा हमीद ने प्रदान किए हैं। इसमें उनका ज़ाकिर हुसैन, विजय लक्ष्मी पंडित, एच. एन. कुंज़रू, एम. बी. नानावती, राजकमल प्रकाशन, एशिया पब्लिशिंग हाउस तथा अन्य व्यक्तियों के साथ पत्राचार सम्मिलित है। इस संग्रह में उनके लेख तथा व्याख्यान उनकी पुस्तकों की पाण्डुलिपियां, प्रेस कतरनें, मुद्रित सामग्री, ड़ायरियां आदि शामिल हैं। सन् 1947-84 की अवधि के ये कागज़ात अंग्रेज़ी तथा जर्मन में हैं।

30. प्रो. नन्दिनी सुंदर के कागज़ात

शिक्षाविद्

प्रो. नन्दिनी सुंदर ने अपने कागज़ातों की तीन किश्तें प्रदान की हैं जिसमें 250 लघु पुस्तिकाएं, पाम्फलेट्स तथा 30 रिपोर्ट्स हैं। सन् 1931–2007 की अवधि के ये कागज़ात हिंदी तथा अंग्रेज़ी में हैं।

अन्य कागज़ात

उपर्युक्त कागज़ातों के अलावा, पांडुलिपि विभाग को निम्नलिखित कागज़ात भी प्राप्त हुए : पी. डी. टंडन को प्रदान किया 'भारत रत्न' का मूल सर्टिफिकेट, दिनांक 27 अप्रैल, 1961; मुत्थुलक्ष्मी रेड्डी का एल्लोर में सातवीं आंध्रा प्रॉविंशियल विमेन्स कॉन्फ्रेंस में अध्यक्षीय भाषण; वेश्याओं के निवास तथा उनके उपचार पर जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखे दो दस्तावेज़, 1923; तथा 'फ्रीडम मूवमेंट ऑफ इंडिया रिगार्ड़िंग सेंट्रल जेल, अंड़मान' शीर्षक से डॉ. प्रबीर कुमार लाहा का बंग्ला में लेख।

शोध एवं संदर्भ

हमारे समृद्ध पुरालेखीय स्रोतों का उपयोग पहले की तरह शोधार्थियों द्वारा किया गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान पाण्डुलिपि अध्ययन कक्ष में कुल 543 अध्येतागण पधारे। भारत तथा विदेशों के इन अध्येताओं को उनके विश्वविद्यालय/संस्थाओं से विधिवत् अभिलेखागार में प्रवेश के लिए अनुमति की सिफारिश की गई थी। उन्हें अध्ययन के लिए 10,455 फाइलें उपलब्ध कराई गईं तथा उनके और कार्यालय के प्रयोग के लिए 52,829 पृष्ठों की ज़िरॉक्स प्रतियाँ तैयार की गईं।

परिरक्षण एकक

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एकक द्वारा 3,042 शीटों को लेमिनेट कर उपचारित किया गया, 2,948 दस्तावेज़ों की पूरी पेस्टिंग तथा 2,164 शीटों का टिश्यू उपचार किया गया। इसके अतिरिक्त 5,040 पुराने पृष्ठों की धुलाई कर उन पर लगे दाग–धब्बों को साफ किया गया। एकक द्वारा पेजीनेशन की जांच की गई एवं मौखिक इतिहास प्रतिलिपियों के

22,608 शीटों, पांडुलिपि प्रभाग के दस्तावेज़ों, प्रशासन, प्रकाशन प्रभाग के कागज़ातों को एकत्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, 623 सूचियों, प्रतिलेखों, पुस्तको व एजेंडा पेपर्स की जिल्दबंदी का कार्य भी किया गया। इस अवधि के दौरान 13,580 अखबारों की माईक्रोफिल्मिंग की गई एवं फोल्डर्स की कटाई–छटाई कर सिलाई की गई, 1,282 पृष्ठों को एकत्रित कर सिला गया। 861 दस्तावेज़ों की रक्षियां लगाई गईं, 526 शीर्षकों को चिपकाया गया, 428 पृष्ठों को सीधा किया गया तथा 1,436 पुस्तकों को रीकास्ट किया गया। एकक द्वारा पुस्तकालय के फोटो एकक के लिए 102 तस्वीरों को एलबम में चिपकाया गया। इसके अतिरिक्त, एकक द्वारा पार्सलों को सिलने, पैक करने, एजेंडा पेपरों को चैक करने, सिलने व जिल्दबंदी का कार्य भी किया गया। इस अवधि में 6,070 पृष्ठों को धुम्रीकृत भी किया गया जिनमें बहुमुल्य रिकॉर्डस यथा पुस्तकें, फाइलें इत्यादि शामिल हैं। एकक द्वारा पांडुलिपि प्रभाग के लिए 1,202 फाइल फोल्डर्स भी तैयार किए गए और परिरक्षण एकक में संस्थापित पॉलिएस्टर सीलिंग मशीन के प्रयोग से दो फोटो एलबम भी तैयार किए गए।

रिप्रोग्राफी अनुभाग

रिप्रोग्राफी अनुभाग शोध सामग्री के अनुवर्द्धन और शोधकर्ताओं को शोध सामग्री सुलभता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अंग्रेज़ी व प्रादेशिक भाषाओं के पुराने व नए समाचार पत्रों और अभिलेखागारीय सामग्री की माइक्रोफिल्मिंग का कार्य करता है। यह अनुभाग, पुस्तकालय में शोध के लिए पधारने वाले विद्वानों को विभिन्न प्रकार की रिप्रोग्राफिक सेवाएं भी प्रदान करता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, रिप्रोग्राफी प्रभाग को अभिलेखागारीय रिकार्डों के माइक्रोफिल्म रिकार्ड्स की डुप्लिकेटिंग, डायरेक्ट डुप्लिकेटिंग, माइक्रोफिल्म रोल्स का अवाप्तिकरण, पुराने माइक्रोफिल्म्स की पुनः धुलाई, माइक्रोफार्म्स की आकृतियां, संगोष्ठियों व प्रदर्शनियों के पोस्टर तैयार करने का कार्य सौंपा गया। इसके अतिरिक्त प्रभाग ने कार्यालय के समारोह, संगोष्ठियों व व्याख्यानों की फोटोग्राफी का कार्य भी किया

और कार्यालयी दस्तावेजों की ज़िरॉक्सिंग भी की।

उक्त अवधि में *फाइनेंशियल एक्सप्रेस* 1 जनवरी 2000 से 31 दिसम्बर 2008 के 147 रोल्स, *हिंदुस्तान टाइम्स* 20 नवम्बर 2009 से 7 मई 2011 के 51 रोल्स, *दि टेलिग्राफ* जनवरी 1999 से 31 अक्टूबर 2003 के 94 रोल्स तैयार किए। *ऑल इंडिया शिया कानफ्रेंस की वार्षिक कार्यवाही* के 8 रोल्स *इंडिया पाकिस्तान वॉर ऑफ 1971* के 4 रोल्स की डुप्लिकेटिंग का कार्य भी किया गया। इसके अतिरिक्त *दि ट्रिब्यून, दि हिन्दुस्तान टाइम्स, केसरी, कैपिटल, आंनद बाज़ार पत्रिका, इंडियन मर्चेंट चेम्बर, ऑल इंडिया शिया कानफ्रेंस की वार्षिक कार्यवाही, आज* और *अभ्युदय* के 289 रोल्स की डायरेक्ट डुप्लिकेटिंग की गई। एकक द्वारा 265 कार्यक्रमों की 15,000 तस्वीरें भी ली गई जो संस्था की संगोष्ठियों, समारोहों व व्याख्यानों से संबंधित हैं।

एकक द्वारा माइक्रोफिल्म रोल्स से 8081 चित्र तैयार किए गए तथा डिजिटलीकृत 650 रोलों की गुणवत्ता की जांच की गई। संस्था के उपयोग के लिए जहां 1,26,277 जिरॉक्स प्रतियां तैयार की गईं वहीं इस अवधि के 293 रोल्स की धुलाई भी की गई। एकक द्वारा संगोष्ठियों और व्याख्यानों के 110 पोस्टर भी तैयार किए गए।

मौखिक इतिहास प्रभाग

मौखिक इतिहास प्रभाग, आधुनिक एवं समसामयिक भारत के सामाजिक और राजनैतिक विकास से संबंधित दस्तावेज़ उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों से साक्षात्कार करके तैयार करता है जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कुल 41 सत्रों में 11 व्यक्तियों को रिकॉर्ड किया गया जिससे साक्षात्कारित व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 1,369 और साक्षात्कारों के सत्र 5,572 हो गए हैं।

वर्ष के दौरान जिन नए व्यक्तियों को रिकॉर्ड किया गया, वे हैं: प्रो. अख्तरुल वासे, प्रो. अरविन्द पनगड़िया, श्री सत्य मूर्ति धीमन, श्री पी. चिदम्बरम तथा श्री जयराम रमेश।

पिछले वर्ष शुरू किए गए कुछ साक्षात्कार जो समीक्षाधीन अवधि के दौरान भी जारी रहे, वे इस प्रकार हैं: श्री प्रमोद प्रकाश श्रीवास्तव, श्री अब्दुल मुईद, श्री यशवंत सिन्हा, श्री गुरदयाल सिंह, प्रो. दीपक नायर तथा श्री चन्द्र भाल त्रिपाठी।

ग्यारह साक्षात्कारों के प्रतिलेखों के 959 पृष्ठों को अंतिम रूप दिया गया। अंतिम रूप से तैयार प्रतिलेखों की संख्या बढ़कर 904 हो गई है। वर्ष के दौरान जिन साक्षात्कारों को अंतिम रूप से तैयार किया गया उनका विवरण निम्नानुसार है:

1. श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह (1931-2008) (भाग-III)

पूर्व प्रधानमंत्री

इन्होंने अपने साक्षात्कार में जनता दल के गठन तथा प्रधानमंत्री के रूप में किए गए कार्यों से संबंधित संस्मरण रिकॉर्ड कराए हैं, जिनमें मुख्य विषय हैं: नैशनल फ्रंट का गठन; जनता दल की कार्यप्रणाली; सन् 1989 के आम चुनाव तथा असेम्बली चुनाव; यू.पी. में मुख्यमंत्री का चुनाव (1989); सीमा संबंधी समस्याएं; न्यूक्लिअर परीक्षण; डॉ. रूबैया सईद का अपहरण; कश्मीर समस्या; पंजाब में आतंकवाद; नॉर्थ-ईस्ट की आर्थिक दशा सुधारने के लिए किए गए कार्य; तथा यूनाइटिड फ्रंट सरकार (1996) का गठन।

2. बेगम कुदेसिया ऐज़ाज रसूल (1909-2001)

भूतपूर्व सदस्य, राज्य सभा, उत्तर प्रदेश

इन्होंने अपने साक्षात्कार में, अन्य विषयों के अतिरिक्त, मलेरकोटला रियासत से संबंधित संस्मरण, पिता नवाब सर ज़ुल्फिकार अली खान, तथा राज्य सभा सदस्य के रूप में हुए अनुभवों को रिकॉर्ड करवाया है।

3. श्री बिजॉय कृष्ण आचार्य (1912-1982)

पूर्व राजदूत, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

श्री आचार्य ने अपने साक्षात्कार में 1950 और 1960 के दशक

में भारत की विदेश नीति तथा एक राजदूत और हाई कमिशनर के रूप में कम्बोडिया (1955-56), चेकोस्लोवाकिया (1959–62), कनाडा (1964-66), पूर्वी पाकिस्तान (1951-54) और पश्चिमी पाकिस्तान (1969-71); जवाहरलाल नेहरू का म्यूनिख पैक्ट (सितम्बर 1938) पर भाषण; कॉमनवैल्थ प्राइम मिनिस्टर्स कान्फ्रेंस, लंदन (1960); नेहरू की कनाडा यात्रा (1949 तथा 1956); बंगलादेश का उद्भव; भारत-पाक युद्ध (1965 तथा 1971); नेहरू युग में भारत की विदेश नीति; तथा भारत के मोरक्को, ट्यूनीशिया तथा अन्य दक्षिण अफ्रीकी देशों के साथ संबंध इत्यादि पर रिकार्ड कराया है।

4. डॉ. फूलरेनू गुहा (1912-2006)

पूर्व सांसद, अध्यक्ष, ऑल इंडिया विमेन्'स कान्फ्रेंस, कोलकाता शाखा, पश्चिम बंगाल

इन्होंने मुख्यतः जिन विषयों से संबंधित संस्मरण रिकॉर्ड कराए हैं, वे हैंः पारिवारिक पृष्ठभूमि; बारिसल में युगान्तर ग्रुप; लेबर पार्टी (सी. पी.आई.) (1926); कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन; भारत छोड़ो आंदोलन; बंगाल अकाल (1943); नौआखली में हुए दंगे (1946); महात्मा गांधी से मुलाकात; रजनी पाम दत्त, ज्योति बसु, बी. सी. रॉय, बिपिन चन्द्र पाल, बसंत कुमार बोस, सरोजनी नायडु, कमलादेवी चट्टोपाध्याय तथा रबीन्द्रनाथ टैगोर; बंगाल विभाजन (1947); तथा ऑल इंडिया विमेन्'स कान्फ्रेंस।

5. श्री आसूदामल बूलचन्द (1912-1993)

स्वतन्त्रता सेनानी, सिन्ध (आजकल पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः सिन्ध से संबंधित संस्मरण; नवाबशाह जिले में असहयोग आंदोलन (1920-22) तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-32) के बारे में चर्चा की है।

6. श्रीमती विमला डांग (1926-2009)

पूर्व विधायक, कम्युनिस्ट लीडर तथा स्वतंत्रता सेनानी, लाहौर (आजकल

पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः जिन विषयों पर रिकॉर्ड कराया है, वे हैं: लाहौर में ऑल इंडिया स्टूडेन्ट्स' फेडरेशन की गतिविधियां; देशभक्ति गीत; भारत छोड़ो आंदोलन, बम्बई; बंगाल अकाल (1943); रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह (1946); इंटरनैशनल यूनियन ऑफ़ स्टूडेन्ट्स (1947–51); छेहरटा में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन एवं विधायक के रूप में किए गए कार्य; पंजाब स्त्री सभा; भारत-पाक युद्ध (1965 तथा 1971); पंजाब में आतंकवाद; तथा पंजाब में कम्युनिस्ट पार्टी।

7. पंडित शाम नारायण कश्मीरी (1913-1993)

स्वतन्त्रता सेनानी, नागपुर, महाराष्ट्र

इन्होंने अपने साक्षात्कार में मुख्यतः 1930 और 1940 के दशक में नागपुर में हुई राजनीतिक गतिविधियां, सी. पी. ऐंड बरार कान्सिपिरेसी केस (1933–38); और भारत छोड़ो आंदोलन से संबंधित संस्मरण रिकॉर्ड करवाए हैं।

8. श्री तीरथ राम सूरी (1921-2012)

स्वतन्त्रता सेनानी, मर्दान, उत्तर पश्चिमी सीमा प्रान्त (आजकल पाकिस्तान में)

इन्होंने अपने साक्षात्कार में कटरा डुमेलगंज, ज़िला मर्दान, में लाल कुर्ती तहरीक; भारत छोड़ो आंदोलन; सन् 1946 के चुनाव; और खान अब्दुल गफ्फार खां तथा डॉ. खान साहेब की भूमिका के बारे में रिकॉर्ड करवाया है।

9. डा. मुरलीधर देवीदास आम्टे (बाबा आम्टे) (1914-2008)

प्रसिद्ध रचनात्मक कार्यकर्ता तथा समाजसेवी, नागपुर, महाराष्ट्र

इन्होंने अपने साक्षात्कार में महात्मा गांधी से सम्पर्क तथा रचनात्मक कार्यों, विशेष रूप से कुष्ठ रोगियों के बीच किए गए कार्यों से संबंधित अनुभव रिकॉर्ड करवाए हैं।

10. श्री आनंद राज सुराना (1891-)

पूर्व विधायक, दिल्ली

इन्होंने अपने साक्षात्कार में अपने पिता, चांदमल सुराना, जोधपुर राज्य; मारवाड़ हितकारिणी सभा का गठन (1917); मारवाड़ पीपुल्स कान्फ्रेंस, मारवाड़; दिल्ली में प्रजामंडल; तथा भारत छोड़ो आंदोलन से संबंधित विषयों पर चर्चा की है।

11. प्रोफेसर ए. एन. नामजोशी (1917-1998)

पूर्व मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई

इन्होंने अपने साक्षात्कार में जिन विषयों पर रिकॉर्ड कराया है, वे हैं: बंबई में सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930); बंबई कांग्रेस (1934); महात्मा गांधी से मुलाकात; विल्सन कॉलेज तथा पोदार आयुर्वेद मेडिकल कालेज, बंबई; बंबई से संबंधित संस्मरण; विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्य, सुभाषचन्द्र बोस; भारत छोड़ो आंदोलन; बंबई में स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त 1947); महाराष्ट्र राज्य का गठन (1960); जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और महाराष्ट्र में कांग्रेस (1957-64); कांग्रेस विभाजन (1969); तथा महाराष्ट्र सरकार के मंत्री के रूप में हुए अनुभव (1972)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विभाग द्वारा श्रीमती शीला सेनगुप्ता की प्रतिलिपि अनुमोदन के लिए साक्षात्कारित व्यक्ति को भेज दी गई है।

साक्षात्कार रिकॉर्ड करना एवं प्रतिलिपियों को अंतिम रूप देना एकक की निरंतर प्रक्रिया है।

शोध एवं प्रकाशन विभाग

राजाजी परियोजना

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय अपने अभिलेखागार में उपलब्ध महत्वपूर्ण व्यक्तियों के दस्तावेज पर आधारित सिलेक्टिड वर्क्स का प्रकाशन करती है। अभी तक संस्था ने *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ मोतीलाल नेहरू, आचार्य नरेन्द्र देव* और *जयप्रकाश नारायण* का प्रकाशन निकाला है। वर्तमान समय में *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* के प्रकाशन का कार्य जारी है।

1. समीक्षाधीन अवधि के दौरान *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* का द्वितीय खण्ड (1921-1922) प्रकाशित हुआ।
2. *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* का तृतीय खण्ड (1923-1925) की हस्तलिपि जिसमें 571 पृष्ठ हैं, को अंतिम रूप देकर प्रेस में भेजा गया।
3. *सिलेक्टिड वर्क्स ऑफ सी. राजागोपालाचारी* का चतुर्थ खण्ड जिसमें 1926-1931 की अवधि के दस्तावेजों को सम्मिलित किया गया है, की हस्तलिपि को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है।

इसके अलावा आगामी खण्डों के लिए एकत्रित दस्तावेजों को वर्ष 1932-1937 तक श्रेणीबद्ध किया तथा चयनित दस्तावेजों की टाइपिंग और मिलान का कार्य किया गया। इन दस्तावेजों की टिप्पणी के लिए भी शोध कार्य किया गया।

समसामयिक अध्ययन केन्द्र

अपने अस्तित्व के 25 वर्ष में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की समसामयिक अध्ययन केन्द्र एक प्रोन्नत अनुसंधान गतिविधि केन्द्र के रुप में विकसित हो चुका है। संस्था के फेलोशिप कार्यक्रम के तहत् उक्त अवधि में 35 फेलोज़ ने कार्यभार ग्रहण किया एवं अपने शोध कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति की। इनके नाम और परियोजनाओं के शीर्षक आगे दिए गए हैं :

	फेलो	शोध परियोजना का शीर्षक
1	प्रो. ए. आर. वासवी	"फ़ोर एमब्लिमैटिक फ़िगर्स इन दि मेकिंग ऑफ ए 'न्यू इंडिया'"
2	श्री अनिल कुमार नौरिया	"लीगल इश्यूज़ इन दि फ्रीडम मूवमेंट : ए प्रपोज़ल फॉर स्टडी"
3	प्रो. पार्थ एस. घोष	"मेकिंग सेंस ऑफ दि पापुलेशन मूवमेंट्स इन साउथ एशिया"
4	प्रो. आर. नंदकुमार	"एस्थेटिक्स ऐण्ड कल्चरल फार्मेशन"
5	प्रो. इलिना सेन	"जेंडर अर्टिकुलेशन इन सोशल ऐण्ड डेमोक्रेटिक मूवमेंट्स इन इंडिया : हिस्ट्री, इश्यूज़ ऐण्ड लर्निंग"
6	प्रो. विजया रामास्वामी	"नीलांबिकाइ अम्मयार : प्रोफाइल ऑफ ए मार्जिनल प्लेयर–जेंडर आइडेंटिटी ऐण्ड लैंग्विज पॉलिटिक्स इन कॅलोनियल तमिलनाडू"
7	प्रो. उदय कुमार	"हिस्ट्री, आइडेंटिटी, स्पेशियालिटी : न्यू इडियम्स ऑफ वर्नाक्यूलर सोशल थॉट इन अर्ली ट्वेंटियथ सेंचुरी केरला"
8	प्रो. सजल नाग	"दि इंटरवेंशन ऑफ गॉडेस : मिशनरीज़, कलोनियल स्टेट ऐण्ड ह्यूमैनिटेरियन पॉलिटिक्स इन ब्रिटिश नार्थ–ईस्ट इंडिया"
9	प्रो. कुमकुम रॉय	"विमेन, मेन ऐण्ड अदर्स इन दि क्लास ऐण्ड इन दि पास्ट : दि चैलेंजिस ऑफ मैनस्ट्रीमिंग जेंडर इन हिस्ट्री"
10	प्रो. राधिका सिंह	"पुटिंग इंडिया इन दि ग्रेट वार (1914–1918)"

11	डॉ. देवेश विजय	“डीलिंग विद दि स्टेट : ए स्टडी ऑफ इंटरफेसेस बिटवीन लेबर ऐण्ड अथॉरिटीज़ इन ए स्लम ऐण्ड ए विलेज नियर दिल्ली"
12	डॉ. आरती कालरा	“लोकेटिंग वैल्यू : ग्लोबलाइज़ेशन, जी. आई. ऐण्ड दि कांचीपुरम साड़ी"
13	डॉ. राखी कलिता मोरल	“विमेन, इंसरजेंसि ऐण्ड दि मिथ ऑफ पॉवर : दि केस ऑफ उल्फा"
14	डॉ. हिमांशु प्रसाद रॉय	“सलवा जुदुम : एन ऑल्टरनेटिव ट्राइबल पेज़न्ट मूवमेंट"
15	डॉ. इंदिरा चक्रवर्ती	“मेडिकल टेक्नॉलजि ऐण्ड ‘हेल्थकेयर इंडस्ट्री’ इन इंडिया : लैंडस्केप, इंटरसेक्शंस ऐण्ड कॉन्सिक्वेंसिज़ फॉर पब्लिक हेल्थ"
16	डॉ. अंशु मल्होत्रा	“रिलीजियस कल्चर्स ऑफ पंजाब इन नाइनटींथ संेचुरी : पिरो ऐण्ड दि गुलाबदासी सेक्ट"
17	डॉ. रश्मि पंत	“फैमिली, लॉ ऐण्ड जेंडर इन कलोनियल कुमांऊ"
18	डॉ. मनीषा सेठी	“फीमेल सब्जेक्टिविटि ऐण्ड एजेंसी : दि केस ऑफ जैन विमेन रिनांउंसर्स"
19	डॉ. मालविका कस्तुरी	“क्राफ्टिंग हिंदू पब्लिक्स : दि सनातन धर्म सभा मूवमेंट, सेक्रेड स्पेस, रिचुअल ऐण्ड कास्ट रिफॉर्म इन दि टवेंटियथ सेंचुरी इंडिया"
20	डॉ. वसुधा पाण्डे	“राइटिंग इन्वायरमेंटल हिस्ट्रीज़ ऑफ

		उत्तराखण्ड सी. 2000 बी.सी.ई – 2000 ए.सी.ई."
21	डॉ. दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा	"स्पैकट्रम ऑफ रेज़िसटेंट : फेमिनिज़्म ऐण्ड सोशल मूवमेंटस इन पोस्ट-इमेरजेंसी दिल्ली"
22	डॉ. एल. आर. एस. लक्ष्मी	"ए कम्पैरिटिव स्टडी ऑफ मुस्लिम कम्यूनिटीज़ इन थ्री रीजंस"
23	डॉ. जीनू ज़कारिया ओमेन	"इंटरनेशल माइग्रेशन ऐण्ड न्यू डायमेंशंस ऑफ रिलीजन : अंडरस्टैंडिंग सोशल ट्रांसफॉरमेशन इन दि सिविल सोसाइटी ऑफ केरला"
24	डॉ. परिमला वी. राव	"पुअर स्टूडेंटस ऐण्ड पुअरर टीचर्स : स्टेट एक्सपेरिमेंट्स इन एजुकेशन इन इंडिया ऐण्ड इंग्लैण्ड, 1835–1935"
25	डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा	"भारतीय रेल श्रमिक संगठनों की संरचना एवं प्रक्रिया पर उदारीकरण का प्रभाव"
26	डॉ. अनुराधा कल्हान सिद्दिकी	"ह्यूमन, सोशल ऐण्ड फिजिकल कैपिटल फॉरमेशन इन अर्बन इन्फॉरमल सेक्टर इम्पलॉयमेंट : इन दि कन्टेक्सट् ऑफ बैंक एस. एच. जी. लिकेंज ऐण्ड दि पॉसिबिलीटीज़ फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ"
27	डॉ. कमल नयन चौबे	"लॉ एज़ ए साइट ऑफ कंटेस्टेशन बिटवीन स्टेट ऐण्ड दि मार्जिन्स : ए कम्पैरिटिव स्टडी ऑफ दि एक्सपीरिअंसेंस ऑफ टू 'प्रोग्रेसिव लॉज़' (पी.ई.एस.ए. ऐण्ड एफ.आर.ए.)"

28	डॉ. वेणुगोपाल मद्दीपती	“सेल्फसेम स्पेसिज़ : गांधी, आर्किटेक्चर ऐण्ड ऐल्यूशंस इन ट्वेंटियथ सेंचुरी इण्डिया"
29	डॉ. नरेन्द्र शुक्ल	“औपनिवेशिक उत्तर–भारत (पंजाब, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रांत) में प्रतिबंधित साहित्य (1907–1935)"
30	सुश्री वृंदा ग्रोवर	“दि इवोल्विंग जूरिसप्रूडेंस ऑफ मास क्राइम इन इंडिया : ए लीगल हिस्ट्री"
31	डॉ. तनुजा कोठियाल	“बिटवीन हिस्ट्री ऐण्ड हरसे : मीडिवीअ्ल नरेटिव्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड अर्ली मॉडर्न कंस्ट्रकशन ऑफ राजपूत पास्ट"
32	डॉ. विजय रामदास मंडला	“लॉस्ट वर्ल्डस : हंटिंग दि वाइल्ड लाइफ कंज़रवेशन इन क्लोनियल इंडिया"
33	डॉ. धनंजय सिंह	“प्रवसन-चक्र में देश–प्रदेश : लोक संस्कृति के बदलते आयाम"
34	डॉ. शैली पाण्डेय	“एथ्नोग्राफी ऑफ काबुलीज इन डेल्ही : लोकेटिंग कल्चरल ऐण्ड जेंडरड प्रैक्टिस ऑफ अफगान रिफ्यूजीस"
35	डॉ. शाद नावेद	“पब्लिक मेकिंग : विमेन्स पोएटिक इन उर्दू ऐण्ड इटस मीलिअस"

उपर्युक्त शोधार्थियों के अतिरिक्त हमारी संस्था ने दो ऐसे फेलोज़ को भी सहबद्धता दी है जिन्हें भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् तथा भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् जैसी संस्थाओं से फेलोशिप प्राप्त हुई है।

पर्यावरण, विज्ञान तथा समाज आदि जैसे सामयिक मुद्दों पर विद्वत समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से समसामयिक अध्ययन केन्द्र ने वर्ष 2014–15 में "इंडिया ऐण्ड दि वाइडर वर्ल्ड", "सिटीज इन हिस्ट्री", "इंडिया इन ट्रांजिशन", "साइंस, सोसाइटी ऐण्ड नेचर" तथा "समाज एवं इतिहास" जैसे बहुत से विशेष सार्वजनिक व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा "कल्चर्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड कंटेम्पोरेरि लाइफ", "रीजनल हिस्ट्री ऐण्ड कल्चर" तथा "समाज, विज्ञान और विकास" नामक व्याख्यानों की नई शृंखला शुरू की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, इस केन्द्र द्वारा निम्न संगोष्ठियों, सार्वजनिक व्याख्यानों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, पैनल परिचर्चा, विशेष व्याख्यानों तथा स्मरणीय बैठकों का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियां

संस्था द्वारा निम्न साप्ताहिक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

1. ''नाईनटींथ सेंचुरी फोटोग्राफी ऐण्ड दि आइडिया ऑफ दि फेस''–डॉ. एन. ए. जेकब, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 1 अप्रैल 2014।
2. ''वॉट इज़ क्लोनियल अबाउट क्लोनियल मेडिकल केयर?: जेंडर, सोसाइटी ऐण्ड दि पॉलिटिकल इकनॉमी ऑफ हेल्थ केयर इन इंडिया, सि. 1840–1920''–डॉ. समीक्षा सेहरावत, न्यू कैस्टेल यूनिवर्सिटी, यू. के.; 4 अप्रैल 2014।
3. ''लैण्ड एक्विज़िशन ऐक्ट इन इंडिया : इम्पैक्ट ऑन इनवायरमेंट ऐण्ड लाइवलीहुड, 1824–2013''–प्रो. वेलायुथम श्रवनन, जामिया मीलिया इस्लामिया, नई दिल्ली; 15 अप्रैल 2014।
4. ''स्केलिंग अप और रीमेनिंग रूटिड : दि कर्नाटक फार्मर्स मूवमैंट (के.आर.आर.एस.) इन 1999''–डॉ. स्टिग टोफ्ट मडसेन, कॉपनहेगन विश्वविद्यालय; 25 अप्रैल 2014।
5. ''इंवायरनमेंटलिज़्म इन एन इरा ऑफ ग्लोबल पॉलिटिकल क्राइसिस,

1914–1950''–डॉ. डेनियल क्लिनगेनस्मिथ, मेरीविले कॉलेज, यू.एस. ए.; 28 अप्रैल 2014।

6. ''कम इन ऐण्ड सी माई हाउस : होम लोन्स, ड्रीम हाउसिज़ ऐण्ड दि फ्रेजिलटीज़ ऑफ विमेन्स कंट्रोल ओवर प्रापर्टी इन केरला''–डॉ. जानकी अब्राहम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 29 अप्रैल 2014।

7. ''एन एजुकेशन इन नार्थ रियलिज़्म : 'नेशनल' सेंसरशिप इन इंडिया इन दि 1950''–डॉ. देविका सेठी, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 2 मई 2014।

8. ''ए पीपल आउट ऑफ प्लेस : होम, हिस्ट्री ऐण्ड एविक्शंस इन कंटेम्पोरेरि मुम्बई''–डॉ. गायत्री मेनन, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यू. के.; 6 मई 2014।

9. ''लिविंग ऐण्ड डिफाइनिंग कास्ट : दि लाइफ ऐण्ड राईटिंग ऑफ ज्ञानी दित्त सिंह/संत दित्ता राम''–डॉ. अंशु मल्होत्रा, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 7 मई 2014।

10. ''रिप्रोड्यूस्ड साउंड : पर्सेपशन, रिसेपशन ऐण्ड सेंसिबिलिटी-दि केस ऑफ इंडिया आर्ट म्यूज़िक''–प्रो. आर. नंद कुमार, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 12 मई 2014।

11. ''फॉरेस्ट, लाइवलीहुड ऐण्ड डिवेलपमेंट : ए कम्पैरिटिव स्टडी ऑफ दि एक्सपीरियंस ऑफ टू 'प्रोग्रेसिव' लॉज़, पंचायत एक्सटेंशन टू शिडयूल्ड एरियाज़ (पेसा) ऐण्ड फ़ॉरेस्ट राइट्स एक्ट (एफ.आर. ए.)''–डॉ. कमल नयन चौबे, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 13 मई 2014।

12. ''हैल्थ फॉर दि पब्लिक : मेडिकल नॉलेज, पॉलिसिज़ ऐण्ड पीपल''–डॉ. मधुलिका बैनर्जी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 20 मई 2014।

13. ''अंडरस्टैंडिंग शेख़ मुहम्मद अब्दुल्ला''–डॉ. नायला अली खान, नबरास्का विश्वविद्यालय, कीर्नी, यू.एस.ए.; 4 जून 2014।

14. ''रूरल इकॉनॅमी : ए माक्रो-व्यू फ्रॉम वेस्टर्न उत्तर प्रदेश, सन् 1930–2012''–डॉ. देवेश विजय, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 8 जुलाई 2014।

15. ''लोकेटिंग क्राफ्ट इन दि ऑकयोलॉजी ऑफ थर्ड वर्ल्ड डिवेलपमेंट''–डॉ. आरती कालरा, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 15 जुलाई 2014।

16. ''लैंग्विज, सिनेमा, रेडियो : ए ट्राइगंयूलर हिस्ट्री''–श्री रविकांत, सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ डिवेलपिंग सोसाइटीज़, दिल्ली; 22 जुलाई 2014।

17. ''इरिगेशन, ऐण्ड लेबर इन प्रीक्लोनिअल पंजाब''–डॉ. तृप्ता वाही, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की पूर्व संबद्ध फेलो, 28 जुलाई 2014।

18. ''दि क्वेस्ट फॉर 'सूटेबल लेबर' : नेगोशिएटिंग स्टिगमा ऐण्ड वर्क इन दि लेदर इंडस्ट्री इन लेट क्लोनियल इंडिया''–डॉ. शहाना भट्टाचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 5 अगस्त 2014।

19. ''फ्रॉम *मशीनो* फैक्चर टू *मैन्यू* फैक्चर : चेजिंग कॉंटुअर्स ऑफ साइंस ऐण्ड टेक्नॉलजि डिसकोर्स इन 1970ज़ ऐण्ड दि 1980ज़''–सुश्री राधिका कृष्णन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 12 अगस्त 2014।

20. ''दि क्लोनियल हंट : मैट्रोपोल, कॉलीनी ऐण्ड वाइल्ड लाईफ इन इंडिया, 1850–1950''–डॉ स्वाति श्रेष्ठा, अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकॉलजि ऐण्ड इंवायरमेंट, बेंगलुरू; 19 अगस्त 2014।

21. ''दि सर्च फॉर दि *ऑलटरनेटिव* : डिबेटिंग दि ओरिजिन्स ऑफ इंडिया'ज़ स्ट्रेटिजिक कल्चर''–डॉ. जयश्री विवेकानंदन, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; 26 अगस्त 2014।

22. ''कांग्रेस सोशलिस्ट डेफिनिशंस ऐण्ड बैकस्लाइडिंग नैशनलिज़्म : दि मिसगाइडिड इंटेशंस ऑफ दि कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी''–डॉ. विलियम

एफ. कुरासिना, टेक्साज़ ऐ ऐण्ड एम यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.; 2 सितम्बर 2014।

23. ''फैमिलिरिटी विद् दि फैमिलिअर : फैड्रीक सैलमन ग्राओसिज फ्रेगमैन्ट्री विज़नस ऑफ दि आर्किटेक्चर ऑफ बुलंदशहर, 1878–1886''–डॉ. वेणुगोपाल मद्दीपति, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली; 9 सितम्बर 2014।

24. ''रेलकर्मियों की समस्याओं का बदलता स्वरूप''–डॉ. प्रदीप शर्मा, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 16 सितम्बर 2014।

25. ''वेस्टर्न हिमालयन लीजेण्ड ऑफ वाल्ड अप वाइफ : विमेन्स सांग्स ऑफ डेथ ऐण्ड मर्डर''–प्रो. महेश शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; 23 सितम्बर 2014।

26. ''दि सिटी ऑफ डेल्ही : आर्किटेक्चर ऐण्ड प्लैनिंग प्री ऐण्ड पोस्ट इंडिपेंडेंस''–सुश्री पिलर मारिया गुअररी, पॉलिटेक्नीक मिलान विश्वविद्यालय, इटली; 26 सितम्बर 2014।

27. ''औपनिवेशिक भारत में प्रतिबंधित और विवादित सिनेमा (1913–1935)''–डॉ. नरेन्द्र शुक्ल, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 14 अक्टूबर 2014।

28. ''रणवीर सेना : एन आलटरनेटिव पीज़ेंट मूवमेंट?''–डॉ. हिमांशु रॉय, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 21 नवम्बर 2014।

29. ''बिटवीन हेअरसेय ऐण्ड हिस्ट्री : मेडिवीअल नरेटिव ट्रेडीशंस इन राजस्थान''–डॉ. तनुजा कोठियाल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली; 25 नवम्बर 2014।

30. ''हिस्टॉरिकल फिक्शन ऐण्ड दि क्वेशचंस ऑफ सुवर्निटी : एस्थेटिक्स फार्म ऐण्ड मेमोरि मेकिंग इन अर्लि टवेंटीअ्थ सेंचुरी ट्रेवनकोर''–प्रो. उदय कुमार, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 27 नवम्बर 2014।

31. ''रेग्यूलेटिंग कंजुगैलिटी : 'वाइफ', 'हस्बेंड' ऐण्ड 'विडो' एज़ सबटेक्टस ऑफ लॉ, कुमाऊँ, 1815–1960''–डॉ. रश्मि पंत, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 1 दिसम्बर 2014।

32. ''स्कॉटिश कान्ट्रीब्यूशन टू इंडियन एजुकेशन इन दि नाइनटींथ सेंचुरी : इश्यूज़ ऑफ पॉवर्टी, आइडेंटिटी ऐण्ड एम्पायर''–डॉ. परिमला वी. राव, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 2 दिसम्बर 2014।

33. ''फॉरेन पॉलिसी ऑफ ए क्लोनियल स्टेट : ब्रिटिश इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी, 1900–1947''–डॉ. स्नेह महाजन, पूर्व में इन्द्रप्रस्थ कॉलेज ऑफ विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 8 दिसम्बर 2014।

34. ''गिफ्ट एक्सचेंज ऐण्ड रेसिप्रोसिटी इन लेट एटींथ अर्लि नाइनटींथ सेंचुरि इंडियाः इक्वैलिटी ऑर सबऑर्डिनेशन''–सुश्री सोनल, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 9 दिसम्बर 2014।

35. ''वी आर थ्रेटंड विद् फेमिन, दि मोस्ट हॉरिबल ऑफ ईविल्स'' : ड्राट, दि मार्केट्स ऐण्ड दि लॉ ऑफ अन्इंटेंडिड कान्सिक्वेंसिज़ इन नाइनटींथ-सेंचुरि वेस्टर्न इंडिया''–डॉ. जार्ज एडमसन, किंग्स कॉलेज, लंदन, यू.के.; 10 दिसम्बर 2014।

36. ''पेज़ंट्स, स्पाइस ऐण्ड स्टोलन हारवेस्टस : दि मेकिंग ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया ईस्ट पाकिस्तान बॉर्डर 1930–1970''–डॉ. मालिनी सुर, नेशनल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, 15 दिसम्बर 2014।

37. ''डीजेनरेशन ऐण्ड सत्याग्रह : हिंद स्वराज ऐण्ड दि क्राईसिस ऑफ लिब्रल डिमॉक्रेसी''–प्रो. दिलीप मेनन, विटवाटरसरैंड विश्वविद्यालय, जोनसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका; 19 दिसम्बर, 2014।

38. ''ट्रेजेक्ट्रीस ऑफ लीगल नॉलेज : इंडिया'ज फॉरेस्ट राईट्स एक्ट ऐण्ड ट्रांसलेशंस बिट्वीन कास्ट ऐण्ड क्लास''–डॉ. आनंद वैद्य, हावर्ड विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. 22 दिसम्बर 2014।

39. ''माइनॉरिटी क्लेम्स ऐण्ड मैजारिटेरिअन एनज़ाइटीस : दि जैन क्वेश्चन''–डॉ. मनीषा सेठी, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 6 जनवरी 2015।

40. ''वेन वर्डस विल नॉट डू : सिन्हला बुद्धिस्ट मॉंक्स ऐण्ड दि पासिबिलिटी ऑफ वॉयलेंस''–प्रो. प्रदीप जगन्नाथन, शिव नादेर विश्वविद्यालय, नोएडा; 20 जनवरी 2015।

41. ''दि फॉरबिडन एक्सपेरिमेंट, क्रॉसिंग दि ह्यूमेन एनिमल बाउंड्री इन दि टवेंटिअ्थ सेंचुरि''–प्रो. सांद्रा स्वार्ट, साउथ एफ्रीकन हिस्टॉरिकल सोसाइटी ऐण्ड स्टेलेनबॉश विश्वविद्यालय, साउथ अफ्रीका; 20 जनवरी 2015।

42. ''अबव सस्पिशन : हॉऊ दि ह्ययूमैनिटीज़ कैन लीव क्रिटीक बीहाइंड ऐण्ड फाइंड देयर ट्रू वॉयस''–प्रो. मिशेल चाओली, इंडियाना विश्वविद्यालय, ब्लूमिंगटन, यू.एस.ए.; 30 जनवरी 2015।

43. ''अगेनस्ट स्टेट, अगेनस्ट हिस्ट्री : रीराइटिंग दि पास्टस ऑफ दि ट्राइब्स ऑफ नार्थईस्ट इंडिया''–डॉ जंगखोमान्ग गोरटे, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर; 3 फरवरी 2015।

44. ''दि केरला वे : ऐन एक्सपेरिमेंट इन कोलोक्टिव ऐक्शन फॉर पॉवर्टी एलिवेशन''–डॉ. अनुराधा कल्हण सिद्दिकी, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 4 फरवरी 2015।

45. ''दि सोशल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ ऑरनिथॉलजि इन श्रीलंका फ्रॉम क्लोनियल टाइम्स टू दि प्रेज़न्ट''–प्रो. अर्जुन गुनेरटने, मैकालस्टर कॉलेज, सेंट पॉल, मिन्नेसोटा, यू.एस.ए., 5 फरवरी 2015।

46. ''नॉलेज सोसाइटी इन इंडिया : रिफ्लेकशंस ऑन वर्क, कल्चर ऐण्ड आइडेंटिटी''–प्रो. देबल के. सिंघारॉय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय; 5 फरवरी 2015।

47. ''दि राईट टू प्रॉपर्टी ऐण्ड इक्नॉमिक डिवेलपमेंट इन इंडिया''–डॉ. नमिता वाही, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली; 10 फरवरी 2015।

48. ''दि जंपिंग डेविल्स : ए टेल ऑफ सर्कस बॉडीज़''–सुश्री निशा पी. आर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 11 फरवरी 2015।

49. ''साउंडस एट वर्क : वर्क म्यूज़िक ऐण्ड कंटेम्पोरेरि अर्बन साउंडस्केप्स''—सुश्री सुभाश्री भट्टाचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; फरवरी 2015।

50. ''सिटीजंस इन सर्च ऑफ सिटिजनशिप : एक्टिविस्ट परफार्मेंस कंटेस्टिंग दि पेट्रोनेज ऑफ स्टिगमा ऐण्ड सर्वाइवल इन गुजरात''—डॉ. दिया दा कोस्टा, क्वीन विश्वविद्यालय, किंग्सटन, कनाडा; 24 फरवरी 2015।

51. ''दि कनटेस्टिड टरेन ऑफ मेडिकल प्रैक्टिस : सिगनिफीकेंस ऐण्ड पॉसिबिलटीज़''—डॉ. इंद्रा चक्रवर्ती, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 27 फरवरी 2015।

52. ''पब्लिक मेकिंग : डिक्टेटरशिप, इरोज ऐण्ड एन् उर्दू विमेन पोइट''—डॉ. शाद नावेद, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 3 मार्च 2015।

53. ''टाइगर्स, ट्राइब्स ऐण्ड ब्यूरोक्रेट्स : रीलोकेशंस फ्रॉम मेलघाट टाईगर रिज़र्व, महाराष्ट्र''—डॉ. नितिन सेकर, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, यू.एस. ए.; 9 मार्च 2015।

54. ''लोकल एजेंसी ऐण्ड मिशनरी वर्क : सिचुएटिंग जार्ज मथान ऐण्ड हिज़ इंगेजमेंट विद् मॉडर्निटी इन 19टींथ सेंचुरी ट्रावनकोर''—डॉ. जॉन थॉमस, आई.आई.टी., गुहावटी; 10 मार्च 2015।

55. ''दि म्यूज़ियम विद्आउट ऑबजेक्टस : इनटैंजिबल कल्चर ऐण्ड रिप्रेज़नटेशन इन दि ऐज ऑफ पोस्टकलोनयल कैपिटलोसीन''—प्रो. फ्रैंकॉइस वर्गिस, कॉलेज ऑफ एटयूडेसमौनडेलस, फाउंडेशन डेस साइंसिज़ डी एल'होम्मै, पेरिस; 13 मार्च 2015।

56. ''दि कंस्ट्रक्ट ऑफ क्लासिज़्म : कर्नाटिक म्यूज़िक ऐण्ड दि क्रिटिकल रिजीम''—प्रो. आर. नंदकुमार, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 17 मार्च 2015।

57. ''लर्निंग टू लीड : बॉयोग्राफी ऑफ ए भील लीडर फ्रॉम नर्मदा वैली''—डॉ. विक्रमादित्य ठाकुर, लंदन स्कूल ऑफ ईकानामिक्स, लंदन, यू.के.; 24 मार्च 2015।

58. ''बीइंग रीलिजीयस, बीइंग साइंटिफिक, एथनोग्राफी ऑफ साइंस, रिलीजन ऐण्ड एथिज़्म इन कंटम्पोरेरि इंडिया''–श्री रेनी थॉमस, शोधार्थी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 31 मार्च 2015।

सार्वजनिक व्याख्यान

1. ''रिव्यूइंग पार्टीशन, रीक्लेमिंग लॉस्ट ग्राउंड : ए क्रिटिकल रिकवरी ऑफ मृदुला साराभाई ऐण्ड दि रिकवरी ऑफ एबडक्टिड विमेन''–प्रो. आयेषा किद्‌वई, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 30 अप्रैल 2014।
2. ''स्पेस, लैंग्विजिस, जॉनरे : फॉर ए मल्टीलिंगुअल–लिट्रेरी हिस्ट्री ऑफ अवध''–प्रो. फ्रांसेस्का ओरसिनी, स्कूल ऑफ ओरिएण्टल ऐण्ड अफ्रीकन स्टडीज़, लंदन; 4 जुलाई 2014।
3. ''दि अन्नोन डी.डी. कोशाम्बी''–प्रो. रामाकृष्ण रामास्वामी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद; 31 जुलाई 2014।
4. ''गुरूदेव ऐण्ड महात्मा''–प्रो. एस. आर. मेहरोत्रा, पूर्व में हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला; 12 फरवरी 2015।
5. ''गांधी ऐण्ड दि पॉलिटिक्स ऑफ दि इमेज''–प्रो. विनय लाल, केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लास ऐंजल्स, यू.एस.ए.; 23 मार्च 2015।

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा ''इंडिया ऐण्ड दि वाईडर वर्ल्ड'', ''समाज और इतिहास'', ''साइंस, सोसाइटी ऐण्ड नेचर'', ''इंडिया इन ट्रांजिशन'', ''इंटेरोगेटिंग सोशल जस्टिस'', ''सिटीज़ इन हिस्ट्री'', ''कल्चर्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड कन्टेम्पोरेरि लाइफ'', ''रीजनल हिस्ट्री ऐण्ड कल्चर'', ''समाज, विज्ञान और विकास'' तथा ''समाज, इतिहास और साहित्य'' विषयों के तहत् विशेष सार्वजनिक व्याख्यानों का आयोजन भी किया गया।

विशेष सार्वजनिक व्याख्यान

''इंडिया ऐण्ड दि वाईडर वर्ल्ड''

1. ''कम्पटीटिव को–एक्सिज़टेंस ऐण्ड दि नेहरूवियन ईकॉनमी''–प्रो. डेविड एनजरमेन, ब्रांडीज विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.; 13 अक्टूबर 2014।

2. ''नेटवर्क एशिया : ग्लोबलाइज़ेशन ऐण्ड रीजनल स्टडीज़''–प्रो. प्रसन्नजीत दुआरा, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर; 15 दिसम्बर 2014।

3. ''इंडिया एज़ ए क्रेडिटर : स्टरलिंग बैलेंसिज़, 1940–1956''–प्रो. मर्सैलो डी पाइवा एब्रू, कैथलिक यूनिवर्सिटी ऑफ रियो दि जेनइरो, ब्राजील; 22 जनवरी 2015।

4. ''दि आइकॉनाइज़ेशन ऑफ योगमाया न्यूपेन''–प्रो. माइकल हट, स्कूल ऑफ ओरिएण्टल ऐण्ड अफ्रीकन स्टडीज़, साउथ एशिया इंस्टिट्यूट, लंदन विश्वविद्यालय, यू.के.; 6 फरवरी 2015।

5. ''दि इंडियन ईकॉनमी इन दि एटींथ सेंचुरी : स्टैगनेशन ऑर ग्रोथ?''–प्रो. ओम प्रकाश, पूर्व में दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत्त; 18 फरवरी 2015।

6. ''टूवर्डस ए न्यू एज ऑफ जिओपॉलिटिकल कॅम्पटीशन : नेवीगेटिंग इंडिया'ज राईज़ इन ए कन्टेस्टिड इंटरनेशनल लैंडस्केप''–श्री श्याम सरन, नेशनल सिक्युरिटी एडवाइज़री बोर्ड ऐण्ड रिसर्च ऐण्ड इंफॉरमेशन सिस्टम फॉर डिवेलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली; 23 फरवरी 2015।

7. ''सरक्यूलेशन ऐण्ड रपचर : दि बे ऑफ बंगॉल एज़ ए साउथ एशियन रीजन''–डॉ. सुनील अमिर्थ, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.; 25 फरवरी 2015।

8. ''जीओपॉलिटिक्स ऑर दि डोमीनियन ऑफ दि वर्ल्ड''–प्रो. माधवन के. पलाट, जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि, नई दिल्ली; 18 मार्च 2015।

9. ''दि पॉलिटिक्स ऑफ हिस्ट्री : इंडिया ऐण्ड चाइना, 1949–1962''–सुश्री निरूपमा रॉव, जवाहरलाल नेहरू फेलो, नई दिल्ली; 25 मार्च 2015।

''इंटेरोगेटिंग सोशल जस्टिस''

1. ''इज प्रोडक्शन पॉल्यूशन? इंटैरोगेटिग स्प्रिचुअल जस्टिस''–प्रो. कांचा इल्लाया, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद; 16 अप्रैल 2014।

2. ''यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री लिंकेजिस : इनोवेशन ऐण्ड एंटरप्राइज़ क्रिएशन इन इंडिया''–डॉ. राकेश बसंत, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद; 18 जुलाई 2014।

3. ''ग्रोथ ऐण्ड दि न्यूट्रीशन पज़ल : ओवरकमिंग चैलंजिस इन फीडिंग इंडिया''–प्रो. एस. परसुरमन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसिज़, मुम्बई; 30 जुलाई 2014।

4. ''रि क्वेश्चन ऑफ (इन) डिफरेंस : दलित विमेन इन कंटम्पोरेरि इंडियन सोसाइटी''–प्रो. मैनुएला सिओटी, अरहस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क; 12 फरवरी 2015।

5. ''फ्रॉम दि मार्जिनस टू दि एबिस : इंडियाज चेजिंग मीटस्केपस''–डॉ. ज़रीन अहमद, स्वतंत्र शोधार्थी, नई दिल्ली; 5 मार्च 2015।

''साइंस, सोसाइटी ऐण्ड नेचर''

1. ''बॉयोडाइवर्सिटी ऐण्ड बॉयोरिसोर्सिज़ : थ्रू दि इवौल्यूशनरी ग्लास''–प्रो. आर. गीता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 3 अप्रैल 2014।

2. ''रीडिफाइनिंग इंडिया'ज एनर्जी सिक्युरिटी : रीथिंकिंग पैराडिग्मस''–सुश्री सुधा महालिगंम, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 8 मई 2014।

3. ''वाइल्ड लाइफ इन आवर बैकयार्डस ऐण्ड हाऊ इंडिया माइट शो दि वे''–डॉ. विद्या अथरेय, वाइल्डलाइफ कंजरवेशन सोसाइटी, पुणे; 15 मई 2014।

4. ''राइज़िंग हिमालयाज ऐण्ड स्ट्रगलिंग हाई ऐल्टिटूड लाइफ : ह्यूमन वाइल्ड लाइफ इंटरएक्शन इन दि माऊंटेन्स''—डॉ. सेवांग नामगिल, स्नो लेपर्ड कंजरवेशन इंडिया ट्रस्ट; 16 मई 2014।

5. ''दि इकॉलजि ऑफ इम्पोर्टस : एलीफैन्टस ऐण्ड आईवरी इन अर्ली मॉडर्न जापान''—डॉ. मार्था चाइक्लिन, पिट्टसबर्ग विश्वविद्यालय, यू. एस.ए.; 28 मई 2014।

6. ''दि साइंस ऑफ एनिमल वॉचिंग ऐण्ड दि एक्सटिंशन ऑफ नैचुरल बिहेविअर्स इन दि वाइल्ड''—डॉ. कविता ईश्वरन, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू; 29 मई 2014।

7. ''अंडरस्टैंडिंग दि इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबल चेंज ऑन इंडिया'ज एनवायरमेंट एंड इकॉलॉजी''—डॉ. जगदीश कृष्णास्वामी, अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकॉलॉजी ऐड दि इनवायरमेंट, बेंगलुरू; 30 मई 2014।

8. ''ए डिस्कनेक्ट इन नीड ऑफ अर्जेंट रिपेयर : साइंटिफिक थिंकिंग ऐण्ड पॉलिसी मेकिंग''— प्रो. के. विजयराघवन, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली; 28 अगस्त 2014।

9. ''साइंस एंड सोसाइटी : एक्सपेक्टेशंस, चैलेंजेज एंड प्रॉमिसेज़''— प्रो. वीरेंद्र चौहान, पूर्व में इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग ऐण्ड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली; 4 सितम्बर 2014।

10. ''हिस्टोरिसाइजिंग क्लाइमेट चेंज : ऑर वॉट कुड क्लाइमेट चेंज हिस्ट्री बी?''— प्रो. सवेरकर सॉरलिन, KTH/ दि रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन; 1 अक्टूबर 2014।

11. ''टेक्नोलॉजिस फॉर इंडिया''—प्रो. अशोक झुनझुनवाला, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई; 16 अक्टूबर 2014।

12. ''नेचर ऐण्ड/ऑफ अथॉरिटी''—प्रो. सुन्दर सारूक्कई, मणिपाल यूनिवर्सिटी, मणिपाल; 26 नवम्बर 2014।

13. ''जीआलजी ऐण्ड दि राज' बी डॉ. जॉन मैथ्यू, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन ऐण्ड रिसर्च, पुणे; 16 जनवरी 2015।

14. ''दि रोमांस ऑफ रेजिस्टेंस ऐण्ड दि पॉलिटिक्स ऑफ रेस्क्यू इन पोस्ट–डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स''– डॉ. किरण एशर, सेंटर फॉर इंटरनेशनल फॉरेस्ट्री रिसर्च, बोगोर, इंडोनेशिया; 6 फरवरी 2015।

15. ''इंटर "क्लाइमेट चेंज" : ऑफ बीस्टली एनकाउंटर्स, सर्वीन डिस्अपेअरेंसेस, ऐण्ड स्टेट केटीगोराइज़ेशन इन दि उत्तराखंड हिमालय''– डॉ. नयनिका माथुर, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज, यू. के.; 4 मार्च 2015।

16. ''रीकास्टिंग दि नेचर कंज़रवेशन लैंडस्केप : ए फील्ड पर्सपेक्टिव फ्रॉम इंडिया'ज़ ट्रॉपिकल रेन फॉरेस्ट्स''– डॉ. टी. आर. शंकर रमन, नेचर कंज़रवेशन फाउंडेशन, मैसूर; 20 मार्च 2015।

17. ''टर्न दि रिवर्स ड्राई टू मेक डेसर्टस ब्लूम : रैपिडली चेंजिंग सोसाइटी-नेचर रिलेशनशिप्स''– प्रो. ब्रिज गोपाल, सेंटर फॉर इनलैंड वाटर्स इन साउथ एशिया, जयपुर; 27 मार्च 2015।

''रीजनल हिस्ट्री ऐण्ड कल्चर''

1. **''**चेंजिंग रिप्रेज़नटेशंस : केरला इन ब्रह्मनिकल, इस्लामिक ऐण्ड पोर्तगीज पर्सेपशंस''–प्रो. केसवन वेलुथट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 19 मार्च 2015।

''सिटीज़ इन हिस्ट्री''

1. ''हिस्ट्री ऐण्ड दि सिटी : एन अर्बन प्लानर्स व्यू''–डॉ. नीमा कुदवा, कॉरनेल यूनिवर्सिटी, यू. एस. ए., 2 अप्रैल 2014।

2. ''विमेन ऐण्ड दि सिटी : दि केस ऑफ अहमदाबाद''–सुश्री माधवी देसाई, सेंटर फॉर एनवायरमेंटल प्लानिंग ऐण्ड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, 17 अप्रैल 2014।

3. ''दि सिटी इज हिस्ट्री : न्यू इंडियन अरबनिज़्म ऐण्ड दि टेरन ऑफ दि लॉ''–प्रो. जानकी नायर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 24 अप्रैल 2014।

4. ''सिटीज़ ऑफ दि पास्ट, सिटीज़ ऑफ दि प्रेजेंट ऐण्ड दि सिटी एज़ यूटोपिया''—डॉ. स्मृति श्रीनिवास, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, यू.एस.ए.; 11 जुलाई 2014।

5. ''बॉम्बे : ए सिटीज़ मैनी हिस्ट्रीज़'—डॉ. प्रीति चोपड़ा, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन—मैडीसन, यू.एस.ए.; 23 जुलाई 2014।

6. ''मूविंग अराउंड इन इंडियन सिटीज़''—प्रो. दिनेश मोहन, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली; 31 जुलाई 2014।

7. ''नेहरू, ली कॉरबुज़िअर ऐण्ड दि मैपिंग ऑफ मॉडर्न (ऑर अर्बन) इंडिया''— प्रो. रवि कालिया, दि सिटी कॉलेज ऑफ दि सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्युयार्क, यू.एस.ए.; 6 अगस्त 2014।

8. ''कटक सिटी : ब्लेंडिंग बिट्वीन ट्रेडिशन ऐण्ड मॉडर्निटी''—प्रो. राधाकांता बरीक, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली, 14 अगस्त 2014।

9. ''दि फील्ड्स बिनीथ : लंदन ऐण्ड देहली' बी प्रो. नारायणी गुप्ता, पूर्व में जामिया मीलिया इस्लामिया में कार्यरत्त, नई दिल्ली; 21 अगस्त 2014।

10. ''दिल्ली'ज़ ट्वेंटियथ सेंचुरी': रिफ्लेक्शन्स ऑन कंटेम्पोरेरि अर्बनिज़्म''—प्रो. रवि सुंदरम, सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली, 11 सितम्बर 2014।

11. ''दि मिसिंग मॉडर्निस्ट हिस्ट्रीज़ ऑफ ओटो कोइनिगसबर्जर'स आर्किटेक्चर इन इंडिया (1939—1951)''—डॉ. वंदना बवेजा, फॉलारिडा यूनिवर्सिटी, गेन्सविले, यू.एस.ए.; 9 दिसम्बर 2014।

12. ''फ्रैजिलिटी ऐण्ड डयूरेबिलिटी : प्री—कलोनियल विजयनगर ऐण्ड इटस हिंटरलैंडस थ्रू ऐन आर्कियोलॉजिकल लेंस'—प्रो. करला सिनॉपली, मिशिगन यूनिवर्सिटी, एन ऑर्बरार, यू.एस.ए.; 30 जनवरी 2015।

13. ''नेहरूज़ चंडीगढ़''—प्रो. के. टी. रविन्द्रन, रिक्स स्कूल ऑफ बिल्ट एनवॉयरमेंट, अमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, 13 मार्च 2015।

"इंडिया इन ट्रांज़िशन"

1. "रेजिस्टेंस, काउंटरइनसर्जेन्सी एंड डेमोक्रेसी इन इंडिया"–प्रो. नंदिनी सुन्दर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 9 अप्रैल 2014।

2. "क्वेश्चनस इन ऐण्ड ऑफ लैंग्वेज"–प्रो. रीता कोठारी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद; 11 अप्रैल 2014।

3. "सीनेरिओज़ ऑफ कन्नड़ एक्टिविज़्म इन बेंगलुरु"–प्रो. चन्दन गौड़ा, अजीज़ प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु; 23 अप्रैल 2014।

4. "ऑन दि क्वेश्चन ऑफ लैंड : न्यू रिएलिटीज़, सीवियॅर अरजेंसीज़"–प्रो. संजोय चक्रवर्ती, टेम्पल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.; 16 जुलाई 2014।

5. "दि रिपब्लिक ऑफ इंडिया : बिट्वीन होप ऐण्ड डिस्पेयर"–प्रो. दीपक नय्यर, मानद प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; 19 सितम्बर 2014।

6. "इंडिया'ज़ ईकॅनामी, पॉलिटिक्स ऐण्ड गवर्नेंस"–डॉ. बिमल जलान, पूर्व गवर्नर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई, पूर्व सांसद, राज्य सभा; 21 जनवरी 2015।

7. "नरेटिंग डेंजर : कंटेम्पोरेरि डिस्कोर्सिज़ ऑफ जेनडरड सेफ्टी इन इंडिया"–डॉ. शिल्पा फड़के, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई; 13 फरवरी 2015।

8. "बीकमिंग ऐण्ड स्टेइंग मिडिल क्लास इन कंटेम्पोरेरि इंडिया : दि रोल ऑफ सेक्स सिलेक्शन ऐण्ड अदर फैमिली स्ट्रेटिजीज"–प्रो. रविंदर कौर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, 11 मार्च 2015।

"कल्चर्स, ट्रेडिशंस ऐण्ड कंटेम्पोरेरि लाइफ"

1. "गांधी विचार, जन आंदोलन और शिक्षा"–डॉ. दीप्ति प्रिय मेहरोत्रा, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 30 जनवरी 2015।

2. "नेहरू ऐण्ड कंटेम्पोरेरि इंडिया"–सुश्री पी. शिवाकामी, लेखक, चेन्नई;

12 मार्च 2015।

3. ''प्रिंट जर्नलिज़्म ऐण्ड क्लोनिअल ओरिजिन्स ऑफ मॉडर्न वियतनामीज़ पॉलिटिकल कल्चर, साइगॉ 1916–1930''–डॉ. फिलिप पेकेम, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एशियन स्टडीज़, लेडन, नीदरलैंडस; 24 मार्च 2015।

''समाज और इतिहास'' (हिंदी में)

1. ''एक नयी भाषा का उदय : देवनागरी जगत में देखना और दिखाना, 1850 से 1920 तक''–डॉ. सदन झा, सेंटर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत; 7 अप्रैल 2014।
2. ''स्वतंत्रयोत्तर भारतीय शिक्षा नीति एवं विधान में स्कूली शिक्षक से बदलती अपेक्षाएं एवं उसके निहित अर्थ''– अंजलि नोरोन्हा, एकलव्य, भोपाल; 5 मई 2014।
3. ''हिंदी फिल्मी गीत : परिवर्तन और निरंतरता (2006–13)''–श्री अविजित घोष, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक, नई दिल्ली; 21 जुलाई 2014।
4. ''सामाजिक मीडिया में हिंदी की सम्भावनाएं''–डॉ. विनीत कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 25 अगस्त 2014।
5. ''शिक्षा और समता का अंतर्सम्बन्ध''–प्रो. अनीता रामपाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 5 सितम्बर 2014।
6. ''कुछ अफगान कबीलों की नस्लों की उत्पत्ति का आलोचनात्मक अध्ययन : राजस्थानी स्रोतों के आधार पर''–प्रो. जी. एल. देवड़ा, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 22 सितम्बर 2014।
7. ''दास्ताँ–ए–आपदा : हिमालय में प्राकृतिक और मनुष्य निर्मित आपदा के 210 साल''–प्रो. शेखर पाठक, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 20 अक्टूबर 2014।
8. ''ज्ञान, विज्ञान और भारतीय समाज : एक विहंगम दृष्टि''–प्रो. दीपक

कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 7 नवंबर 2014।

''समाज, इतिहास और साहित्य''

1. ''हमारी यात्रा के माध्यम से हिमालय को समझना (1974–2015)''–प्रो. शेखर पाठक, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय; 19 जनवरी 2015।

''समाज, विज्ञान और विकास''

1. ''हमारे स्वास्थ्य और सार्वजनिक नीतियों के बीच की अदृश्य कड़ियाँ''–श्री दिनेश सी. शर्मा, पत्रकार एवं लेखक, नई दिल्ली; 12 जनवरी 2015।
2. ''मछुआरों के अधिकारों की बदलती परिदशा और नदियों का संरक्षण : विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभ्यारण्य के झरोखे से''–डॉ. सुनील चौधरी, भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, 2 फरवरी 2015।
3. बाढ़ से अनुकूलन की परम्पराएं : एक प्रारंभिक विश्लेषण''–डॉ. प्रवीण सिंह, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली; 2 मार्च 2015।
4. ''मानसून : एक इतिहासकार की नज़र से''–डॉ. मयंक कुमार, यू.जी.सी. फेलो, नई दिल्ली; 16 मार्च 2015।
5. ''झारखण्ड में जातीय अस्मिता का प्रश्न और मज़दूर संगठन''–श्री संदीप चटर्जी, स्वतंत्र शोधार्थी, नई दिल्ली; 23 मार्च 2015।

''पैनल परिचर्चाएं''

1. ''शहर एवं पर्यावरण''–5 जून 2014, सहभागिता–डॉ. अवधेन्द्र शरण, सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ डिवेलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली; डॉ. मालविका चौहान, हिम्मोथन सोसाइटी, उत्तराखण्ड तथा प्रो. सत्यकाम जोशी, सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़, सूरत।
2. ''स्वाधीनता आंदोलन और विभाजन : उपन्यासों के आईनें में''–11 अगस्त 2014, सहभागिता –प्रो. मैनेजर पाण्डेय, पूर्व प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

3. ''स्वातंत्र्योत्तर भारत और हिंदी उपन्यास''–1 सितम्बर 2014, सहभागिता – प्रो. रेखा अवस्थी, नामी आलोचक, नई दिल्ली तथा डॉ. संजीव कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

4. ''स्त्रियों की इतिहास–दृष्टि'', 27 अक्टूबर 2014, सहभागिता–श्रीमती चित्रा मुदगल, वरिष्ठ लेखिका, नई दिल्ली; श्रीमती मृदुला गर्ग, वरिष्ठ लेखिका, नई दिल्ली तथा प्रो. रोहिणी अग्रवाल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।

5. ''कविताओं की इतिहास दृष्टि''–24 नवम्बर 2014, सहभागिता–प्रो. अरूण कमल, पटना विश्वविद्यालय, प्रो. केदारनाथ सिंह, पूर्व प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा श्री अशोक वाजपेयी, लेखक व सेवानिवृत्त अधिकारी, नई दिल्ली।

कार्यशालाएं

1. 19 अप्रैल 2014 को ''नेहरू'ज वर्ल्ड'' विषय पर कार्यशाला।

2. 1 मई 2014 को ''नेहरू'ज इंडिया'' विषय पर कार्यशाला।

3. 30 मई 2014 को ''इकॉलजि ऐण्ड सोसाइटी'' विषय पर कार्यशाला।

4. 5 एवं 6 जून 2014 को ''सोशल वर्ल्ड ऑफ प्री–मॉडर्न ट्रांजैकशंस : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम इपीग्रैफी ऐण्ड हिस्ट्री'' विषय पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की सुश्री मेखोला गोम्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के श्री दिग्विजय कुमार सिंह, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की सुश्री अना वर्गिस तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की सुश्री मीरा विश्वनाथन के सहयोग से कार्यशाला।

5. 25 सितम्बर 2014 को ''डिसेमिनेशन ऑफ अकाद्मिक रिसर्च ऐण्ड राईटिंग'' विषय पर कार्यशाला।

6. 18 दिसम्बर 2014 को ''टेक्सट्स, इंस्ट्रूमेंट्स, एक्सपर्टस : प्रैक्टिसिज़ ऑफ नॉलेज़–प्रोड्क्शन इन कलोन्यल साउथ एशिया'' विषय पर कार्यशाला।

सम्मेलन

1. 2 से 4 जुलाई 2014 को 'दि लांग इंडियन सेंचुरी : हिस्ट्रॉरिकल ट्रांज़िशंस ऐण्ड सोशल ट्रांसफॉरमेशन' विषय पर प्रो. फिलिप मरफी, स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडी, यूनिवर्सिटी ऑफ लादेन, प्रो. के. सिवारामाकृष्णनन तथा डॉ. करूणा मेनटेना येल यूनिवर्सिटी, यू. एस. ए. तथा दि इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (आई.आई.ए.एस.) शिमला के सहयोग से तीन दिवसीय सम्मेलन।

2. 24 एवं 25 जुलाई 2014 को 'स्पेसिज़ ऑफ वॉटर : न्यू पैराडिग्म्स इन इकोक्रिटिकल इन्क्वायरी' विषय पर डॉ. वेणुगोपाल मद्दीपती, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली व डॉ. सुगाता रे, कलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले, यू. एस. ए. के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

3. 7 एवं 8 अगस्त 2014 को ''भारतीय भाषाओं में राजनीतिक चिंतन की संभावना : शोध, विमर्श और बहस' विषय पर डॉ. मनीषा प्रियम, पूर्व संबद्ध फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय व डॉ. कमल नयन चौबे, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

4. 9 एवं 10 अक्टूबर 2014 को 'एशियनाइज़ेशन ऑफ माइग्रेन्ट वर्कर्स इन दि गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल कंट्रीज़ : इमर्जिंग ट्रेंडस, फ्युचर प्रास्पेक्ट्स ऐण्ड स्ट्रेटिजक इंम्प्लिकेशंस' विषय पर डॉ. मीनू ज़कारिया ओमन, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय व प्रो. इरूदया राजन, सेंटर फॉर डिवलेपमेंट स्टडीज़, तिरूवनंथपुरम, केरल के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

5. 15 एवं 16 अक्टूबर 2014 को 'इन सर्च ऑफ विश्वकर्मा : मैपिंग (इंडियन) क्राफ्ट् हिस्ट्री/इंडियन पर्सपेक्टिव्स' विषय पर प्रो. विजया रामास्वामी, वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

6. 17 एवं 18 नवम्बर 2014 को 'रीथिंकिंग दि नेहरू लीगेसी : दि लांग टवेटीअ्थ संेचुरी विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन।

7. 11 एवं 12 दिसम्बर 2014 को 'सोशल जस्टिस एज़ ए एक्वेशचन ऑफ इंपिरिकल साइंसिज़' विषय पर डॉ. के. वी. सिबिल, क्राइस्ट कॉलेज, त्रिशूर, केरल के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

8. 19 एवं 20 फरवरी 2015 को 'फिगरेशंस ऑफ इंडिया'ज़ नार्थईस्ट : कल्चर्स, हिस्ट्रीज़, वर्ल्ड व्यूज' विषय पर डॉ. मंजीत बरूआ, नार्थईस्ट इंडिया स्टडीज़ प्रोग्राम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय; नई दिल्ली व डॉ. राखी कलिता मोरेल, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन।

स्मारक व्याख्यान

1. 1 जुलाई 2014 को डॉ. एस. आर. राव मेमारियल फाउंडेशन फॉर इंडियन आर्कियोलॉजी, आर्ट ऐण्ड कल्चर के सहयोग से डॉ. आर. एस. बिष्ट, पूर्व संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का ''लोथल एंड धौलवीरा : दि कॉन्ट्रीब्यूशन टू इंडियन आर्कियोलोजी'' विषय पर डॉ. एस. आर. राव स्मारक फाउंडेशन व्याख्यान।

2. 10 सितम्बर 2014 को सांसद (राज्य सभा) तथा अध्यक्ष, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के प्रो. मृणाल मिरि का ''दि नेशन ऐण्ड इट्स नार्थईस्ट'' विषय पर श्रीकांत दत्त स्मारक व्याख्यान।

3. 8 अक्टूबर 2014 को प्रथम, नई दिल्ली के डॉ. रूकमणि बैनर्जी का ''लर्निंग्स इन बिहार : चौलेंजिस ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन इन दि लास्ट डीकेड'' विषय पर प्रो. पपिया घोष स्मारक व्याख्यान।

4. 11 नवम्बर 2014 को माननीय उपराष्ट्रपति, श्री मोहम्मद हामिद अंसारी का ''ए सेंचुरी ऑफ टरमॉयल इन वेस्टर्न एशिया : सम पिटफॉल्स ऑफ नेशनलिज़्म'' विषय पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के सहयोग से मौलाना आज़ाद स्मारक व्याख्यान।

विशेष व्याख्यान

- 14 नवम्बर 2014 को जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

प्रदर्शनी

1. डॉ. एस. आर. रॉव के दस्तावेज़ों और चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन रसायन एवं उर्वरक मंत्री माननीय अनंत कुमार द्वारा 1 जुलाई 2014 का किया गया।
2. स्वीडिश चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से ''दि नोबेल प्राइज़ : आडिया चेंजिंग दि वर्ल्ड'' विषय पर 30 अक्टूबर 2014 को एक प्रदर्शनी लगाई गई।
3. ''प्रथम केन्द्रीय मंत्रिमण्डल'' विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के गृहमंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह ने 14 नवम्बर 2014 को किया।
4. ''इनवर्डस : नेहरू मेमोरियल लाइब्रेरी'' विषय पर प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्था कार्यकारिणी परिषद् सदस्य श्री नितिन देसाई ने 4 मार्च 2014 को किया।
5. ''टेम्पलस ऑफ मॉडर्न इंडिया ऐण्ड बिग डैम्स'' विषय पर प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्था कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष डॉ. कर्ण सिंह ने 19 मार्च 2014 को किया।

ओकेजनल पेपर्स

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा 'हिस्ट्री ऐण्ड सोसाइटी', 'पर्सपेक्टिव्स इन इंडियन डिवेलपमेंट' तथा 'समाज और इतिहास' शृंखलाओं के तहत् निम्न ओकेज़नल पेपर्स प्रकाशित किए गए जिन्हें संस्था की वेबसाइट www.nehrumemorial.nic.in पर अपलोड किया गया है।

''हिस्ट्री ऐण्ड सोसाइटी''

1. ''विवेकानंद : दि एथिक्स ऑफ रिसपांसिबिलिटी ऐण्ड दि इमैजनिंग

ऑफ मॉडर्न इंडिया''—डॉ. गंगेय मुखर्जी, रीडर, महात्मा प्राणनाथ महाविद्यालय, मऊ (चित्रकूट), उत्तर प्रदेश।

2. ''आदिवासी मूवमेंटस ऐण्ड दि पॉलिटिक्स ऑफ दि सुपरनैचुरल इन क्लोन्यल छोटा नागपुर''—श्री शशांक शेखर सिन्हा, प्रकाशन निदेशक, रूटलेज (दक्षिण एशिया)।

3. ''ए सेंचुरी ऑफ कंसोलिडेशन ऐण्ड रेजिस्टेंस : कास्ट ऐण्ड एजुकेशन इन महाराष्ट्र 1818—1918''— परिमला वी. राव, पूर्व कनिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

4. ''थिएटर ऑफ दि पास्ट : री—प्रज़ेंटिंग दि पास्ट इन डिफ्रेंट जेनर्स''—अंशु मल्होत्रा, फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

5. ''म्यूजिक ऐण्ड रेजिस्टेंस : दि ट्रेडिशन ऑफ दि इंडियन पीपल्स थिएटर एसोसिएशन इन दि 1940ज ऐण्ड 1950ज''—सुमंगला दामोदरन, असोशिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज़ तथा स्कूल कल्चर ऐण्ड क्रिएटिव एक्सप्रेशंस, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली।

6. ''इंग्लिश एंटी—इम्पिरिअलिज़्म ऐण्ड दि वरिएड लाइट्स ऑफ विली पीऑरसन''—अनिल नौरिया, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

7. ''अंडरस्टैंडिंग शेख मोहम्मद अब्दुल्ला : दि मूवमेंट अगेंस्ट प्रिंसली रूल, 1931—1947''—नयला अली खां, विजिटिंग प्रोफेसर, ओकलहोमा यूनिवर्सिटी, यू. एस. ए. तथा यूनिवर्सिटी ऑफ नेबरास्का—कियरने, यू. एस. ए. के पूर्व प्रोफेसर।

8. ''डॉ. पालपु'स पीटीशन राईटिंग्स ऐण्ड केरलाज़ पास्टस''—उदय कुमार, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

9. ''इन सर्च ऑफ ब्लू दि बर्ड : ऑडिटिंग पीस नेगोशिएशंस इन नागालैंड''—सजल नाग, पूर्व वरिष्ठ फेलो नेहरू स्मारक संग्रहालय

एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

10. ''नॉन–वॉयलेंट रेज़िसटेंस इन इंडिया 1916–1947''–डेविड हार्डिमेन, मानद प्रोफेसर (इतिहास), यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरविक, यू. के.।

11. ''राईवल कंसेपचुअलाइज़ेशनस ऑफ ए सिंगल स्पेस : जेरूसलम'स सेक्रड एसप्लैनेड''–बेजामिन जेड. केदार, मानद प्रोफेसर (इतिहास), दि हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरूसलम तथा उपाध्यक्ष, इज़रैल अकैडमी ऑफ साइंसिज़ ऐण्ड ह्यूमैनिटीज़।

12. ''सलवा जुडुम : एन ऑल्टरनेटिव ट्राइबल पेज़न्ट मूवमेंट''–हिमांशु पी. रॉय, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

13. ''मेकिंग कुमाऊं मॉडर्न : बिलीफ्स ऐण्ड प्रैक्टिसेज 1815–1930''–वसुधा पाण्डे, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

14. ''ए माथा कोर्ट इन कर्नाटक ऐण्ड दि डिमांड फॉर लीगेलिटी''–जानकी नायर, प्रोफेसर, सेंटर फॉर हिस्टॉरिकल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

15. ''दि पॉलिटिक्स ऑफ इंडस्ट्री इन नेहरू'ज इंडिया''–नसीर तैयबजी, पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर, सेंटर फॉर जवाहरलाल नेहरू स्टडीज़, जामिया मीलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

16. ''सिचुएटिंग पॉपुलर वेनीरेशन''–योगेश स्नेही, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज़, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली एवं वर्तमान में फेलो इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़, शिमला।

17. ''ए नेहरुवीअ्न फॉरेन पॉलिसी टुडे''–शिवशंकर मेनन, वर्तमान में विलहेल्म फेलो, एम.आई.टी. यू.एस.ए.।

18. ''नॉन–वायलेंट ऐक्शन ऐण्ड सोशलिस्ट रेडिकेलिज़्म : नरेंद्र देव इन इंडियाज़ फ्रीडम मूवमेंट''–अनिल नौरिया, पूर्व वरिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

19. ''कटक सिटी : ब्लेंडिंग बिट्वीन ट्रेडिशन ऐण्ड मॉडर्निटी''—राधा कांता बरीक, प्रोफेसर, इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली।

20. ''स्टेट कंट्रोल, पॉलिटिकल मैनीप्यूलेशनस, ऐण्ड दि क्रिएशन ऑफ आइडेंटिटीज़ : दि नार्थ—ईस्ट ऑफ इंडिया''—सुभद्रा मित्र चन्ना, प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

''पर्सपेक्टिव इन इंडियन डिवेलपमेंट''

1. ''इनोवेशन एंड अपग्रेडिंग इन ग्लोबल प्रोडक्शन नेटवर्क्स''—देव नाथन, प्रोफेसर इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट, नई दिल्ली तथा विज़िटिंग रिसर्च फेलो, सेंटर फॉर ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेंस ऐण्ड कम्पीटीटिवनेस, डयूक यूनिवर्सिटी, दुरहम, एन. सी., यू. एस. ए. तथा संदीप सरकार प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, नई दिल्ली।

2. ''फारेस्ट राईट्स एक्ट ऐण्ड दि पॉलिटिक्स ऑफ मार्जिनल सोसाइटी''—कमल नयन चौबे, पूर्व कनिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

3. ''सोशल मेटाबलिज़्म ऐण्ड एनवायरमेंटल कॉनफ्लिक्ट्स इन इंडिया''—जोन मार्टिनेज़ एलिअ्र, लाह टेम्पर तथा फेडेरिको डीमारिया, आई.सी. टी.ए., यूनिवर्सिटी आटोनोमा डी बारसीलोना, स्पेन।

4. ''दि मेकिंग ऑफ नॉन—कॉरपोरेट कैपिटल : सम हिस्टॉरिकल तथा कंटेम्पोरेरि इंटरप्रीनोरिअ्ल नरैटिव्स फ्रॉम त्रिपुर, तमिलनाडु''—रमन महादेवन, स्वतंत्र अध्येता तथा आर्थिक इतिहासकार, एवं एम. विजयाभास्कर, असिस्टेंट प्रोफेसर, मद्रास इंस्टिटयूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज़, चेन्नई।

5. ''दि रिअलिज़्म ऑफ इम्पोसिबिलिटी : क्राइसिस ऐण्ड चांसिज़ ऑफ डिमॉक्रेसी इन एन ऐज ऑफ ग्लोबलाइजेशन''—देबोरा स्पीनी, साइरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, फ्लॉरेंस, इटली।

6. ''इंटरनेशनल माइग्रेशन ऐण्ड रिलीजन : इंटरप्ले ऑफ फेथ ऐण्ड प्रोसपेरिटी अमंग केरला क्रिस्चिन्स''–ज़ीनू ज़कारिया ओमेन, पूर्व कनिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

7. ''रीथिंकिंग एनिमल-ह्यूमन बाउंड्रीज़ : इनसाइट्स फ्रॉम प्रीमेटॉलजि''–सिधु राधाकृष्ण, असोशिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ नेचुरल साइंसिज़ ऐण्ड इंजीनियरिंग, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़, बेंगलुरु।

8. ''डिबेटिंग हायर एजुकेशन : एरियाज ऑफ साइलेंस ऐण्ड न्यू यूनिवर्सिटी मॉडल्स''–ध्रुबा साईकिया, कुलपति, कॉटन कॉलेज स्टेट यूनिवर्सिटी, असम तथा रोवीना रॉबिंसन, प्रोफेसर (समाजशास्त्र), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजि बम्बई तथा वर्तमान में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजि, गुवाहटी में विज़िटिंग प्रोफेसर ।

9. ''थिंकिंग (विद्) दि इंडियन पैंगोलिन : ए ह्यूमन एनीमल पर्सपेक्टिव ऑन इंडिया'ज़ कलोन्यल ऐण्ड प्रिंसली हिस्ट्रीज़''–जूली ई. ह्यूगस, सहायक प्रोफेसर (इतिहास) वस्सार कॉलेज, पॉकिपसी, न्युयार्क, यू. एस.ए.।

10. ''अन्रूली कॉमन्स : कंटस्टेशंस अराउंड संपांगी लेक इन बैंगलोर''–हिता उन्नीकृष्णनन, पीएच.डी. स्कॉलर, अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन ईकॉलजि ऐण्ड इंवायरमेंट बेंगलुरू व महिपाल यूनिवर्सिटी, उदुपी, हरीनी नगेन्द्र, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डिवेलपमेंट, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू।

11. ''रन–ऑफ–दि–रिवर स्कीम्स, एप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजि ऐण्ड दि क्वेस्ट फॉर रिन्यूएबल एनर्जी इन हिमाचल प्रदेश''–अनुरीटा सक्सेना, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च, सेंटर फॉर स्टडीज़ इन साइंस पॉलिसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

12. ''बीइंग दलित, बीइंग मॉडर्न : कास्ट ऐण्ड कल्चर इन हैदराबाद स्टेट''–भंगय भूक्या, एसोशिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज़, हैदराबाद विश्वविद्यालय, गाचीबाओली, हैदराबाद, तेलंगाना।

13. ''प्लांट ट्रांसफर्स, बायो–इनवेशंस ऐण्ड बायो–कल्चरल डाइवर्सिटी : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम अफ्रीका''–विलियन बेइनार्ट, प्रोफेसर, अफ्रीकन स्टडीज़ सेंटर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यू. के.।

14. ''डिलीवरी मकैनिज़्मस ऐण्ड ऑउटकमस : दि केस ऑफ SJSRY, ए पॉवर्टी एलविएशन पॉलिसी''–अनुराधा कल्हण, पूर्व कनिष्ठ फेलो. नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली।

15. ''क्रैकिंग जेंडर रीजीम्स इन एशिया : इकनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ विमेन''–गोविन्द केलकर, वरिष्ठ परामर्शी, लैंडेसी इंडिया, लैंडेसी रूरल डिवेलपमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली।

16. ''ए स्कॉलर इन हिज टाइम : कंटेम्पोरेरि व्यूज़ ऑफ कोशाम्बी दि मैथेमेटिशियन''–रामाकृष्ण रामास्वामी, कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय।

17. ''लैंड एक्विज़िशन एक्ट इन इंडिया : इम्पैक्ट ऑन इंवायरनमेंट ऐण्ड लाइवलीहुड, 1824–2013''–वेलायुथम श्रवणा, प्रोफेसर, सेंटर फॉर जवाहरलाल नेहरू स्टडीज़, जामिया मीलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

18. ''क्वेशचन इन ऐण्ड ऑफ लैंग्विज''–रीटा कोठारी, ह्यूमनिटीज ऐण्ड सोशल साइंसिज विभाग, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजि, गांधीनगर, गुजरात।

19. ''बियॉन्ड आइडियालिज़्म : दि जिओपॉलिटिक्स ऑफ दि नेहरू राज''–सी. राजा मोहन, प्रतिष्ठित फेलो, ऑबज़रवर रिसर्च फाउंडेशन।

20. ''प्रेस सेंसरशिप इन इंडिया इन दि 1950ज़''–देविका सेठी, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

21. ''दि क्लोनियल हंट : मेट्रोपोल, कॉलोनी ऐण्ड वाइल्डलाइफ इन इंडिया 1850-1950''–स्वाति श्रेष्ठ, स्वतंत्र अध्येता।

22. ''बियॉन्ड दि फ्रेम्स ऑफ एनवायरनमेंटल हिस्ट्री : रीडिंग एन आदिवासी मूवमेंट इन कलोन्यल इंडिया''–संगीता दासगुप्ता, सेंटर फॉर हिस्टॉरिकल स्टडीज़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

23. ''फ्रॉम 'मशीनो' फैक्चर टू 'मैन्यु' फैक्चर : टेक्नॉलजि डिस्कोर्स इन दि 1970ज़ 1980ज़ इन इंडिया''–राधिका कृष्णन, पूर्व में सेंटर फॉर स्टडीज़ इन साइंस पॉलिसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

''समाज और इतिहास'' (हिंदी में)

1. ''गांधी : ऐतिहासिक पुनर्व्याख्या की ओर''–सुधीर चन्द्र, पूर्व फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय।
2. ''इतिहास, समाज और पर्यावरण''–दुनु रॉय, निदेशक, हैजार्ड सेंटर, दिल्ली।
3. ''विकास, विस्थापन और विकल्प''–अस्मिता काबरा, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली।
4. ''औपनिवेशिक भारत में प्रतिबंधित एवं विवादित सिनेमा 1913-1935''–नरेन्द्र शुक्ल, पूर्व कनिष्ठ फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय।
5. ''प्रकृति और अस्मिता : 15वीं से 18वीं शताब्दी राजस्थान के विशेष संदर्भ में एक ऐतिहासिक अध्ययन''–मयंक कुमार, संबद्ध फेलो, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय।
6. ''दर्शन की शिक्षा और उसकी प्रयोजनशीलता''–रवीन्द्र रे, पूर्व में दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापनरत्त।
7. ''एक नयी भाषा का उदय : देवनागरी जगत में देखना और दिखाना (1950-1920)''–सदन झा, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र

नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष रूचि देखते हुए नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा एक बाल संसाधन केन्द्र–नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र (एन.एल.सी.सी.वाई.) की स्थापना इस उद्देश्य से की गई कि नेहरू की विरासत को इसके जरिए जीवित रखा जा

सके। इसकी संकल्पना बच्चों एवं उनके साथ कार्य करने वाले युवाओं के लिए एक संसाधन केन्द्र के रूप में की गई है। यह केन्द्र बच्चों एवं अध्यापकों के लिए नियमित रूप से संग्रहालय, पुस्तकालय व तारामण्डल को मद्देनज़र रखते हुए कार्यक्रम आयोजित करता है। इसमें एक बाल पुस्तकालय भी है जिसमें 5,000 पुस्तकों के साथ कला व बच्चों के खेल की सामग्री है।

वर्ष के दौरान, इस केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :

ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा मई–जून, 2014 के दौरान निम्न कार्यशालाएं आयोजित की गई :

- क्राफ्टस कार्यशाला : सुश्री इंदु हरिकुमार के नेतृत्व में 8 से 10 वर्षीय 15 बच्चों के लिए पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 19 से 23 मई 2014।
- ग्लव पपेट्री कार्यशाला : काठ कथा पपेट आर्ट ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से 15 बच्चों के लिए पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया, 26 से 30 मई 2014।
- शैडो पपेट्री कार्यशाला : काठ कथा पपेट आर्ट ट्रस्ट, दिल्ली की मदद से 15 बच्चों के लिए पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया, 26 से 30 मई 2014।
- मटका प्लैनेटेरियम : 30 बच्चों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 13 से 15 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया, 2 से 6 जून 2014।
- थिएटर इन एजुकेशन कार्यशाला : नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की थिएटर एजुकेशन कंपनी (टी.आई.ई.) के सहयोग से 25 बच्चों के लिए एक महीने की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 11 से 13 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया, 2 से 30 जून, 2014।

वार्ताएं एवं परिचर्चाएं

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा विविध विषयों पर निम्न वार्ताएं व परिचर्चाओं का भी आयोजन किया गया।

- ''वाइल्ड लाइफ इन ऑवर नेबरहुड''–विद्या अर्थेया, परिस्थिति विज्ञानशास्त्री जो मानव व तेंदुए के बीच संघर्ष पर कार्य कर रही है, 7 अगस्त 2014।
- ''टीनोवेशन''–टी. वी. फिल्म से जुड़ी, निधी तुली ने 19 अगस्त 2014 को यह विशेष परिचर्चा की।
- ''फंकशनल ऑर ऑरनामेंटल? हाऊ लूज़िंग एलीफैंट्स मे इफेक्ट सीड डिस्परसल ऑफ वाइल्ड इंडियन फ्रूट ट्रीज़''–पर नितिन सेकर, संरक्षण वैज्ञानिक की वार्ता, 9 मार्च 2015।

हेरिटेज वाक

- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने तीन मूर्ति परिसर तथा कुशक–ए–शिकार में हेरिटज विशेषज्ञ स्पप्ना लिडेल के साथ एक हेरिटेज वाक का आयोजन किया। इस वाक से बच्चे अपने आस–पास के परिवेश से परिचित हुए। इसमें सड़को की बनावट और सांची स्तूप की शैली के अनुसार बने राष्ट्रपति भवन के गुम्बद पर चर्चा की गई, 21 अप्रैल 2014।
- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र टीम को प्रशिक्षित भी किया गया और परिस्थितिविज्ञान शास्त्री, डॉ. गज़ाला साहबुद्दीन तथा संस्था के निदेशक, प्रो. महेश रंगाराजन की मदद से एक वाक भी 20 मार्च, 2015 को आयोजित करने की रूपरेखा बनाई गई। अप्रैल 2015 से यह वाक पंजीकरण आधार पर जनता और स्कूली छात्रों के लिए उपलब्ध थी।

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र टीम प्रशिक्षण

एन.एल.सी.सी.वाई. ने अपने स्टॉफ के लिए श्रृंखलाबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन इस उद्देश्य से किया कि यह संस्था के कार्यक्रमों

के संचालन व आयोजन में सहायक सिद्ध हो। इसमें ''स्वच्छ भारत अभियान'' के तहत् वेस्ट मैनेजमेंट (अपशिष्ट प्रबंधन) पर कार्यशाला तथा तीन मूर्ति परिसर के ''आर्किटेक्चरल ऐण्ड नैचुरल हेरिटेज'' पर कार्यशालाएं की गईं।

23 दिसम्बर 2014 को विशेषज्ञ सुश्री पूनम कस्तूरी की मदद से ''स्वच्छ भारत अभियान'' के तहत् स्टॉफ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुश्री पूनम कस्तूरी, बेंगलुरू की डेली डम्प नामक संस्था से जुड़ी हैं। सुश्री पूनम कस्तूरी ने घरेलू व समुदायिक ऑरगेनिक वेस्ट प्रबंधन की तकनीक बताई जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली खाद में परिवर्तित किया जा सके।

फिल्म शो

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने प्रेरणादायी कहानियों पर आधारित निम्न फिल्मों का प्रदर्शन किया।

- पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टिंग ट्रस्ट (पी.एस.बी.टी.) के सहयोग से ''फिडलर्स ऑन दि थैच'' नामक फिल्म दिखाई गई, 26 अप्रैल 2014।
- पी.एस.बी.टी. के सहयोग से ''प्लैटफॉर्म नम्बर 5'' सी वनजा निर्मित फिल्म दिखाई गई, 31 मई 2014।
- अरविंद सिन्हा निर्मित फिल्म ''शाज़िया'' दिखाई गई, 28 जून 2014।
- पी.एस.बी.टी. के सहयोग से मीरा दीवान निर्मित फिल्म ''स्टेन्ड ग्लास'' दिखाई गई, 19 जुलाई 2014।
- पी.एस.बी.टी. के सहयोग से दबोलीना दत्ता तथा ओइशिक सरकार द्वारा निर्मित फिल्म ''वी आर फुट सोल्जर्स'' दिखाई गई, 30 अगस्त 2014।
- चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी के सहयोग से नितिन बोस और जे. मित्रा निर्मित फिल्म ''चार दोस्त'' दिखाई गई, 20 दिसम्बर 2014।

- दुर्गा खोटे और नीलकंठ मगदुम द्वारा निर्मित फिल्म ''मास्टरजी'' दिखाई गई, 27 अक्टूबर 2014।
- सी. एफ. एस. आई. के सहयोग से पंकज अडवाणी निर्मित फिल्म ''संडे'' दिखाई गई, 29 नवम्बर 2014।
- सी. एफ. एस. आई. के सहयोग से केदार शर्मा द्वारा निर्मित फिल्म 'स्काउट कैम्प'' दिखाई गई, 15 दिसम्बर 2014।
- सी. एफ. एस. आई. के सहयोग से ए. के. वीर निर्मित फिल्म ''बाजा'' दिखाई गई, 10 फरवरी 2015।

स्टोरी कबर्ड/किताबों का पिटारा

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा बाल साहित्य पर आधारित मासिक कार्यक्रम शुरू किया गया जिसमें लेखक, चित्रकारों, संपादकों कथावाचकों के साथ विभिन्न आयुवर्गों के बच्चों के लिए अंतरवार्ताओं के सत्र आयोजित किए गए। केन्द्र द्वारा प्रथम बुक्स के सहयोग से भी कुछ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जो इस प्रकार हैं –

- जाति दमन के विरूद्ध लड़ने वाले दो महान नेता, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर तथा ज्योतिबा फुले, नवयना प्रकाशन के एस. आनंद ने इस अवसर पर बच्चों के साथ *भीमान्या* तथा *गार्डनर इन वेस्टलैंड* पुस्तकें शेयर की, 14 अप्रैल 2014।
- समीना मिश्रा ने अपनी पुस्तक *माई स्वीट होम चाइल्डहुड स्टोरिज़ फ्रॉम ए कार्नर ऑफ दि सिटी* से बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाई। यह कहानी नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् स्कूल के बच्चों को सुनाई गई, 11 जुलाई 2014।
- आशा नेहेमीह बाल लेखक ने छोटे बच्चों को अपनी दो कहानियां ''दि राजा'ज मोस्टेच'' तथा ''मिसिज़ वूलीज़ फनी स्वेटरसन'' सुनाई, 22 अगस्त, 2014।

- बाल लेखक अनुष्का रविशंकर ने अपनी पुस्तक *मोइन ऐण्ड दि मॉनस्टर* के बारे में बच्चों से विचार विमर्श किया, 25 सितम्बर 2014।
- इंडियन वॉटर पोर्टल टीम की सबिता कौशल तथा अमिता ने बच्चों से दरभंगा पांड के बारे में बातचीत की तथा इस विषय पर लघु पी.पी.टी./वीडियो दिखाया, 28 अक्टूबर 2014।
- प्रथम बुक्स के विशेषज्ञ राजेश व पूनम द्वारा बच्चों के लिए कथा वाचन सत्र आयोजित किया, 26 नवम्बर 2014।
- शौकिया खगोलशास्त्री अमिताभ पाण्डेय ने बच्चों के साथ बातचीत की, 16 दिसम्बर 2014।
- पुरस्कृत लेखक डॉ. देविका रंगाचारी, ने बच्चों से अपनी पुस्तक ''क्वीन ऑफ आइस'' पर चर्चा की, 20 जनवरी 2015।
- कथा वाचक, अंकित चड्ढा जिन्होंने साहित्य, इतिहास तथा नाटकों को समेकित किया है, अपनी पुस्तक *माई गांधी स्टोरी,* पर बच्चों से चर्चा की, 20 फरवरी 2015।
- चित्रकार प्रिया कुरिअ्न ने तुलिका प्रकाशन के लिए चित्रांकित पुस्तक से कथा पढ़कर सुनाई, 13 अप्रैल 2015।

टॉकिंग टू टीचर्स/*शिक्षकों से बातचीत*

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा शिक्षा के मुद्दों पर तथा शिक्षणशास्त्र पर शिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए द्विमासिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत् निम्न व्याख्यान व कार्यशालाएं आयोजित की गई।

- स्कूली शिक्षकों के लिए ''प्राइमरी मैथेमैटिक टीचिंग'' विषय पर सुश्री आशालता बदामी द्वारा संचालित सत्र, 2 अप्रैल 2014।
- अध्यापकों के लिए जोडो ज्ञान संस्था के सहयोग से ''मैकिंग मैथेमैटिक टीचिंग इफेक्टिव ऐण्ड मीनिंगफुल'' विषय पर कार्यशाला,

15 जुलाई, 2014।

- ''चाइल्डहुड ऐण्ड स्कूलिंग'' विषय पर शिक्षकों से बातचीत सत्र रीजनल रिसोर्स सेंटर फॉर एलीमेंट्री एजुकेशन के विवेक वेलांकी द्वारा संचालित किया गया, 6 सितम्बर, 2017।
- डॉ. गुरजीत कौर ने 'चिल्ड्रन्स इंटयूटिव एक्सप्लेनेशंस वॅसॅस काउंटर इंटयूटिव आइडियाज़ इन साइंस' विषय पर माध्यमिक स्कूल के अध्यापकों के लिए एक सत्र का आयोजन किया, 8 नवम्बर 2014।
- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् स्कूल के अध्यापकों के लिए 'पेडागोगी ऑफ संस्कृत' विषय पर डॉ. पूर्वा भारद्वाज का एक सत्र आयोजित किया गया, 17 जनवरी 2015।

दि वर्ल्ड अराउंड अस/*हमारी दुनिया*

बच्चों के समक्ष प्राकृतिक और भौतिक दुनिया को नए रूप में उद्घाटित कर, उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा–भरा रखने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र कई व्याख्यानों, प्रस्तुतियों, फिल्म स्क्रीनिंग, पदयात्राओं आदि का आयोजन किया गया जिस पर बाद में चर्चा, परिचर्चाएं व प्रश्नमंच जैसे कार्यक्रम रखे गए। इनका विवरण निम्नानुसार है :

- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् स्कूल के छात्रों के लिए जैव विविधता विशेषज्ञ एवं लैपिडोपरेरिस्ट, डॉ. सूर्य प्रकाश ने 'दि वर्ल्ड अराउंड अस' पर एक सत्र का संचालन किया। उनके विचारों का केन्द्र, दिल्ली की तितलियां थी, 11 अप्रैल 2014।
- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने भौतिक विज्ञान और एस्ट्रॉफिजिक्स के प्रोफेसर, डॉ. पैट्रिक दास गुप्ता का 'दि मैजिक ऑफ मैगनटिज़्म' कार्यक्रम का संचालन किया, 8 अगस्त 2014।
- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा ''रीसाइक्लिंग'' पर एनर्जी रिसोर्स सेंटर (टेरी) के सहयोग से एक कार्यक्रम रखा। इसका

संचालन टेरी प्रेस की शिल्पा मेनन ने किया। उन्होंने थ्री आर (रीड्यूस, रीयूज़ व रीसाइकल) के जादुई मंत्र का प्रचार किया, 7 अक्टूबर 2014।

- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा (3 आर) रीसाइकल, रीयूज़ व रीड्यूस पर लिखने वाली लेखिका सुश्री आंचल ब्रोका कुमार के साथ एक सत्र आयोजित किया, 10 दिसम्बर 2014।
- नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा समीना मिश्रा निर्देशक फिल्म ''आई फाउंड माई वे टू स्कूल'' का प्रदर्शन किया, 19 फरवरी 2015।

विशेष कार्यक्रम

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, विश्व विकलांग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, हिंदी दिवस, वन्य जीव सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस व बाल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनका विस्तृत विवरण नीचे दिया जा रहा है :

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 17 अप्रैल 2014 के अवसर पर कथावाचन सत्र का आयोजन किया जिसमें कथावाचक व बाल पुस्तकालय दि रीडिंग कैटरपिल्लर के संस्थापक रबानी गर्ग ने प्रसिद्ध कहानी *सदाको ऐण्ड दि थाउसेंड पेपर क्रेन्स* का वाचन किया।

विविधता पर विशेष कार्यक्रम

विविधता पर विशेष कार्यक्रम, 8 जुलाई 2014। एक्शन फॉर एबिलिटी डिवेलपमेंट ऐण्ड इंक्लूज़न (आदि) संस्था के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें विशेषरूप से अपंग बच्चों के साथ बातचीत सत्र रखा गया।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस, 11 अगस्त 2014। *इतिहास* नामक संस्था की

निदेशिका स्मिता वत्स के साथ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन बातचीत सत्र का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त ऐसे अभिलेखागारीय चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई जो वर्ष 1947 के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित थी।

हिंदी दिवस

हिंदी दिवस, 12 सितम्बर 2014। इस अवसर पर बाल लेखिका अनूपा लाल ने हिंदी में सुश्री हेमा पाण्डेय द्वारा अनुदित कहानी का बच्चों के लिए वाचन किया।

वन्यजीव सप्ताह

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने 10 अक्टूबर 2014 से वन्यजीव सप्ताह मनाया। इस दिशा में युवा लोगों की चेतना को प्रभावित करने के उद्देश्य से फिल्मों, प्रस्तुतियों व विशेषज्ञों से वार्ताओं का आयोजन किया। इसमें डॉ. कौस्तुभ शर्मा, डॉ. गज़ाला शाहबुद्दीन, नवीन तिवारी व ऋषि शर्मा जैसे लोगों ने भाग लिया।

बाल दिवस

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। एन. डी. एम. सी. स्कूल के लिए अंतर विद्यालय लेखन व चित्राकंन प्रतियोगिता रखी गई जिसका विषय था *सपनों का भारत,* 21 नवम्बर, 2014।

अंतर्राष्ट्रीय पहाड़ दिवस

अंतर्राष्ट्रीय पहाड़ दिवस, 9 दिसम्बर 2014। नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा पर्यावरणविद्, रिंकी सरकार का ''दि माइटी हिमालयाज : नेचर्स शीट ऐंकर, मैनकाइंडस प्रे'' पर सत्र आयोजित किया गया और इस पर इन्होंने हिमालय का अनुभव बच्चों के साथ बांटा।

विशेष कार्यक्रम

नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र ने सिंगापुर की फर्स्ट लेडी के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। 9 फरवरी 2015 को सिंगापुर दूतावास के एक सदस्य द्वारा इस अवसर पर सिंगापुरी लेखकों द्वारा लिखी दो कथाएं डेविड सिओ की ''दि नाईट सफारी' तथा लोरेन टैन की 'पिप'स गार्डन' का कथावाचन किया। यह कहानियां 22 स्कूली बच्चों को सुनाई गई और फर्स्ट लेडी ऑफ सिंगापुर ने इस अवसर पर बच्चों से बातचीत भी की।

स्वच्छ भारत अभियान जनसंपर्क कार्यक्रम

स्वच्छ भारत अभियान के तहत् नेहरू बाल एवं युवा अध्ययन केन्द्र द्वारा दैनिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें इनके सदस्यों ने संग्रहालय व तारामण्डल पधारने वाले आगंतुको से लगभग 10 मिनट की बातचीत की। इस वार्ता का केन्द्र–बिन्दु घरेलू अपशिष्ट सामग्री के प्रबंधन तथा रसोई के कचरे से कॉम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया पर था, 15 से 31 मार्च, 2015।

नए प्रयास

यह तारा वो तारा : रोशनी प्रदूषण जागरण

यह तारामण्डल के सहयोग से शुरू किया गया कार्यक्रम विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए है। इस कार्यक्रम में बच्चों को तारामण्डल स्काई थिएटर के माध्यम से तारों और नक्षत्रों को पहचानना सिखाया जाता है, ताकि वे घर से रात्रि के आकाश में इन्हें पहचानने में समर्थ हो सकें।

नेहरू तारामण्डल

राजधानी का एक मात्र तारामण्डल, नेहरू तारामण्डल विविध तारामण्डल शो संचालित करने के अतिरिक्त खगोलविज्ञान से संबंधित सूचना के प्रचार एवं प्रसार में अहम भूमिका निभा रहा है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, 1,89,448 लोग तारामण्डल शो देखने

आए। इनमें से 87,763 स्कूली बच्चों के विशेष समूह थे जिन्हे यह शो विशेष रियायती दरों पर दिखाए गए।

नेहरू तारामण्डल के नए कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान पूर्ण गुम्बदीय फॉरमेट पर दो नए शो तैयार किए गए। ये थे – 'पल्सार व सुपरनोवे' तथा 'मार्स इन फोकस' जिन्हें भारत के मार्स ऑरबिटर मिशन को मनाए जाने के उपलक्ष्य में तैयार किया गया था। ये दोनों कार्यक्रम पूर्णतः इन–हाऊस स्टॉफ द्वारा बिना किसी लागत के तैयार किए गए। इनके दृश्य श्रव्य मिलान तथा आलेख एवं सामग्री तैयार करने में बाहर से कोई मदद नहीं ली गई।

तारामण्डल के गुम्बदीय शो के लिए नए–नए प्रयोग इसकी एक सतत चालू प्रक्रिया है जो बड़े खगौलिक डाटाबेस को समाविष्ट करने के लिए किया जाता है। ये दर्शकों के साथ संवाद स्थापित करने में भी मददगार है। आज की तारीख में पूर्ण गुम्बदीय दृश्यांकन के लिए रेडियों पल्सार गामा रे बर्स्टस तथा ऑल स्काई सर्वे जो जाइंट मीटर रेडियोवेव टेलिस्कोप (जी.एम.आर.टी.) से है गुम्बदीय दृश्यांकन के लिए समाविष्ट कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य साधनों जैसे वैरिएबल स्टार्स और गामा रे बर्स्ट से प्राप्त समान समय में लिए जा रहे आकड़ों को एकत्रित किया जा रहा है। यह संभवतया विश्व का पहला उदाहरण होगा, जहां पर इतने बड़े पैमाने पर तारामण्डल गुम्बद के अंदर आकड़ों को इकट्ठा करने की श्रृंखला प्रारंभ की गईं है। इस परियोजना से संबंधित एक पेपर अंतर्राष्ट्रीय खगोलविज्ञान संघ के अगस्त, 2015 में हवाई में होने वाले आम सभा में प्रस्तुत करने पर स्वीकृति प्राप्त हुई है।

कार्यशालाएं और अन्य कार्यक्रम

- तारामण्डल द्वारा कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए "हैंड्स ऑन एस्ट्रोनॉमी : यूज़िंग ऑनलाइन डेटा ऐण्ड रिसोर्सिज़" पर एक प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, 18 जनवरी 2014।
- तारामण्डल द्वारा आई. आई. टी. कानपुर में हो रहे टेक फेस्टिवल

के सहभागियों के लिए एक स्काईप कार्यशाला का आयोजन किया गया, 24 जनवरी 2014।

- तारामण्डल द्वारा रशियन सेंटर ऑफ साइंस ऐण्ड कल्चर के सहयोजन से राकेश शर्मा की अंतरिक्ष उड़ान की 30वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए तथा यूरी गैगरेन की 80वीं जयंती के अवसर पर उनकी अंतरिक्ष उड़ान की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यान व प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 200 स्कूली बच्चों व अध्यापकों ने भाग लिया, 9 अप्रैल 2014।
- कॉलेज के छात्रों के लिए बेंगलुरू स्थित जवाहरलाल नेहरू तारामण्डल की निदेशिका डॉ. शैलजा का व्याख्यान 'हैंड्स ऑन एस्ट्रोनॉमी' का आयोजन किया गया, 13 अप्रैल 2014।
- तारामण्डल द्वारा एक विशिष्ट अंतर्विषयक कार्यशाला 'पोजिशनल एस्ट्रोनॉमी ऐण्ड सन्फलावर प्लांटेशन' का आयोजन किया। इस कार्यशाला के दो चरण थे। पहले में, तारामण्डल में पोजिशनल एस्ट्रोनॉमी पर परिचर्चा की गई और दूसरे चरण में छात्रों द्वारा सूरजमुखी के पौधे लगाए गए, 1 मई 2014।
- तारामण्डल द्वारा सरकारी व पब्लिक स्कूलों के बच्चों के लिए वार्षिक खगोलविज्ञान प्रश्नमंच का आयोजन किया गया, 25 अगस्त 2014।
- तारामण्डल द्वारा 'स्पेस' नामक गैर सरकारी संगठन (एन. जी. ओ) की मदद से 'मार्स इन फोकस' नामक मनोरंजक व शिक्षाप्रद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 'मार्स इन फोकस' नामक विशेष तारामण्डल शो भी दिखाया गया तथा अन्य कार्यक्रमों में इसरो (आई.एस.आर.ओ.) मार्स ऑरबिटर मिशन पर परिचर्चाएं; मार्स इन स्काई; ए स्काई थिएटर इंटरएक्शन; हाइड्रोराकेटरी डिमॉनस्ट्रेशन; तथा टेराकोटा के मटको पर चित्रकारी 'मटके में मंगल' का आयोजन किया गया, 23 एवं 24 सितम्बर 2014।
- तारामण्डल द्वारा ओपन हाउस स्काई थिएटर का आयोजन किया गया जिसमें दूरबीन के माध्यम से आकाश दर्शन का कार्यक्रम था,

4 अक्टूबर 2014। इस कार्यक्रम में रात्रि को दूरबीन से आकाशदर्शन की व्यवस्था की गई जिसमें विज्ञान प्रसार के वरिष्ठ खगोलशास्त्री डॉ. टी. वी. वेंकेटेश्वरन, चन्द्र भूषण देवगन व अजय तलवार ने भाग लिया। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरू के प्रो. तुषार प्रभु ने इस अवसर पर स्काईप द्वारा सहभागियों से बातचीत भी की। स्काईप वार्ता का आयोजन मुंबई के नेहरू तारामण्डल तथा भोपाल के शौकिया खगोल विज्ञानियों के दल के लिए भी किया गया था।

- तारामण्डल द्वारा अंतरिक्ष एजुकेशन के सहयोग से विश्व अंतरिक्ष सप्ताह का आयोजन किया जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, 14—16 अक्टूबर 2014।
- छात्रों के सहयोग से खगोलशास्त्र में श्रव्य सामग्री जुटाने के लिए तारामण्डल द्वारा इस दौरान बहुत सी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस श्रव्य सामग्री का उपयोग नेत्रहीन छात्रों को शिक्षित करने के लिए किया गया। कार्यशाला में सहभागी छात्रों को तारामण्डल के स्काई थिएटर से परिचित कराया गया तथा खगोल विज्ञान के छोटे—छोटे विषयों पर ऑडियो माड्यूल बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया। नेत्रहीन विद्यार्थियों की जरूरतों से छात्रों को अवगत कराने के लिए इस प्रशिक्षण में कोलकाता के ब्लाईंड पर्सनस असोसिएशन से सुकांति मजुमदार ने छात्रों से बातचीत की, जुलाई से अक्टूबर 2014।
- तारामण्डल द्वारा बाल पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कार्यक्रम रखे गए, 15 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2014। खगोल विज्ञान से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का हैंड्स ऑन एस्ट्रोनॉमी के तहत् आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के दौरान 'मार्स इन फोक्स' नामक नए तारामण्डल शो शुरू किया गया जो भारत द्वारा मार्स ऑरबिटर मिशन को मनाए जाने के उपलक्ष्य में था। इस पूर्ण गुम्बदीय तारामण्डल शो को पूर्णतया स्टाफ द्वारा तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त 'न्यू सोलर सिस्टम' कार्यक्रम प्रकाश प्रदूषण

पर जागरूकता के लिए जंतर मंतर वेधशालाओं पर कार्यक्रम तथा 'सुपरनोवे ऐण्ड पल्सार्स' पर कार्यक्रमों को भी इन हाउस स्टाफ द्वारा तैयार किया गया।

- बाल पखवाड़े के दौरान 'आस्क दि एस्ट्रोनॉमर अंडर दि स्टार्स' नामक पूर्ण गुम्बदीय दृश्य कार्यक्रम की शुरूआत की गई जो एक नया कदम है। खगोल विज्ञान के क्षेत्र में जनता के सवालों का जवाब इस पखवाड़े के कार्यक्रमों में दिए गए। इस दौरान एकत्रित की गई सामग्री का उपयोग 'आस्क ऐन एस्ट्रॉनामर' नाम से संकलित किया जाएगा। यह रिकॉर्डिड कार्यक्रम तारामण्डल अभिलेखागार के लिए तैयार किया जाएगा। यह तारामण्डल गुम्बद में प्रयोग होने वाला अभिनव कार्यक्रम है जिसे विश्व में कहीं प्रयोग नहीं किया गया है।
- तारामण्डल ने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र दिल्ली की मदद से जंतर मंतर, वाराणसी के उपकरणों के उपयोग पर छात्रों के एक दल को कार्यशाला के अंतर्गत प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला में स्थानीय बच्चों को भी आठ इंचीय दूरबीन का जंतर मंतर पर यंत्रों के माध्यम से प्रयोग करना सिखाया गया। नेहरू तारामण्डल के कार्मिकों ने यह कार्यशाला जंतर मंतर, वाराणसी में की, 22–25 जनवरी, 2015। इस टीम ने स्थानीय छात्रों को आठ इंचीय सेलेस्ट्रान दूरबीन तथा यंत्रों के माध्यम से आकड़ा लेने का प्रशिक्षण दिया।
- तारामण्डल ने नेहरू बाल एवं युवा केन्द्र के सहयोग से प्रकाश प्रदूषण पर 'यह तारा वो तारा' नामक कार्यशाला हिंदी में स्कूली छात्रों के लिए आयोजित की, 11 फरवरी 2015।
- 9 फरवरी 2015 को तारामण्डल ने वार्षिक अंतरिक्ष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 41 सरकारी व पब्लिक स्कूल के लगभग 278 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दूरबीन व आकाश दर्शन

- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् द्वारा 8" और 14" के कंप्यूटरीकृत

दूरबीन खरीदने की सुविधा तारामण्डल को उपलब्ध कराई गई थी। इसके संस्थापन और सफल जांच परख के बाद 12 अप्रैल 2014 को इन नई दूरबीनों के माध्यम से जनता के लिए आकाशदर्शन का हल्का फुल्का कार्यक्रम रखा गया। इन दूरबीनों के उपयोग के कार्यक्रम का उद्‌घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. एच. पी. सिंह ने किया। इसके उपरांत इन दूरबीनों का प्रयोग लगातार प्रतिमाह आगंतुकों को आकाशदर्शन कराने के लिए किया जा रहा है।

- तारामण्डल द्वारा डेढ़ महीने तक आगंतुको और छात्रों के लिए विविध ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम विभिन्न आयु वर्ग के लिए अलग–अलग थे। ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों के इस उत्सव में बहुत सी सृजनात्मक व शिक्षाप्रद कार्यक्रम थे तथा नई खोज इस ग्रीष्मकालीन उत्सव का मुख्य आकर्षण था। इस दौरान पांच पब्लिक स्काई वॉच कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

- समीक्षाधीन अवधि के दौरान तारामण्डल स्टॉफ द्वारा दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के स्कूलों के लिए दूरबीन से आकाशदर्शन के बहुत से कार्यक्रम संस्था परिसर में आयोजित किए गए।

- देशव्यापी स्काई वॉच कार्यक्रमों के संचालन के तहत् तारामण्डल ने लवजॉय कॉमेट को देखने के लिए एक पब्लिक स्काई वॉच की व्यवस्था की तथा प्रकाश प्रदूषण मापने का कार्यक्रम भी रखा, 17 जनवरी 2015। ये कार्यक्रम देशभर की अनेक संस्थाओं द्वारा संचालित की गई।

- तारामण्डल द्वारा आकाशदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, 15 फरवरी 2015।

- तारामण्डल द्वारा देशव्यापी स्काई वॉच कार्यक्रमों के तहत् पब्लिक स्काई वॉच की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में देशभर से कई समूह/संगठनों ने भाग लिया, 21 फरवरी 2015।

- तारामण्डल द्वारा 'शुक्र यानी वीनस' और 'यूरेनस' के मिलन की घटना के अवलोकन के लिए स्काई वॉच का आयोजन किया गया, 4 मार्च 2015।
- देशव्यापी स्काई वॉच कार्यक्रमों के संचालन के तहत् तारामण्डल ने एक पब्लिक स्काई वॉच का आयोजन किया, 21 मार्च 2015। इस स्काई वॉच कार्यक्रम में मेसियर मैराथन को भी शामिल किया गया। ये कार्यक्रम देशभर की अनेक संस्थाओं द्वारा संचालित किए गए।

तारामण्डल व्याख्यान

- तारामण्डल द्वारा स्काई थिएटर में पद्मश्री प्रो. गोविंद स्वरूप, एफ. आर. ए. एस. पूर्व निदेशक, नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिज़िक्स, पुणे का सार्वजनिक व्याख्यान ''दि रेडियो यूनिवर्स' का आयोजन किया गया। प्रो. गोविन्द को भारत में फादर ऑफ रेडियो एस्ट्रोनॉमी पद्वी हासिल है। इस व्याख्यान को पूर्ण गुम्बदीय प्रस्तुति के लिए दृश्य स्रोतों को अपनाया गया, 17 सितम्बर 2014।
- *''एक छोटी सी दूरबीन''* नामक वार्ता का आयोजन किया गया। यह वार्ता स्पेस, गैर सरकारी संगठन के अध्यक्ष, श्री सी. वी. देवगन ने दी, 30 सितम्बर 2014।
- स्पेस के अध्यक्ष श्री सी. वी. देवगन के साथ स्कूली छात्रों के लिए हिंदी में मंगल ग्रह की ओर पर एक परिचर्चा आयोजित की गई, 23 सितम्बर 2014।
- तारामण्डल ने अपनी वीडियो व्याख्यान पुस्तकालय के लिए यू.एस. ए. से कलटेक के डॉ. आशीष महाबल का वेरिएवल स्टार एस्ट्रोनॉमी परियोजना के तहत् व्याख्यान रिकार्ड किया, 16 जनवरी 2015।
- रॉयल ऑबजरवेट्री ऑफ इडनबर्ग के खगोल विज्ञान के प्रोफेसर, प्रो. एंड्रीयू लॉरेंस के 'हंटिग दि ड्रेगन' नामक व्याख्यान का आयोजन किया गया, 21 फरवरी 2015। तारामण्डल ने पूर्ण गुम्बदीय प्रस्तुति के लिए इसमें दृश्य स्रोत उपलब्ध कराए।

दृश्य श्रव्य व जनसंपर्क सामग्री

तारामण्डल द्वारा वैज्ञानिक दृश्य श्रव्य सामग्री बनाने के लिए एक नई परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत् भारत में खगोल विज्ञान के क्षेत्र में खगोल विज्ञान के नामी लोकप्रिय खगोलविद्ो के साक्षात्कारों को रिकार्ड करने की योजना है। इन वीडियो रिकॉर्डिंग को तारामण्डल थिएटर में दिखाने योग्य बनाने के लिए विशेष फॉरमेट के तहत् रिकॉर्ड किया जा रहा है। यह गुम्बदीय प्रस्तुति के क्षेत्र में एक विशिष्ट तकनीक है जो दर्शकों के लिए एक प्रभावशाली माध्यम है।

प्रो. गोविन्द स्वरूप इस संदर्भ में दो बार तारामण्डल पधारे और उनके साक्षात्कारों के माध्यम से तारामण्डल ने भारत में रेडियो एस्ट्रोनॉमी की शुरूआत पर समृद्ध रिकॉर्डिंग तैयार की है।

इस परियोजना के लिए बाहरी दौरों के दौरान एकत्र की गई सामग्री का उपयोग भी किया जा रहा है। निदेशक तारामण्डल ने इसके लिए आई.यू.सी.सी.ए. पुणे में दौरे के दौरान बहुत से नामी एस्ट्रोनॉमी के वीडियो साक्षात्कार रिकार्ड किए है, जो तारामण्डल के वीडियो आरकाईव्स में रखे गए हैं।

बजट और लेखा

वर्ष 2014–15 के दौरान, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, ने गैर–योजनागत अनुदान के रुप में अर्थात् वेतन आदि एवं सोसाइटी के सामान्य रख–रखाव के लिए 16.99 करोड़ रुपए तथा उत्तर–पूर्व संगोष्ठी एवं व्याख्यान के लिए योजनागत अनुदान के रुप में 17.90 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की थी।

इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान गैर–योजनागत लेखा में विविध फुटकर प्राप्तियां 111.47 लाख रुपए थी।

सोसाइटी द्वारा अन्य विविध शैक्षिक/शोध संवर्धन संस्थाओं के शोध अध्येताओं को भी संबद्ध किया गया। वर्ष के दौरान, इन शोध अध्येताओं की अध्येतावृत्ति एवं आकस्मिक अनुदान की अदायगी

के लिए वर्ष 2014–15 के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 2.13 करोड़ रुपए की धनराशि, अनुदान के रुप में अलग से प्राप्त हुई, जिसका विवरण इस प्रकार है :

1.	भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्	1,40,000.00 रुपए
2.	भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्	19,11,365.00 रुपए
3.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	1,93,25,321.00 रुपए
		2,13,76,686.00 रुपए

हिंदी अनुभाग

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का कार्य सहायक निदेशक (हिंदी) की देख रेख में चल रहा है। संस्था की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन निदेशक की अध्यक्षता में किया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, हिंदी एकक द्वारा 'समाज, इतिहास और हिंदी', 'राजभाषा आचरण नियमावली', 'राजभाषा हिंदी : स्वरूप, चुनौतियां एवं संभावनाएं' तथा 'हिंदी के प्रचार प्रसार में आने वाली व्यावहारिक समस्याएं' जैसे विषयों पर चार कार्यशालाएं आयोजित की गईं। विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें क्रमशः 24 जून 2014, 15 सितम्बर 2014, 19 दिसम्बर 2014 व 04 मार्च 2015 को आयोजित की गईं।

राजभाषा विभाग के निदेशों के अनुसरण में 12 सितम्बर से 22 अक्टूबर 2014 तक हिंदी समारोह का आयोजन नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में किया गया। इसका शुभारम्भ प्रसिद्ध लेखक एवं इतिहासकार, श्रीमती गीतांजलि श्री ने किया। इस समारोह में संस्था के स्टॉफ के लिए निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारुप लेखन, प्रश्नमंच, अनुवाद, कविता, भाषण, स्काई शो तथा फिल्म प्रदर्शन, आदि जैसे कार्यक्रम रखे गए। इनका आयोजन दैनंदिन सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी को प्रसारित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस समारोह का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह 25 नवम्बर 2014 को सभागार में किया गया और संस्था निदेशक, प्रो. महेश रंगाराजन ने कुल मिलाकर 67 पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए।

परिशिष्ट

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के सदस्यगण :

1. डॉ. मनमोहन सिंह – अध्यक्ष
2. डॉ. कर्ण सिंह – उपाध्यक्ष
3. श्रीमती सोनिया गांधी
4. श्रीमती चंद्रेश कुमारी कटोच
5. श्री जयराम रमेश
6. कुमारी सैलजा
7. श्री गोपालकृष्ण गांधी
8. प्रो. वाई. के. अलघ
9. श्री मेमन मैथ्यू
10. श्री सुमन दुबे
11. श्री नितिन देसाई
12. प्रो. सुरंजन दास
13. श्री नजीब जंग
14. श्री श्याम बेनेगल
15. प्रो. वलेरियन रॉड्रिग्स
16. श्री दिलीप पडगांवकर
17. प्रो. यू. आर. अनंथमूर्थि
18. प्रो. गोपाल गुरु
19. प्रो. के. विजयाराघवन

20. प्रो. सुधीर चंद्र

21. डॉ. के. कस्तूरीरंगन

22. प्रो. विरगीनन्स काका

23. प्रो. उदयोन मिश्रा

24. प्रो. नयनजोत लहिरी

25. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, पदेन

26. सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, पदेन

27. सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, पदेन

28. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, पदेन

29. प्रो. माधवन के. पलाट, जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि

30. प्रो. महेश रंगाराजन, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

2. **कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यगण**

1. डॉ. कर्ण सिंह – अध्यक्ष
2. श्री नितिन देसाई
3. श्री सुमन दुबे
4. श्री मेमन मैथ्यू
5. प्रो. सूरंजन दास
6. संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, पदेन
7. वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, पदेन
8. प्रो. महेश रंगाराजन, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

वित्त समिति के सदस्यगण

1. श्री सुमन दुबे – अध्यक्ष
2. श्री नितिन देसाई
3. प्रो. वलेरियन रोड्रिग्स
4. वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, पदेन
5. प्रो. महेश रंगाराजन, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

2014–15 का लेखा

सूची

1. लेखीकरण नीतियां तथा लेखों पर टिप्पणियां
2. तुलन पत्र
3. तुलन पत्र की अनुसूचियां
4. आय एवं व्यय
5. आय एवं व्यय की अनुसूचियां
6. प्राप्तियां एवं भुगतान
7. अंशदायी/सामान्य भविष्य निधि की प्राप्तियां एवं भुगतान
8. अंशदायी/सामान्य भविष्य निधि का तुलन पत्र
9. लेखों का अनुलग्नक 'ए' से 'एफ'

अनुसूची–19

लेखीकरण नीतियां तथा 31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखों पर टिप्पणियां :

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत् 01/04/1966 को हुई थी। नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय मुख्यतः एक शोध संस्थान है जो समाजविज्ञान विशेष रूप से आधुनिक भारत के इतिहास के क्षेत्र में उच्च कोटि के अनुसंधान कार्य में लगा हुआ है। यह पुस्तकालय तथा संग्रहालय की स्थापना, रख–रखाव और उसकी कार्य प्रणाली भी देखता है। यह पूर्णतया संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है और एक गैर लाभकारी व गैर विनिर्माणकारी निकाय है। इस लेखे में नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी व आधुनिकीकरण परियोजनाओं सामान्य भविष्य निधि एवं सोसाइटी की अंशदायी भविष्य निधि के लेखे शामिल हैं।

अ. लेखीकरण नीतियां

1. परंपरागत लेखीकरण विधि

नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय की वित्तीय विवरणिका हिस्टॉरिकल कॉस्ट कन्वेशन परिपाटी पर, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखे के मानदण्डों के अनुसरण में प्रोद्भवन आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानित खर्च का उपयोग

वित्तीय विवरणियां अनुमानित राशि के आधार पर तैयार की जाती हैं जो परिसंपत्तियों एवं देयताओं की बताई गई मूल राशि से अलग होती हैं। यह अंतर वर्ष की वित्तीय विवरणियों में राजस्व व व्यय की बतायी गई राशि में देखी जा सकती है।

3. आय अंकन

क) टिकटों व अन्य प्रदत्त सेवाओं से अर्जित आय का लेखीकरण

रसीदों के आधार पर होता है तथा जहां कही निवल छूट निश्चित है, वह लागू है।

ख) पुस्तकालय सदस्यता शुल्क का लेखीकरण नकद आधार पर किया जाता है।

ग) रॉयल्टी के रूप में हुई आय का लेखीकरण नकदी आधार पर प्रकाशकों से प्राप्त विवरणिका तथा शर्तों या उचित करारों के आधार पर की जाती है।

घ) निवेश से हुई आय –

i. ब्याज धारित प्रतिभूतियों तथा सावधि जमा पर ब्याज का आकलन समय सीमा आधार पर, बकाया राशि को मद्देनज़र रखते हुए तथा लागू ब्याज दर के अनुकूल की जाती है।

ii. विशिष्ट/अक्षय निधियों से संबंधित ब्याज, संबंधित निधि के बही खाते में दिखाया जाता है।

4. सहायता अनुदान

आय हेतु सरकारी अनुदान, रसीदों के आधार पर आय के रूप में चिन्हित है और उनमें से किए गए खर्चो को आय और व्यय खाते के रूप में दर्शाया जाता है। अव्ययित राशि वर्ष के अंत में देयता के रूप में मानी जाती है और अगले वर्ष में अंतरित की जाती है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के अर्जन के लिए सरकारी अनुदान को पूंजीगत निधि में जमा किया जाता है। मूल्यह्रास के समतुल्य राशि को वर्ष के आय और व्यय खाते में दर्शाया जाता है।

5. निधि

i) 'निधि' शब्द का प्रयोग इस उद्देश्य को संप्रेषित करने के लिए किया जाता है कि आदि शेष को अंततः निवेशित रखा जाए।

ii) समग्र निधि से अभिप्राय उस निधि से है जो संस्थापकों के

योगदान से निर्मित है और उनके द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि यह नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय निधि का हिस्सा है।

iii) पूंजीगत निधि, सहायता अनुदान से बनाई गई स्थाई परिसंपत्तियों के मूल्य को दर्शाता है।

6. स्थाई परिसंपत्तियां

गैर–मूल्यह्रास वाली परिसंपत्तियों को छोड़कर स्थाई परिसंपत्तियों की मूल कीमत, ह्रास घटाकर दिखाई गई हैं।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का निर्धारण, ह्रासित मूल्य परिपाटी के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 के तहत् निर्धारित दरों के अनुसार किया जाता है।

8. निवेश

प्रबंधन नीतियों के अनुसार निवेश को उनकी परिपक्वता अवधि पूरी होने तक रखा जाता है और इस दिन की कीमत के अनुसार उसका मूल्य नियत है।

9. संपत्ति सूची (इनवेंट्री)

प्रकाशनों और कच्ची माइक्रोफिल्मों की इनवेंट्री, कीमत के अनुसार दर्शायी जाती है।

10. कार्मिक लाभ

सेवानिवृत्त लाभों में, केन्द्रीय सरकार के नियमों के अनुसार में सामान्य भविष्य निधि, मृत्यु–सह– निवृत्ति उपदान (डी.सी.आर.जी.), पेंशन तथा छुट्टी नकदीकरण एवं सेवानिवृत्त पश्चात् चिकित्सा लाभ जिसका भुगतान नकद में किया जाता है, शामिल हैं।

11. आकस्मिक देयताएं :

उचित संभावनाओं के पाए जाने पर आकस्मिक प्रकृति की देयताओं

का प्रावधान किया जाता हैं। छोटे दावों को छोड़कर अन्य आक्स्मिक देयताएं जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है, टिप्पणी के माध्यम से दर्शाए जाते हैं।

ब. लेखों पर टिप्पणियां

1) 31 मार्च, 2015 को सामान्य भविष्य निधि एवं अंशदायी भविष्य निधि के निवेश पर 63,64,868 रूपए (31.3.2015 की यथास्थिति के अनुसार 59,27,675 लाख रूपए) एवं उसी तिथि को सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि के संचित शेष की तुलना में कमी पाई गई है। यह कमी वास्तव में केन्द्रीय सरकार की अधिसूचना के अनुसार स्टॉफ की जमा पूंजी पर देय न्यूनतम ब्याज के फलस्वरूप हुई है जिसमें निवेश पर कम ब्याज प्राप्त हुआ हैं।

2) उपदान, पेंशन और छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान नकद रुप में किया जाता है।

3) *समग्र निधि*

वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने 17 सितम्बर, 2013 के पत्र सं. एफ. 9–1/2013–सीऐण्डएम द्वारा नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को अपने कार्यों के लिए 150 करोड़ रूपए (एक सौ पचास करोड़ केवल) की वित्तीय सहायता बतौर समग्र निधि प्रदान की है। उपरोक्त संस्वीकृत अनुदान संबंधित पत्र के अनुच्छेद 2 के अनुसार यह समग्र निधि निम्न शर्तों के अध्यधीन है।

i) नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय अपनी वार्षिक योजनाओं के लिए निधियों की जरूरत को इस कॉर्पस निधि पर अर्जित ब्याज द्वारा वर्ष 2014–15 से पूरा करेगा जिसमें पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए निधियां शामिल होगी।

ii) इस कॉर्पस निधि का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के आधार पर किया जाए और नेहरू स्मारक संग्रहालय

एवं पुस्तकालय द्वारा इसके लिए निवेश समिति गठित की जाए। अर्जित ब्याज का उपयोग एनएमएमएल के योजनागत व्यय पूर्ति के लिए किया जाए जिसमें चालू और भविष्य के उद्देश्य शामिल होंगे।

iii) कॉर्पस पर अर्जित ब्याज हेतु अलग लेखे रखे जाए और उनका प्रयोग संस्वीकृत उद्देश्य के लिए किया जाए तथा नियमित प्रशासनिक कार्यों के लिए इसमें से कोई खर्च न किया जाए।

iv) संस्कृति मंत्रालय के मंजूरी के बिना इस निधि का उपयोग किन्हीं अन्य कार्यों के लिए न किया जाए।

v) नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा एक समिति गठित की जाए जो कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए समय–समय पर मंत्रालय को इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

vi) इस ब्याज से निर्मित परिसंपत्तियों को बिना भारत सरकार की मंजूरी के निपटाया न जाए, न ही उसका उपयोग नियत उद्देश्य के लिए संस्वीकृत अनुदान के अतिरिक्त किसी और कार्य के लिए किया जाए।

vii) अर्जित ब्याज से पूर्णतः या आंशिक रूप से जुटाई गई परिसंपत्तियों का अलग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत् रजिस्टर में लेखा–जोखा रखा जाए तथा अर्जित परिसंपत्तियों की अधिप्रमाणित प्रति मंत्रालय को प्रत्येक वर्ष भेजी जाए।

4) 15 मई, 2013 को कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष द्वारा निवेश समिति के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। निवेश समिति में डॉ. विजय केलकर, अध्यक्ष और डॉ. उषा थोराट, वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के प्रभारी संयुक्त सचिव तथा निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए हैं। इस समिति की बैठक तीन बार क्रमशः 14 अगस्त, 2013, 5 अक्टूबर, 2013 और 18 मार्च, 2014 को हुई और अंतिम बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस कॉर्पस निधि को तीन राष्ट्रीयकृत बैंको में निवेशित किया जाए।

5) कार्पस निधि पर हुए चर्चा के संदर्भ में 24 जून, 2014 को हुई कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार नीचे दर्शायी गई राशि को कार्पस निधि के अप्रयुक्त ब्याज से 31 मार्च, 2015 की कार्पस निधि को प्रयुक्त ब्याज के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया है।

– वित्त वर्ष 2013–14 (लगभग 25 प्रतिशत) रू. 1,30,00,000

– वित्त वर्ष 2014–15 (लगभग 50 प्रतिशत) रू. 5,40,00,000

रू. 67,000,000/–

6) 31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार जो समग्र निधि के निवेश पर प्राप्त अप्रयुक्त ब्याज 8,87,61,357/– है (31 मार्च, 2014 को 5,19,05,640/–) की जो संचित अधिशेष है। इसका प्रयोग नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के योजनागत व्यय की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इसमें चालू वर्ष और भविष्य के महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए इसका प्रयोग संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संस्वीकृत अनुदान पत्र के आधार पर किया जाएगा।

7) वेतन और भत्ता मार्च, 2014 से फरवरी, 2015 तक 12 महीनों के लिए जो भुगतान किया गया अथवा प्रावधान किया गया था उसके लिए मार्च, 2015 में खाता संग्रहण आधार पर कोई प्रावधान इस प्रत्याशा में नहीं किया गया था कि पूर्व वर्षों की भांति अनुदान संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए मिल जाएगा। यह लेखा नीति-I के अनुसार सामान्य विचार योग्य प्रक्रिया है।

8) पूर्व वर्ष के आकड़ो को जहां–जहां आवश्यक समझा गया पुनः वर्गीकृत/पुनः दर्शाया गया है।

अनुसूची 1 से 19 वित्तीय विवरणी का मुख्य हिस्सा है।

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

वर्ष 2014–2015 की प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियां	राशि	राशि	भुगतान	राशि	राशि
I. आदि शेष			I. खर्चे		
i) हस्तगत रोकड़	103,213		**i) स्थापना संबंधी खर्चे**		
ii) बैंक में रोकड़	**220,807,961**	**220,911,174**	**क. वेतन एवं भत्ते**	**65,632,681**	
			ख. समयोपरि भत्ते	**29,753**	
आदि शेष का ब्योरा			**ग. बच्चों का शिक्षण भत्ता/शिक्षण शुल्क**	**565,257**	
i) गैर योजनागत अनुदान	**1,153,974**		**घ. सेवानिवृत्ति लाभ/पेंशन**	**42,605,594**	
ii) योजनागत अनुदान	**651,038**		**ड. यूनिफार्म एवं वर्दियां**	**193,226**	
iii) श्रीकांत दत्त अक्षय निधि	**232**		**च. सी0जी0एच0एस0/चिकित्सा सुविधाएं**	**4,017,429**	
iv) चेलापति राव अक्षय निधि	**652**		**छ. आकस्मिक श्रमिक**	**–**	
v) अन्य	**8,844,572**		**ज. आकस्मिक कर्मचारी**	**29,379**	
vi) आधुनिकीकरण परियोजना निधि	**10,260,706**		**झ. रियायती यात्रा सुविधा**	**678,323**	
vii) विशेष अनुदान	**200,000,000**		**ञ. यात्रा भत्ता (कार्मिक)**	**170,995**	
			त. वाहन	**130,135**	
			थ. आउटसोर्स एजेंसी (योजनागत)	**7,617,889**	
II. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त			द. सामूहिक बीमा	1	121,670,662
सहायता अनुदान					
i) गैर योजनागत	**169,989,932**	169,989,932	**ii) प्रशासनिक खर्चे**		
वेतन 13,46,91,478			**क. निजी सुरक्षा व्यवस्था**	**4,059,272**	
सामान्य 3,52,98,454			**ख. निजी सफाई व्यवस्था**	**3,096,323**	

ii) योजनागत	1,790,000	1,790,000			
उत्तर–पूर्व 17,90,000					
III. निवेश से आय			ग. लेखन सामग्री एवं मुद्रण (योजनागत)	1,615,125	
i) दीर्घकालीन जमा राशि	8,046,892		घ. डाक खर्च	184,356	
ii) लघु सावधि जमा से आय	329,291		च. टेलीफोन खर्च	772,000	
iii) जमा से होने वाली आय (समग्र)	98,989,610		त. बिजली एवं पानी खर्च	26,473,227	
iv) जमा से होने वाली आय (विशेष अनुदान)	10,995,779	118,361,572	थ. गैर सरकारी व्यक्तियों को यात्रा भत्ता	522,799	
			द. स्टॉफ कार	572,325	
			ध. वातानुकूलन संयंत्र का रख–रखाव	3,317,818	
IV. अन्य आय			न. पुस्तकालय की पुस्तकों की जिल्दबंदी	65,233	
i) ऑडिटोरियम/सेमिनार कक्ष का किराया	2,062,251		प. विज्ञापन एवं प्रचार (योजनागत)	2,281,070	
			फ. कानूनी खर्चे	389,100	
ii) पुस्तकालय सदस्यता शुल्क	766,877		झ. मानदेय	313,805	
iii) माइक्रोफिल्म, जिरॉक्स आदि	934,602		ण. फर्नीचर उपकरणों की मरम्मत	161,221	
iv) विविध प्राप्तियां	63,942		ए. विविध खर्चे	502,317	
v) पुस्तकों से रॉयल्टी	70,861		ऐ. मनोरंजन	394,550	
vi) प्रकाशनों की बिक्री	125,514		अं. उपभोग्य स्टोर	1,550,068	
vii) पुस्तकें/मोमेंटो आदि की बिक्री	381,830		ड़. लेखापरीक्षा शुल्क	98,910	
viii) लॉकर प्रभार	560		ढ. जवाहर ज्योति का रख–रखाव	21,600	
ix) इंटरनेट प्रभार	15,006		ज्ञ. कंप्यूटरीकरण उपभोग्य	627,442	
x) अन्य प्रभार	400,852		य. सॉविनिअॅर शॉप	448,280	
xi) निष्पादन गारंटी	488,450		ऋ. संगोष्ठी और व्याख्यान	140,500	47,607,341
xii) ऋण और अग्रिम पर ब्याज	18,000	5,328,745	II) विभिन्न योजनाओं के लिए किए गए भुगतान		
			i) फेलोशिप	36,172,120	

V. नेहरू तारामण्डल			ii) कार्मिकों का अंशदान	405,602	
i) टिकटों की बिक्री	6,228,150	6,228,150	iii) क. संग्रहालय का विकास	1,194,899	
			ख. अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	190,356	
VI. ऋण/अग्रिम			iv) क. शोध उन्नयन	1,555,027	
क. कार/स्कूटर अग्रिम	32,625		ख. सेमिनार/व्याख्यान	3,403,896	
ख. त्यौहार अग्रिम	231,575		ग. प्रकाशन	1,009,109	
ग. साइकिल अग्रिम	–		घ. मौखिक इतिहास प्रभाग का विकास	217,764	
घ. मकान निर्माण अग्रिम	73,500		ड. पुस्तकालय का विकास	1,139,716	
च. बयाना राशि	750,000	1,087,700	च. सी0 आर0 प्रोजेक्ट	623,170	
			छ. पाण्डुलिपि प्रभाग का विकास	2,304,487	
VII. फेलोज़ के लिए प्राप्त राशि			ज. बाल संसाधन केन्द्र	380,696	48,605,842
क. आई0 सी0 एच0 आर0	140,000				
ख. आई0 सी0 एस0 एस0 आर0	1,911,365		III) नेहरू तारामण्डल		
ग. यू0 जी0 सी0	19,325,321	21,376,686	क. वेतन एवं भत्ते	5,899,391	
			ख. अं0 भ0 निधि/ग्रेज्युटी का सोसाइटी अंश	705,236	
			ग. तारामण्डल का रख–रखाव	1,283,693	7,888,320
VIII. परियोजना एवं अक्षय निधि			IV) स्थायी परिसंपत्तियां तथा पूंजीगत कार्य पर व्यय		
a) श्रीकांत दत्त अक्षय निधि					
प्राप्त अक्षयनिधि	–		क. पुस्तकालय की पुस्तकें (योजनागत)	5,455,466	
अक्षय निधि सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज	31,503		ख. पानी की टंकी का नवीकरण	138,014	
निवेश निधि की परिपक्वता	342,212	373,715	ग. फर्नीचर और फिक्सचर	28,350	
			घ. कंप्यूटर	2,012,588	
b) चेलापति राव अक्ष्य निधि			ड. कूड़ेदान/मार्गदर्शिका	365,340	
प्राप्त अक्षय निधि	–		च. एन.एम.एम.एल. का उन्नयन	375,000	
अक्षय निधि सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज	86,703		छ. पी.एन.जी. गैस पाईप	15,111	

निवेश निधि की परिपक्वता	**939,024**	1,025,727	**ज. बाल संसाधन केन्द्र का सुधार**	**456,800**	
IX. एफ.डी.आर. की परिपक्वता			**झ. कच्ची माइक्रोफिल्म**	**99,500**	8,946,169
i) आधुनिकीकरण	**107,054,522**		V) अन्य भुगतान		
ii) समग्र अनुदान	**1,045,000,000**		**i) रिप्रोग्राफी सेवाएं एवं परिरक्षण**	**450,292**	
iii) विशेष अनुदान	**484,068,494**	1,636,123,016	**ii) बायोमीट्रिक मशीन**	–	
			iii) वेबसाईट का निर्माण	–	
X. न्यू पेंशन स्कीम	**577,264**	577,264	**iv) इंटरकॉम**	–	
			v) वाटर कूलर का वार्षिक रख–रखाव	–	450,292
XI. प्रतिभूति जमा	**107,290**	**107,290**	VI) ऋण एवं अग्रिम		
			(क) मकान निर्माण अग्रिम	–	
			(ख) स्कूटर/कार/साईकिल/पंखा अग्रिम	–	
			(ग) त्योहार अग्रिम	**265,500**	**265,500**
			VII) आधुनिकीकरण परियोजना		
			(क) यू.पी.एस. सी.पी.डब्ल्यू.डी.	**55,728**	
			(ख) डिजिटलीकरण कार्य वेतन	**1,360,907**	
			(ग) डिजिटलीकरण	**4,096,336**	
			(घ) अनैक्सी भवन के लिए फर्नीचर	**119,300**	
			(च) फर्नीचर और उपकरण	**1,049,161**	
			(छ) सॉविनीअॅर शॉप का नवीकरण	**877,877**	
			(ज) बैंक प्रभार	**4,015**	
			(प) रिप्रोग्राफी विभाग	**3,642,312**	11,205,636
			VIII) संबद्ध फेलोज़ को किया गया भुगतान		
			1. फेलोज–आई0 सी0 एच0 आर0	**198,000**	
			2. फेलोज–आई0 सी0 एस0 एस0 आर0	**1,886,378**	
			3. फेलोज–यू0 जी0 सी0	**13,981,764**	**16,066,142**
			IX) परियोजना एवं अक्षय निधि		
			क. मोतीलाल नेहरू की 125वीं जयंती	**4,528,361**	

			ख. उत्तर–पूर्व	**152,472**	
			ग. जवाहरलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य	**50,000,000**	
			घ. टैगोर फेलोशिप	**735,206**	
			च. बयाना राशि	**70,000**	
			छ. लाला लाजपत राय	**4,860**	55,490,899
			X) स्थायी जमा में निवेश		
			एस0 के0 डी0	**373,715**	
			चेलापति राव	**1,025,727**	1,399,442
			XI) समग्र निधि का निवेश	**1,045,000,000**	1,045,000,000
			XI) विशेष निधि का निवेश	**617,594,522**	617,594,522
			XII) आधुनिकीकरण–एफ.डी. आर.	**74,924,246**	74,924,246
			XIII) लघु अवधि जमा योजना में निवेश	**10,000,000**	10,000,000
			XIV) वित्त वर्ष 2013–14 के लिए देय राशि	**1,888,548**	1,888,548
			XV) अंतशेष		
			i) हस्तगत रोकड़	**49,898**	
			iii) बैंक में रोकड	**114,227,512**	114,277,410
			अंतशेष का ब्योरा		
			i) गैर योजनागत अनुदान	**3,297,233**	
			ii) योजनागत अनुदान	**52,205,497**	
			iii) श्रीकांत दत्त अक्षय निधि	**232**	
			iv) चेलापति राव अक्षय निधि	**652**	
			v) अन्य	**14,074,779**	
			vi) आधुनिकीकरण परियोजना निधि	**39,232,238**	
			vii) विशेष अनुदान	**5,466,779**	
	कुल	2,183,280,971		कुल	2,183,280,971

दीपा भटनागर
(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन
(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011
31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्त वर्ष के आय एवं व्यय का लेखा विवरण

(राशि–रूपए में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय	10	7,239,118	6,427,329
अनुदान/सब्सिडी			
– गैर योजनागत		169,899,213	131,565,578
– योजनागत	11	54,758,575	41,880,556
शुल्क/अंशदान	12	766,877	746,087
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	13	70,911	3,774
सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	14	160,841,757	66,861,410
अन्य आय	15	3,273,333	3,559,069
कुल (क)		**396,849,784**	**251,043,803**
व्यय	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
स्थापना खर्चे गैर योजना	16	131,470,290	117,082,191
अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	17	153,881,485	82,055,972
मूल्य ह्रास (वर्ष की समाप्ति पर सकल योग–अनुसूची 8 के अनुरूप)	18	29,332,521	30,106,700
घटाएं – पूंजीगत निधि लेखे से अंतरित	2	(29,332,521)	(30,106,700)
		0	–
कुल (ख)		**285,351,775**	**199,138,163**

अधिशेष / (घाटा)		111,498,009	51,905,640
घटाए : समग्र निधि से हस्तांतरित शेष राशि		67,000,000	—
कुल अधिशेष, तुलन पत्र में अग्रेषित		44,498,009	51,905,640

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्त वर्ष के आय एवं व्यय का लेखा विवरण

(राशि–रूपए में)

अनुसूची–10 बिक्री/सेवाओं से आय		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. बिक्री से आय			
पुस्तकें, फोटोग्राफ्स/मोमन्टो की बिक्री (बिक्री काउंटर)	381,830		
घटाएं: बेची गई पुस्तकों आदि की लागत	305,464	76,366	110,261
2. माइक्रोफिल्म/जिरॉक्सिंग से आय		934,602	442,918
3. बेची गई टिकटें (नेहरू तारामण्डल)		6,228,150	5,874,150
कुल		**7,239,118**	**6,427,329**
अनुसूची –11– अनुदान/सब्सिडी		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
गैर योजनागत			
1. केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान	169,989,932		
जोड़े: पूर्व वर्ष की समायोजित अनुदान	9,854		
घटाए: पूंजीगत अनुदान	–		
घटाए: लौटाया जाने वाला अव्ययित शेष (वसूलनीय)	100,573	169,899,213	131,565,578
योजनागत			
2. केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान	1,790,000		
जोड़े : पूर्व वर्ष का समायोजित अनुदान	63,882		
घटाएं : 1.4.2013 की यथास्थिति के अनुसार वसूली	–		
घटाए : लौटाया जाने वाला अव्ययित शेष	1,637,528		
घटाए : पूंजीगत अनुदान (अनुलग्नक–डी)	–	216,354	41,880,556

3. सहायता अनुदान (सामान्य) योजनागत (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)			
(क) पोर्टल चुनिंदा कार्य एवं संस्था का उन्नयन			
1 अप्रैल, 2014 को अव्ययित शेष	150,000,000		
घटाए : 31 मार्च, 2015 को अव्ययित शेष	145,457,779	4,542,221	
(ख) राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति, स्मरणीय गतिविधियों के सहायक स्टॉफ			
1 अप्रैल, 2014 को अव्ययित शेष	50,000,000		
घटाए : 31 मार्च, 2015 को अव्ययित शेष	–	50,000,000	
		54,758,575	**41,880,556**
		–	
कुल		**224,657,788**	**173,446,134**
अनुसूची –12– शुल्क/अंषदान		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. पुस्तकालय सदस्यता शुल्क		766,877	746,087
कुल		**766,877**	**746,087**
अनुसूची –13– रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय			
1. पुस्तकों की रॉयल्टी (टी.डी.एस. रू. 50 सम्मिलित)		70,911	3,774
कुल		**70,911**	**3,774**
अनुसूची –14– सावधि जमा पर अर्जित ब्याज			
1. समग्र निधि पर प्राप्त व्याज (टी.डी.एस. रू. 36,14,487 सम्मिलित)		148,561,846	66,861,410
2. अन्य निवेश से प्राप्त ब्याज (टी.डी.एस. रू. 95,464 सम्मिलित)		12,279,911	–
3. ऋण एवं अग्रिमों पर ब्याज (स्टॉफ)		–	–
कुल		**160,841,757**	**66,861,410**
अनुसूची –15– अन्य आय		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. विविध/लिंक बीमा		63,942	208,880
2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से प्राप्त अवकाश नकदी एवं पेंशन राशि		–	139,404

3. सभागार/संगोष्ठी कक्ष का किराया (टी.डी.एस. रू. 2,208 सम्मिलित)		2,064,459	1,869,604
4. लाइसेंस शुल्क		–	1,820
5. इंटरनेट प्रभार		15,006	9,248
6. लॉकर प्रभार		560	580
7. अन्य प्रभार		400,852	1,138,509
8. प्रकाशन की बिक्री		125,514	126,266
9. बट्टा खाता		–	1,335
10. बट्टा खाता विमूल्यन राशि		–	5,811
11. नियत खर्चों की अधिकता (बट्टा खाता)		–	57,612
12. अवधि के पहले आय		603,000	–
कुल		**3,273,333**	**3,559,069**
अनुसूची –16– स्थापना व्यय (गैर योजनागत)		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. वेतन एवं भत्ते		66,150,461	63,169,166
2 समयोपरि भत्ता		29,753	80,238
3 बच्चों का शिक्षण भत्ता/शिक्षण शुल्क		709,257	635,897
4. सी.जी.एच.एस/ चिकित्सा सुविधाएं		4,095,146	3,807,279
5. सेवानिवृत्ति लाभ/डीसीआरजी		16,783,583	11,293,749
6. यात्रा रियायत (स्टॉफ)		678,323	1,208,608
7. यात्रा भत्ता (स्टॉफ)		224,900	464,963
8. यूनीफार्म एवं वर्दी लेखा		193,226	234,540
9. आकस्मिक मजदूरी		–	14,700
10. वाहन खर्च		159,546	220,663
11. वेतन एवं भत्ता (संविदा स्टॉफ)		8,249,643	7,071,272
12. वेतन एवं भत्ता (नेहरू तारामण्डल)		5,899,391	6,685,121
13. विविध एवं आकस्मिक खर्चे		1,283,693	–

14. पेंशन का भुगतान		25,822,011	21,831,848
15. स्टॉफ के सा. भ. नि. में जमा ब्याज		437,193	(117,473)
16. नेहरू स्मारक संग्रहालय के ग्रेज्युटी का भुगतान		754,164	481,620
कुल		**131,470,290**	**117,082,191**
अनुसूची –17– अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
1. निजी सुरक्षा व्यवस्था		4,445,046	3,407,743
2. निजी सफाई कर्मचारी व्यवस्था		3,096,323	2,921,178
4. लेखन सामग्री और मुद्रण		1,678,125	1,744,025
5. डाक एवं खर्चे		184,356	367,568
6. टेलीफोन पर खर्च		773,500	693,868
7. वकील के खर्च		445,280	461,295
8. बिजली और पानी प्रभार		26,938,162	18,905,011
9. गैर सरकारी व्यक्तियों को यात्रा भत्ता		522,799	475,891
10. वातानुकूलन संयंत्र का रख–रखाव		3,805,678	2,369,585
11. पुस्तकालय की पुस्तकों की जिल्दसाजी		80,833	33,020
12. विज्ञापन एवं प्रचार		2,394,870	1,755,110
13. उपकरण, फर्नीचर प्रोजेक्टर की मरम्मत व अनुरक्षण		161,221	83,170
14. विविध / लिंक बीमा		571,815	425,410
15. स्टॉफ कार का रख–रखाव		621,056	460,121
16. मनोरंजन		394,550	264,437
17. उपभोग्य भंडारण		1,550,068	251,635
18. लेखापरीक्षा शुल्क		121,382	200,000
19. जवाहर ज्योति का रख–रखाव		21,600	2,093
20. मानदेय		313,805	106,050
21. संगोष्ठी एवं व्याख्यान		140,500	3,837,876

22. रिप्रोग्राफी सेवाएं		404,831	320,251
23. नेहरू तारामंडल (सोसाइटी शेयर भुगतान)		241,671	234,202
24. बायोमीट्रिक मशीन का रख–रखाव		–	81,671
25. परिरक्षण सामग्री		45,461	–
26. कंप्यूटरीकरण		643,052	757,229
27. पूर्व अवधि (रिप्रोग्राफी/वेबसाइट का विकास)		–	16,589
उप कुल योग (क)		**49,595,984**	**40,175,028**
योजनागत			
राजस्व व्यय			
1 फेलोशिप		36,325,277	32,447,738
2. कर्मचारी शेयर/एन.पी.एस./अवकाश पेंशन योगदान		595,958	813,004
3. संग्रहालय का विकास		1,194,899	1,306,335
4. मौखिक इतिहास विभाग का वेतन		217,764	535,783
5. पुस्तकालय का विकास		1,139,716	1,071,683
6. सी.आर. परियोजना		632,170	1,150,241
7. पांडुलिपि प्रभाग		2,304,487	1,842,887
8. शोध प्रोत्साहन		1,555,027	1,118,146
9. संगोष्ठी और व्याख्यान		3,485,499	–
10. उत्तर पूर्व–संगोष्ठी एवं व्याख्यान		152,472	347,135
11. प्रकाशन कार्य		1,009,109	981,179
12. बाल संसाधन केन्द्र		395,696	266,813
13. टैगोर फेलोशिप		735,206	–
14. नेहरू स्मारक निधि (जवाहरलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य)		50,000,000	–
15. 125वीं जयंती स्मरणीय गतिविधियां/समारोह		4,537,361	–

16. लाला लाजपत राय–प्रदर्शनी पर खर्च		4,860	–
उप कुल (ख)		104,285,501	41,880,944
कुल		**153,881,485**	**82,055,972**
अनुसूची –18– मूल्यह्रास		**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार राशि		29,332,521	30,106,700
कुल		**29,332,521**	**30,106,700**

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष का तुलन पत्र

(राशि–रूपए में)

समग्र/पूंजीगत निधि और देयताएं	अनुसूची	31.3.2015 के अनुसार	31.3.2014
समग्र निधि	1	1,567,000,000	1,500,000,000
पूंजीगत निधि	2	366,118,591	388,877,960
आरक्षित एवं अधिशेष	3	102,521,091	58,023,082
नियत/अक्षय निधि	4	3,695,582	3,388,989
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	5	264,140,458	314,773,022
कुल		**2,303,475,722**	**2,265,063,053**
परिसंपत्तियां			
1. स्थायी परिसंपत्तियां	6	282,844,462	291,231,378
2. समग्र निधि एवं अन्य का निवेश	7	1,798,831,552	1,642,465,085
3. नियत/अक्षय निधि निवेश से	8	3,694,698	3,388,105
4. वर्तमान परिसंपत्तियां ऋण एवं अग्रिम आदि	9	218,105,010	327,978,485
कुल		**2,303,475,722**	**2,265,063,053**
लेखा नीतियां तथा लेखों पर टिप्पणी **उपरोक्त संदर्षित अनुसूचियां, तुलन पत्र का अभिन्न हिस्सा है।**	19		

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार के तुलन पत्र की अनुसूचियां

(राशि रूपए में)

अनुसूची–1–समग्र/पूंजीगत निधि		31.03.2015 के रुप में		31.03.2014 के रुप में
समग्र निधि				
आदि शेष		1,500,000,000		
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त राशि		–		1,500,000,000
		1,500,000,000		**1,500,000,000**
जोड़े : आय एवं व्यय लेखे से अंतरित राशि (नोट–5 अनुसूची–19 का संदर्भ लें)		67,000,000		–
कुल		**1,567,000,000**		**1,500,000,000**
अनुसूची –2– पूंजीगत निधि				
I पूंजीगत निधि–मूल्यह्रास संपत्ति				
आदि शेष	123,029,122		144,975,450	
जोड़े : सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् 31.03.2014 तक उपयोग की गई राशि एवं पूंजीगत निधि में अंतरित	164,514,163			
जोड़े : वित्त वर्ष 2014–15 में सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् एवं पूंजीगत निधि में अंतरित	11,205,636			
जोड़े : वर्ष के दौरान उपहार में प्राप्त पुस्तकें (अनुलग्नक 'डी')	282,425		8,160,372	
घटाएं : आय एवं व्यय लेखें में अंतरित राशि का मूल्यह्रास	29,332,521		30,106,700	
		269,698,825		**123,029,122**

II आधुनिकीकरण परियोजना पूंजीगत निधि				
आदि शेष	265,848,838			258,298,056
घटाएं : सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् 31.03.2014 तक उपयोग की गई राशि एवं पूंजीगत निधि में अंतरित	164,514,163			
घटाएं : वित्त वर्ष 2014–15 में सी. डब्ल्यू. आई. पी./एफ.ए. के तहत् एवं पूंजीगत निधि में अंतरित	11,205,636	90,129,039		
जोड़े : अर्जित ब्याज				
बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	51,742		523,854	
एफ.डी.आर. पर प्राप्त ब्याज	7,995,150		6,631,534	
एफ.डी.आर. पर अंतिम अर्जित ब्याज (90,246 टी.डी.एस.)	2,881,885		4,638,050	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित आदि शेष	4,638,050	6,290,727	4,242,656	7,550,782
	उप कुल	**96,419,766**		**265,848,838**
कुल		**366,118,591**		**388,877,960**
अनुसूची –3– आरक्षित/अधिशेष				
(क) परिसंपत्ति निधि–अमूल्य ह्रास परिसंपत्तियां संग्रहालय परिसंपत्तियां (पिछले लेखें के अनुसार)		6,117,442		6,117,442
(ख) अधिशेष				
(समग्र निधि के ब्याज से उपयोग की गई)				
आदि शेष	51,905,640			
जोड़े : संलग्न आय एवं व्यय लेखे के अनुसार अधिशेष	44,498,009	96,403,649	51,905,640	51,905,640
कुल		**102,521,091**		**58,023,082**
अनुसूची –4– नियत/अक्षय निधियां				
क. श्रीकांत दत्त स्मृति फेलोशिप				
1.4.2014 को आदि शेष	183,982		183,982	

जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	–	183,982	–	183,982
संचित ब्याज				
आदि शेष	685,556		646,344	
जोड़े : निवेश पर प्राप्त ब्याज	31,503		66,468	
घटाएं : चेलापति राव अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	–		30,843	
जोड़े : वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	64,068		16,804	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित ब्याज	16,804		13,217	
घटाएं : उपयोग की गई राशि	–	764,323	–	685,556
	उप कुल	**948,305**	**उप कुल**	**869,538**
ख. चेलापति राव स्मृति फेलोशिप				
1.4.2014 को आदि शेष	458,652		458,652	
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	–	458,652	–	458,652
संचित ब्याज				
आदि शेष	2,060,799		1,824,352	
जोड़े : चेलापति राव अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	–		30,843	
जोड़े : निवेश पर प्राप्त ब्याज	86,703		205,042	
जोड़े : वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	185,745		44,622	
घटाएं : पिछले वर्ष का उपार्जित ब्याज	44,622		44,060	
घटाएं : उपयोग की गई राशि	–	2,288,625	–	2,060,799
	उप कुल	**2,747,277**		**2,519,451**
कुल		**3,695,582**		**3,388,989**

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011
31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियां

राशि (रूपए में)

अनुसूची –5– वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान :		**31.03.2015 के रुप में**		**31.03.2014 के रुप में**
1. अन्य संगठनों द्वारा संबद्ध फेलोज़ हेतु उपलब्ध कराई गई निधियां				
(विवरण अनुलग्नक **'बी'** अनुसार)		11,124,257		5,860,169
2. अनुलग्नक **'सी'** के ब्योरे के अनुसार बकाया देयताएं		13,755,296		9,579,810
3. सा.भ.नि./अं.भ.नि. तुलन पत्रानुसार सा.भ.नि./अं.भ.नि.		88,032,987		95,227,269
4. प्रकाशकों के पास पुस्तकों का स्टॉक				
1.4.2014 की यथास्थिति के अनुसार				
घटाएं : वर्ष के दौरान बेची गईं	451,707		451,707	
5. नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के पास पुस्तकों का स्टॉक	–	451,707	–	451,707
1.4.2014 की यथास्थिति के अनुसार	774,901		774,901	
घटाएं : वर्ष के दौरान बेची गई	–	774,901	–	774,901
6. अनुदान की अव्ययित राशि				
योजनागत	1,637,528		63,882	
गैर योजनागत	100,573	1,738,101	9,854	73,736
7. मोतीलाल नेहरू के चुनिंदा कार्य	2,805,430		3,476,000	
घटाएं : वर्ष 2014–15 के दौरान उपयोग की गई राशि	–	2,805,430	670,570	2,805,430
8. संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त गैर आवर्ती सहायता अनुदान (सामान्य) की अव्ययित राशि				
a) पोर्टल, चुनिंदा कार्य एवं संस्था का उन्नयन	145,457,779		150,000,000	
b) राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति के सहायक स्टॉफ संबंधी स्मरणीय गतिविधियों	–	145,457,779	50,000,000	200,000,000
कुल		**264,140,458**		**314,773,022**

अनुसूची –6– स्थायी परिसंपत्तियां :				
अ. स्थायी परिसम्पत्तियां				
आदि शेष	144,324,587		153,812,123	
जोड़े : वर्ष के दौरान अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार	26,494,804		20,629,942	
जोड़े : वर्ष के दौरान समायोजित	–		5,811	
घटाएं : बिक्री/निपटान/स्थानांतरित	–		(16,589)	
घटाएं : वर्ष के दौरान मूल्य ह्रास	29,332,521	141,486,870	30,106,700	144,324,587
ब. यथास्थिति के अनुसार चालू पूंजीगत कार्य				
आदि शेष	146,906,791		126,072,317	
जोड़े : अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार (वर्ष के दौरान)	12,417,887		33,304,044	
घटाएं : अंतरण				
(कान्ट्रा अनुलग्नक 'एफ' के अनुसार)	17,967,086	141,357,592	12,469,570	146,906,791
कुल		**282,844,462**		**291,231,378**
अनुसूची –7– समग्र निधि का निवेश				
I. समग्र निधि का निवेश				
राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया – रेल भवन	490,000,000		–	
इंडियन ओवरसीज़ बैंक, गोल्फलिंक शाखा, नई दिल्ली	555,000,000		545,000,000	
पंजाब नेशनल बैंक, लाजपत नगर, नई दिल्ली	–		500,000,000	
कॉरपोरेशन बैंक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली	500,000,000	1,545,000,000	500,000,000	1,545,000,000
सावधि जमा पर संचित ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया – रेल भवन	1,255,205		–	
इंडियन ओवरसीज़ बैंक, गोल्फलिंक शाखा, नई दिल्ली	1,642,192		1,782,821	
पंजाब नेशनल बैंक, लाजपत नगर, नई दिल्ली	199,319		1,561,644	
कॉरपोरेशन बैंक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली	47,770,548	50,867,264	1,520,548	4,865,013
		1,595,867,264		1,549,865,013

II. विशेष अनुदान का निवेश				
राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा	133,526,028		–	
लघु अवधि की जमाराशि	10,000,000		–	
सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज	814,875	144,340,903	–	–
III. संग्रहालय का आधुनिकीकरण (सावधि जमा)				
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा का आदि शेष	87,962,022		71,242,988	
जोड़े : वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	74,924,246		127,874,522	
घटाएं : वर्ष के दौरान परिपक्व	107,054,522	55,831,746	111,155,488	87,962,022
सावधि जमा से प्राप्त ब्याज	2,791,639	2,791,639	4,638,050	4,638,050
		58,623,385		92,600,072
कुल		**1,798,831,552**		**1,642,465,085**
अनुसूची –8 – नियत/अक्षय निधियों का निवेश				
(1) **श्रीकांत दत्त अक्षय निधि**				
आदि शेष	869,306		780,094	
जोड़े : नई सावधि जमा	–		50,000	
घटाएं : चेलापति राव अक्षय निधि से कान्ट्रा अनुसार समायोजित	–		30,843	
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा रसीदें	31,503		66,468	
जोड़े : वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	64,068		16,804	
घटाएं : पिछले वर्ष का अर्जित ब्याज	16,804	948,073	13,217	869,306
(2) चेलापति राव अक्षय निधि				
आदि शेष	2,518,799		2,282,352	
जोड़े : श्री कांत दत्त अक्षय निधि के कान्ट्रा अनुसार समायोजन	–		30,843	
एस0 बी0 आई0, रेल भवन में सावधि जमा रसीद	86,703		205,042	
जोड़े : सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	185,745		44,622	
घटाएं : पिछले वर्ष का अर्जित ब्याज	44,622	2,746,625	44,060	2,518,799
कुल		**3,694,698**		**3,388,105**

अनुसूची –9– वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण तथा अग्रिम आदि				
1. संपत्ति सूची (अनुलग्नक 'ए')		8,206,227		7,963,911
2. विविध देनदारी (अनुलग्नक 'ए')		–		–
3. a) हस्तगत रोकड़				
एन0 एम0 एम0 एल0 मुख्य खाता	45,706		99,021	
आधुनिकीकरण परियोजना	4,192	49,898	4,192	103,213
b) बैंक शेष				
i. स्टेट बैंक में एन0 एम0 एम0 एल0 का शेष	74,999,466		210,551,447	
ii. आधुनिकीकरण परियोजना शेष (स्टेट बैंक खाता सं0 30606198829 में)	39,228,046	114,227,512	10,256,514	220,807,961
4. स्टॉफ अग्रिम पर प्राप्त ब्याज		224,188		242,188
5. ऋण एवं अग्रिम (अनुलग्नक 'ए')				
एन0 एम0 एम0 एल0		3,561,743		3,633,943
6. वर्ष के अंत में सा.भ.नि./अं.भ.नि. निवेश		88,032,987		95,227,269
7. टी.डी.एस. वसूलनीय (90,246/–आधुनिक राशि टी.डी.एस.)		3,802,455		–
कुल		218,105,010		327,978,485

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'ए'

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2014 को आदि शेष	वर्ष के दौरान जोड़ी गई	वर्ष के दौरान समायोजित	31–03–2015 को शेष
1	सूची				
i	**प्रकाशकों के पास पुस्तकों का स्टॉक**	**680,693**	**–**	**–**	**680,693**
ii	संस्था में पुस्तकों का स्टॉक	1,754,902	–	–	1,754,902
iii	प्रकाशनों का स्टॉक (गैर योजनागत)	970	–	–	970
iv	चुनिंदा कार्यो के प्रकाशन का स्टॉक	1,698,301	–	–	1,698,301
v	एकक में उपलब्ध कच्चे माइक्रोफिल्म का स्टॉक*	460,285	99,500	–	559,785
vi	एकक में रखे प्रोसेस्ड माइक्रोफिल्म का स्टॉक	3,082,973	–	–	3,082,973
vii	फोटोग्राफ्स, पुस्तकें इत्यादि का स्टॉक (बिक्री काउंटर)	285,787	448,280	305,464	428,603
	उप कुल योग	**7,963,911**	**547,780**	**305,464**	**8,206,227**
2	**विविध देनदारी**				
i	विविध देनदारी	–	–	–	–
	उप कुल योग	–	–	–	–
3	**ऋण एवं अग्रिम (एनएमएमएल)**				
i	अग्रिम (अनुलग्नक 'ई' देंखे)	3,613,431	265,500	337,700	3,541,231
ii	पेट्रोल के लिए ऑटो केअॅर के पास जमा	16,500	–	–	16,500
iii	टेलीफोन विभाग के पास जमा	4,012	–		4,012
	उप कुल	**3,633,943**	**265,500**	**337,700**	**3,561,743**

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'बी'

31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार अन्य संगठनों से उपलब्ध कराई गई निधियां

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2014 को आदि शेष	वर्ष में प्राप्त निधियां	वर्ष में व्यय	31–03–2015 को अंतशेष
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1	**भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् फेलोशिप**	**757,394**	**140,000**	**198,000**	**699,394**
2	**भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् की फेलोशिप**	**72,229**	**1,911,365**	**1,886,378**	**97,216**
3	**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग फेलोशिप**	**4,316,995**	**19,325,321**	**14,028,220**	**9,614,096**
4	**लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चुनिंदा कार्यों का**	**714,886**	**–**	**–**	**714,886**
	प्रकाशन, संस्कृति मंत्रालय				
5	**अन्य (बट्टा खाता)**	**(1,335)**			**(1,335)**
	कुल	5,860,169	21,376,686	16,112,598	11,124,257

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'सी'

31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार बकाया देयताएं

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2014 को आदि शेष	वर्ष में प्राप्त	वर्ष में व्यय समायोजित	31–03–2015 को शेष
1	प्रतिभूति जमा राशि	231,686	37,290	–	268,976
2	मानदेय के चेक का रद्द किया जाना	8,346	–	–	8,346
3	फोर्ड से प्राप्त स्व0 प्रो0 रवीन्द्र कुमार की बकाया राशि	25,800	–	–	25,800
4	सा. भ. नि. में देय ब्याज – चालू वर्ष	5,927,675	437,193	–	6,364,868
5	डॉ0 ओ0 पी0 केजरीवाल के बारे में निदेशक (स्थापना)	2,624	–	–	2,624
	को जारी चैक का रद्दीकरण				
6	मीनाक्षी जैन के संदर्भ में अं.भ.नि./टी.डब्ल्यू.ए.	10,010	–	–	10,010
7	उद्भव कंप्यूटर्स	102,232	–	–	102,232
8	वर्गिस	523,963	–	–	523,963
9	संस्कृति विभाग का (अव्ययित शेष)	14,923	–	–	14,923
11	बयाना	60,500	750,000		810,500
12	सामूहिक बीमा	(236)	–	1	(237)
13	निष्पादन गांरटी	–	488,450	–	488,450
14	देय खर्चे	2,010,714	4,351,102	1,888,548	4,473,268
15	ग्रेच्युटी खर्चे (श्री एस. के. शुक्ल)	94,785	–	–	94,785
16	पेंशन खर्चे (श्री एस. के. शुक्ल)	566,788	–	–	566,788
	कुल	9,579,810	6,064,035	1,888,549	13,755,296

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011.

अनुलग्नक – 'डी'

वर्ष 2014–15 के दौरान पूंजीगत परिसंपत्तियां

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	पुस्तकालय की पुस्तकें	–	7,898,200
2.	उपहार में प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	282,425	262,172
	कुल	**282,425**	**8,160,372**

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'इ'

वर्ष 2014–15 के दौरान ऋण और अग्रिम

राशि (रुपए में)

क्र0 सं0	विवरण	1–04–2014 को आदि शेष	वर्ष में भुगतान की गई	वर्ष में प्राप्त की गई	31–03–2015 को शेष
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1.	**त्योहार अग्रिम**	**121,725**	**265,500**	**231,575**	**155,650**
2.	**कार/स्कूटर अग्रिम**	**28,000**	**–**	**24,000**	**4,000**
3.	**गृह निर्माण अग्रिम**	**194,125**	**–**	**73,500**	**120,625**
4.	**साइकिल/पंखा अग्रिम**	**8,625**	**–**	**8,625**	**–**
5.	**आधुनिकीकरण परियोजना**	**3,260,956**	**–**	**–**	**3,260,956**
	कुल	3,613,431	265,500	337,700	3,541,231

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011.

वर्ष 2014–15 के दौरान ऋण और अग्रिम — **अनुलग्नक – 'एफ'**

क्र0 सं0	विवरण	1–4–2014 के अनुसार लागत	1.4.2014 से 30.9.2014 तक बढ़ोत्तरी	1.10.2014 से 31.3.2015 तक बढ़ोत्तरी	कुल वृद्धि	समायोजन/ हस्तांतरण/ बिक्री	31/3/2015 को कुल मूल्य	मूल्यह्रास	31/3/2015 को शेष राशि
'क'	**स्थायी संपत्तियां**								
1	निधि अनुदान								
	i योजनागत/गैर योजनागत	57,242,883	603,000	282,425	885,425	–	58,128,308	11,446,292	46,682,016
	ii आधुनिकीकरण	13,148,406	7,384,160	10,582,926	17,967,086	–	31,115,492	3,877,733	27,237,759
	iii एन.एम.एम.एल. तारामण्डल	73,933,298	–	–	–	–	73,933,298	10,402,743	63,530,555
	उप कुल योग	144,324,587	7,987,160	10,865,351	18,852,511	–	163,177,098	25,726,768	137,450,330
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	–	4,502,443	3,139,850	7,642,293	–	7,642,293	3,605,753	4,036,540
	कुल	**144,324,587**	**12,489,603**	**14,005,201**	**26,494,804**	**–**	**170,819,391**	**29,332,521**	**141,486,870**
'ख'	**सी.डब्ल्यू.आई.पी.**								
1	निधि अनुदान– आधुनिकीकरण	146,906,791	6,356,589	4,849,047	11,205,636	17,967,086	140,145,341	–	140,145,341
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	–	–	1,212,251	1,212,251	–	1,212,251	–	1,212,251
	कुल	**146,906,791**	**6,356,589**	**6,061,298**	**12,417,887**	**17,967,086**	**141,357,592**	**–**	**141,357,592**
	कुल अनुदान (क+ख)	**291,231,378**	**18,846,192**	**20,066,499**	**38,912,691**	**17,967,086**	**312,176,983**	**29,332,521**	**282,844,462**
	पूर्व वर्ष	**279,884,440**	**33,442,236**	**18,625,177**	**53,933,986**	**12,458,792**	**321,338,078**	**30,106,700**	**291,231,378**
	अचल संपत्ति का ब्यौरा और सी. डब्ल्यू. आई. पी.								
1	निधि अनुदान	**291,231,378**	**14,343,749**	**15,714,398**	**30,058,147**	**17,967,086**	**303,322,439**	**25,726,768**	**277,595,671**
2	स्वयं की निधि (समग्र ब्याज)	**–**	**4,502,443**	**4,352,101**	**8,854,544**	**–**	**8,854,544**	**3,605,753**	**5,248,791**
	कुल अनुदान (क+ख)	**291,231,378**	**18,846,192**	**20,066,499**	**38,912,691**	**17,967,086**	**312,176,983**	**29,332,521**	**282,844,462**
	पूर्व वर्ष	**279,884,440**	**33,442,236**	**18,625,177**	**53,933,986**	**12,458,792**	**321,338,078**	**30,106,700**	**291,231,378**

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

अनुलग्नक – 'एफ'

वर्ष 2014–15 की स्थायी परिसंपत्तियां एवं पूंजीगत सहायता अनुदान की अनुसूची

क्र0 सं0	विवरण	1/4/2014 को मूल्य	1.4.2014 से 30.9.2014 तक बढ़ोत्तरी	1.10.2014 से 31.3.2015 तक बढ़ोत्तरी	कुल वृद्धि	समायोजन/ स्थानांतरण/ बिक्री	31.3.2015 को मूल्य	मूल्यह्रास का %	मूल्यह्रास	31.3.15 को अवशेष
	योजनागत/गैर योजनागत									
1	संग्रहालय वस्तुएं (गैर मूल्यह्रास)	6,117,442	–	–	–	–	6,117,442	–	–	**6,117,442**
2	पुस्तकालय भवन	11,265,755	–	–	–	–	11,265,755	10	1,126,576	10,139,180
3	i वाहन – स्टॉफ कार	705,061	–	–	–	–	705,061	15	105,759	599,302
	ii उपकरण	1,927,402	–	–	–	–	1,927,402	15	289,110	1,638,292
	iii शयन एवं अध्ययन कक्ष के लिए वातानुकूलन संयंत्र	16,975	–	–	–	–	16,975	15	2,546	14,429
	iv अनेक्सी भवन का वातानुकूलन	6,786,648	–	–	–	–	6,786,648	15	1,017,997	5,768,651
	v वातानुकूलन	11,583,734	–	–	–	–	11,583,734	15	1,737,560	9,846,174
	vi संग्रहालय में फिक्सचर्स	5,801	–	–	–	–	5,801	10	580	5,221
	vii जवाहरलाल नेहरू के भाषण	20,939	–	–	–	–	20,939	–	–	20,939
	'नियति से मिलन' की अंकित शिला									
	viii जवाहर ज्योति फीडिंग स्ट्रक्चर	22,452	–	–	–	–	22,452	10	2,245	20,207
	ix फिल्म अभिलेखागार के फिक्सचर्स	70,018	'–	'–	'–	'–	70,018	15	10,503	59,515
	x स्कूटर शेड	4,119	–	–	–	–	4,119	10	412	3,707
	xi पुस्तकालय भवन में लिफ्ट का प्रतिस्थापन	111,012	–	–	–	–	111,012	15	16,652	94,360
	xii संग्रहालय का विकास	1,597,149	–	–	–	–	1,597,149	15	239,572	1,357,577
	xiii फाइबर ग्लास का मण्डप	135,182	–	–	–	–	135,182	15	20,277	114,905

	xiv फाइबर ग्लास का मण्डप (कम्पैक्टर्स)	723,447	–	–	–	–	723,447	15	108,517	614,930
4	इंटरकॉम सुविधा	511,097	–	–	–	–	511,097	15	76,665	434,432
5	i कंप्यूटर्स	50,347	586,000	–	586,000	–	636,347	60	452,128	184,219
	ii अमूर्त परिसंपत्तियां–सॉफ्टवेयर	7,316	–	–	–	–	7,316	33	2,414	4,902
6	i विद्युत उपकेन्द्र	626	–	–	–	–	626	80	501	125
	ii बिजली फिटिंग की प्रतिस्थापना	82	–	–	–	–	82	80	66	16
	iii जीवन रक्षक उपकरण की स्थापना	100,520	–	–	–	–	100,520	15	15,078	85,442
7	i पुस्तकालय ग्रंथ	8,699,833	–	–	–	–	8,699,833	60	5,219,900	3,479,933
	ii उपहार में प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	267,578	–	282,425	282,425	–	550,003	15	61,319	488,684
8	पुस्तकालय में माइक्रोफिल्म का रिकार्ड	3,139,876	–	–	–	–	3,139,876	15	470,981	2,668,895
9	स्पिलिट वातानुकूलन	22,052	–	–	–	–	22,052	15	3,308	18,744
10	प्रदर्शनी स्टैंड	154,700	–	–	–	–	154,700	15	23,205	131,495
11	नेहरू तारामण्डल	1,402,135	–	–	–	–	1,402,135		159,724	1,242,411
12	वेबसाइट का निर्माण	1,429,700	–	–	–	–	1,429,700	15	214,455	1,215,245
13	बायोमीट्रिक मशीन	13,758	–	–	–	–	13,758	80	11,006	2,752
14	फिल्म स्टोर कक्ष के लिए वाटर कूलर	350,127	17,000	–	17,000	–	367,127	15	57,236	309,891
	उप कुल योग (क)	**57,242,883**	**603,000**	**282,425**	**885,425**		**58,128,308**		**11,446,292**	**46,682,016**
आधुनिकीकरण										
15	i फर्नीचर (कैंटीन)	–	249,000	337,800	586,800	–	586,800	10	55,290	531,510
	ii फर्नीचर (डिजीटलीकरण)	–	1,532,303	–	1,532,303	–	1,532,303	10	222,184	1,310,119
	iii अनैक्सी भवन में आंतरिक फिटिंग (आधुनिकीकरण)	27,461	–	–	–	–	27,461	15	4,119	23,342
16	i कंप्यूटर और संबंधित सामग्री (आधुनिकीकरण)		577,000	–	577,000	–	577,000	60	415,440	161,560
	ii कंप्यूटरीकरण आधुनिकीकरण	117,513	–	–	–	–	117,513	60	70,508	47,005
17	सभागार–फर्नीचर और फिक्चर्स (आधुनिकीकरण)	–	–	6,430,943	6,430,943	–	6,430,943	10	321,547	6,109,396

18	वाटर टैंक (आधुनिकीकरण)			2,304,274	2,304,274	–	2,304,274	10	115,214	2,189,060
19	अनैक्सी भवन (आधुनिकीकरण)	5,317,128	–	1,236,779	1,236,779	–	6,553,907	10	655,391	5,898,516
20	रिप्रोग्राफी प्रभाग (आधुनिकीकरण)	–	4,130,526		4,130,526	–	4,130,526	15	1,146,221	2,984,305
21	i फर्नीचर और फिक्चर्स	7,390,782	858,781	190,380	1,049,161	–	8,439,943	10	834,475	7,605,468
	ii अनैक्सी भवन के लिए फर्नीचर	295,522	36,550	82,750	119,300	–	414,822	10	37,345	377,477
	उप कुल योग (ख)	**13,148,406**	**7,384,160**	**10,582,926**	**17,967,086**	**–**	**31,115,492**	**220**	**3,877,733**	**27,237,759**
22	**नेहरू तारामण्डल के उन्नयन**									
	i तारामण्डल का उपकरण	56,433,344	–	–	–	–	56,433,344	15	8,465,002	47,968,342
	ii वातानुकूलन एवं जनरेटर	3,754,914	–	–	–	–	3,754,914	15	563,237	3,191,677
	iii भवन	13,745,040	–	–	–	–	13,745,040	10	1,374,504	12,370,536
	उप कुल योग (ग)	**73,933,298**	–	–	–	–	**73,933,298**		**10,402,743**	**63,530,555**
23	**समग्र अनुदान से ली गई संपत्तियां**									
	i आर. ओ. सिस्टम	–	–	138,014	138,014	–	138,014	15	10,351	127,663
	ii साइकिल रिक्शा	–		9,450	9,450	–	9,450	10	473	8,978
	iii रेफ्रीजरेटर	–		18,900	18,900	–	18,900	15	1,418	17,483
	iv कंप्यूटर्स	–	1,919,086	101,377	2,020,463	–	2,020,463	60	1,181,865	838,598
	v पुस्तकालय ग्रंथ	–	2,583,357	2,872,109	5,455,466	–	5,455,466	60	2,411,647	3,043,819
	उप कुल योग (घ)	–	4,502,443	3,139,850	7,642,293	–	7,642,293		3,605,753	4,036,540
	कुल 'क'	144,324,587	12,489,603	14,005,201	26,494,804	–	170,819,391		29,332,521	141,486,870
	कुल (वर्ष पूर्व)	**153,812,123**	**15,272,879**	**5,357,063**	**20,629,942**	**(10,778)**	**174,431,287**		**30,106,700**	**144,324,587**
	पूंजीगत – कार्य प्रगति पर									
	# आधुनिकीकरण परियोजना									
1	**प्रारंभिक शेष**	119,380,004	1,364,922	–	1,364,922		120,744,926	–	–	120,744,926
	i सभागार (आधुनिकीकरण)	6,448,100	–	–	–	6,430,943	17,157	–	–	17,157
	ii पुस्तकालय का उन्नयन और नवीकरण (आधुनिकीकरण)	480,000	–	–	–	–	480,000	–	–	480,000
	iii सी.आर.सी. का उन्नयन और नवीकरण (आधुनिकीकरण)	351,068	–	–	–	–	351,068	–	–	351,068

	iv कैंटीन का नवीकरण (आधुनिकीकरण)	2,973,873	–	–	–	586,800	2,387,073	–	–	2,387,073
	v वाटर टैंक का नवीकरण (आधुनिकीकरण)	2,325,800	–	–	–	2,304,274	21,526	–	–	21,526
	vi यू.पी.एस. प्रणाली (आधुनिकीकरण)	2,146,200	–	55,728	55,728	577,000	1,624,928	–	–	1,624,928
	vii अनैक्सी भवन में आंतरिक फिटिंग (आधुनिकीकरण)	2,893,897	36,550	82,750	119,300	1,356,079	1,657,118	–	–	1,657,118
	viii रिप्रोग्राफी विभाग और बी.सी.	4,130,526	–	3,642,312	3,642,312	4,130,526	3,642,312	–	–	3,642,312
	ix निर्माण कार्य (आधुनिकीकरण)	499,100	–	–	–	–	499,100	–	–	499,100
	x डिजिटलीकरण (आधुनिकीकरण)	5,278,223	4,096,336	–	4,096,336	1,532,303	7,842,256	–	–	7,842,256
	xi सॉविनिअॅर षॉप का नवीकरण	–	–	877,877	877,877	–	877,877	–	–	877,877
	xii फर्नीचर फिक्चर्स	–	858,781	190,380	1,049,161	1,049,161	–	–	–	–
	उप कुल योग (क)	**146,906,791**	**6,356,589**	**4,849,047**	**11,205,636**	**17,967,086**	**140,145,341**	**–**	**–**	**140,145,341**
2	**समग्र अनुदान से बनाई गई परिसंपत्तियां**									
	i पीएनजी गैस पाईप	–	–	15,111	15,111	–	15,111	–	–	15,111
	ii एनएमएमएल का नवीकरण	–	–	375,000	375,000	–	375,000	–	–	375,000
	iii कूड़ेदान एवं मार्गदर्शिका	–	–	365,340	365,340	–	365,340	–	–	365,340
	iv बाल केन्द्र का सुधार	–	–	456,800	456,800	–	456,800	–	–	456,800
	उप कुल योग 'ख'	–	–	**1,212,251**	**1,212,251**	–	**1,212,251**	–	–	1,212,251
	कुल 'ख'	**146,906,791**	**6,356,589**	**6,061,298**	**12,417,887**	**17,967,086**	**141,357,592**	**–**	**–**	141,357,592
	कुल अनुदान	**291,231,378**	**18,846,192**	**20,066,499**	**38,912,691**	**17,967,086**	**312,176,983**	**–**	**29,332,521**	**282,844,462**

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय

तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा अंशदायी भविष्य निधि का आय एवं व्यय विवरण

व्यय			आय		
विवरण	**31.3.2015 को राशि**	**31.3.2014 को राशि**	**विवरण**	**1.3.2015 को राशि**	**31.3.2014 को राशि**
अंशदाताओं के निधि लेखा में जमा ब्याज			**निधि की राशि के निवेश पर बैंक से प्राप्त ब्याज**		
1 सा. भ. निधि	6,432,135	6,731,037	1) सा. भ. निधि	6,700,963	7,418,995
2 अ. भ. निधि	784,025	689,048	2) अ. भ. निधि	120,216	246,774
3 अ. भ. निधि–तारामण्डल	243,801	176,353	3) अ. भ. निधि–तारामण्डल	328,646	145,986
4) बैंक प्रभार	0	16			
5) अ. भ. निधि–तारामण्डल में सोसाइटी का अंश	127,057	97,828			
	7,587,018	**7,694,282**		**7,149,825**	**7,811,755**
तुलन पत्र में अग्रेनीत वर्ष का अधिशेष	–	117,473	वर्ष के दौरान कमी एन.एम.एम.एल. मुख्य खाते से प्राप्त करना	437,193	–
कुल	**7,587,018**	**7,811,755**	**कुल**	**7,587,018**	**7,811,755**

दीपा भटनागर

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

महेश रंगाराजन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली–110011

31 मार्च, 2015 को सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि का तुलन–पत्र

(राशि रूपए में)

देनदारियां	31.3.2015 की स्थिति के अनुसार राशि	31.3.2014 की स्थिति के अनुसार राशि	परिसंपत्तियां	31.3.2015 की स्थिति के अनुसार राशि	31.3.2014 की स्थिति के अनुसार राशि
निधियां			**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
कर्मचारियों के अंशदान भविष्य निधि	11,308,075	11,698,085	नकदी और बैंक जमाराशि		
(आदि शेष)			स्टेट बैंक में (अ0 भ0 नि0)	**1,912,625**	**5,673,084**
जोड़े : वर्ष के दौरान	1,219,325	658,787	स्टेट बैंक में (अं0 भ0 नि0–तारामण्डल)	**1,051,410**	**2,931,650**
1. अंशदान	964,171	858,802	स्टेट बैंक में (सा0 भ0 नि0)	**5,421,381**	**2,633,103**
2. अशंदान तारामण्डल	1,027,826	865,401	स्टेट बैंक में सावधि जमा राशि	**70,714,138**	**77,282,695**
3. जमा ब्याज	399,000	2,773,000		**79,099,554**	**88,520,532**
घटाएं : आहरण	**14,120,397**	**11,308,075**			
	1,383,250	1,051,220	**सावधि जमा पर अर्जित ब्याज**	**2,568,565**	**779,062**
सोसाइटी का अंश	241,671	234,202	**आय से अधिक व्यय (एन0एम0एम0एल0**		
अशंदान तारामण्डल	127,057	97,828	**के मुख्य खाते से लेना)**		
ब्याज	–	–			
घटाएं : आहरण	**1,751,978**	**1,383,250**	पिछले खाते के अनुसार शेष (–)	5,927,675	6,045,148

सामान्य भविष्य निधि (आदि शेष)	82,535,944	**78,089,890**	आय एवं व्यय विवरणी से अंतरित	437,193	(117,473)
जोड़े : वर्ष के दौरान	15,312,100	**16,824,000**		**6,364,868**	**5,927,675**
1. अंशदान	6,432,135	**6,731,037**			
2. जमा ब्याज	32,119,567	**19,108,983**			
घटाएं : आहरण	**72,160,612**	**82,535,944**			
कुल	**88,032,987**	**95,227,269**	**कुल**	**88,032,987**	**95,227,269**

(दीपा भटनागर)
प्रमुख, शोध एवं प्रकाशन

(महेश रंगाराजन)
निदेशक

31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्त वर्ष में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली के लेखाओं पर भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमनें, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए संलग्न तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखों, प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं की लेखापरीक्षा महापरीक्षक एवं नियंत्रक (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 के भाग 20(1) में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार लेखापरीक्षा कर ली है। यह लेखापरीक्षा व्यवस्था 2018–19 तक के लिए सौंपी गई हैं। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करने की है।

2. यह पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट भारत के लेखापरीक्षा एवं नियत्रंक के लेखानीतियों, उत्कृष्ट लेखा प्रथाओं, लेखा प्रचलन एवं प्रगटन विवरण पर की गई टिप्पणियां हैं। यह लेखापरीक्षा के दौरान, नियम, विधायन एवं विधिसम्मत (औचित्य एवं नियमितता) एवं दक्षता–सह–निष्पादन पक्षों पर यदि कोई मामला प्रकाश में आता है तो उसे भारत के महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से लेखा परीक्षा रिपोर्ट/निरीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

3. हमनें अपनी लेखापरीक्षा सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों और लागू नियमों के अनुरुप की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम ऐसी लेखापरीक्षा करें जिसमें यह सुनिश्चित हो कि वित्तीय विवरणियां आर्थिक विसंगतियों से मुक्त हों। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थित साक्ष्य का नमूना आधार पर जांच शामिल है। लेखापरीक्षा का उद्देश्य है कि प्रबंधन द्वारा अपनाई जा रही लेखाओं की विधि एवं महत्वपूर्ण प्राक्कलनों का तरीका तथा प्रस्तुत की गई वित्तीय विवरणों का सत्यापन करना। मुझे विश्वास है कि मेरी लेखापरीक्षा मेरे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि :–

(i) मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए मैंने सभी आवश्यक सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस रिपोर्ट के साथ संलग्न तुलन पत्र, वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे निर्धारित प्रारुप के अनुसार तैयार किए गए हैं।

(iii) हमारे परीक्षण एवं अनुमान के अनुसार नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा लेखा बही एवं अन्य संगत अभिलेख ठीक ढंग से रखे जा रहे हैं।

(iv) हम, इसके अलावा सूचित करते है कि :

(क) तुलन पत्र

(क–1) देयताएं

(क–1–1) पूंजीगत निधि (अनुसूची–2) 26.97 करोड़ रुपए

(क–1–1–1) अनुसूची–2 के अनुसार, पूंजीगत निधि, 31 मार्च 2014 तक 16.45 करोड़ रूपए का उपभोग सी. डब्ल्यु. आई. पी./एफ. ए. के तहत् दिखाया गया है जो कि 'आधुनिकीकरण परियोजना पूंजीगत निधि' से 'पूंजीगत निधि–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियां' में अंतरित की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 16.45 करोड़ रूपए की परिसंपत्तियां बनाई गई। हालांकि, इन स्थाई परिसंपत्तियों में को न तो कभी पूंजीगत निधि में सम्मिलित किया गया और न ही इन्हें अनुसूची–6 के अनुलग्नक में स्थाई परिसंपत्तियों के तौर पर सी. डब्ल्यु. आई. पी. के तहत् दिखाया गया। (अनुलग्नक 'एफ'). चूंकि राशि को स्थायी परिसंपत्तियों की अनुसूची में पूंजीगत नहीं किया गया था अतः पूंजीगत निधि के देयताओं में राशि का अंतरण सही नहीं है। इससे आधुनिकीकरण परियोजना पूंजीगत निधि में

16.45 करोड़ रूपए की कमी हो गई और इतनी ही राशि पूंजीगत निधि में अधिक अंकित हो गई।

क–1–1–2. केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरणी प्रपत्र के अनुसार, आय एवं व्यय लेखे से अंतरित शुद्ध आय (व्यय) को 'समग्र/पूंजीगत निधि' में जोड़ा/घटाया जाना चाहिए। लेखा परीक्षा पार्टी के ध्यान में आया है कि नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने 4.45 करोड़ रूपए (2014–15 से संबंधित 11.15 करोड़ रूपए अधिशेष सहित) के अधिव्यय को 'समग्र निधि' के बजाय आरक्षित एवं अधिशेष (अनुसूची–3) के तहत् दर्शाया है। इसे सुधारा जाना चाहिए।

क–1–2. वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची–5)–26.41 करोड़ रूपए

क–1–2–1. नई पेंशन योजना

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने 2014–15 के दौरान नए भर्ती हुए कार्मिकों से नई पेंशन योजना अंशदान के तहत् 5.77 लाख रूपए की कटौती की तथा इसे अपनी आय के रूप में दर्शाया गया है। लेखापरीक्षा पार्टी ने यह भी पाया है कि वर्ष 2003–04 से 2014–15 के दौरान नई पेंशन योजना कटौतियों 13.49 लाख रूपए को देयताओं के रूप में नहीं दर्शाया गया है बल्कि यह राशि संस्था के बैंक खाते में जमा पड़ी हुई है। नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा वसूले गए राशि तथा संस्था के समान अंशदान को लेखों में न दिखाने के कारण देयताओं की विवरणी में उक्त राशि की कमी पायी गई है।

क–2. परिसंपत्तियां

क–2–1. मूल्यह्रास (अनुसूची–6, अनुलग्नक एफ)–2.93 करोड़ रूपए

संस्था द्वारा 12.37 लाख रूपए की परिसंपत्तियां अनेक्सी भवन (आधुनिकीकरण) (अनुलग्नक 'एफ' के अनुसूची–6) के

लिए बनाई गई। लेखापरीक्षा पार्टी ने पाया है कि यह परिसंपत्तियां वर्ष के दूसरे भाग में बनाई गई है जबकि इन पर मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया गया है। यह मूल्यह्रास संस्था द्वारा 10 प्रतिशत के बजाय 5 प्रतिशत की दर से लगाया जाना चाहिए। इससे मूल्यह्रास की दर बढ़ गई जबकि परिसंपत्तियों की कीमत 0.62 लाख रूपए (12.37 लाख रूपए का 5 प्रतिशत) घट गई।

ख. सामान्य

ख–1. वर्ष 2014–15 में 'सेवानिवृत्ति लाभ' और 'पेंशनरों को पेंशन' मद में क्रमशः 1.68 करोड़ रूपए तथा 2.58 करोड़ रूपए खर्च किए गए। लेखापरीक्षा पार्टी ने पाया है कि संस्था की महत्वपूर्ण लेखांकन नीति–10 के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभों को नकद आधार पर लेखाकृत किया जाता है। आईसीएआई के एएस–15 में उल्लेख है कि लाभ दायित्वों को बीमांकिक मूल्यांकन पद्धति के अनुसार बुक किया जाना चाहिए। हालांकि संस्था द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई गयी है जो कि लेखें के लिए निर्धारित दिशा निर्देशों के विपरीत है।

ख–2. स्थाई परिसंपत्तियों की अनुसूची लेखों के लिए निर्धारित सामान्य प्रारूप के अनुसार नहीं है। इसमें परिसंपत्तियों को ब्लॉकवार अर्थात् सकल ब्लॉक, मूल्यह्रास, नेट ब्लॉक और वर्ष की समाप्ति पर वास्तविक स्थिति का उल्लेख नहीं किया गया है।

ख–3. अनुसूची संख्या लेखों के लिए निर्धारित समान प्रारूप के अनुसार तैयार नहीं की गई है।

ख–4. आंकड़ों में अंतर

लेखों के विभिन्न अनुसूचियों में अंकित आंकड़े टैली बही में अंकित राशि से मेल नहीं खाते :

क्र. सं.	अनुसूची सं./शीर्ष	लेजर के अनुसार	लेखों के अनुसार
1	अनुसूची–5, बकाया देनदारियां (अनुलग्नक–ग)– जीपीएफ खाते में देय ब्याज–चालू वर्ष	5361552	5927675
2	अनुसूची–9, टीडीएस वसूली	3800197	3802455
3	अनुसूची–9, संपत्तिसूची, (अनुलग्नक–क) तस्वीरों का स्टॉक, पुस्तकें आदि (प्रारंभिक शेष)	280546	285787
4	अनुसूची–9, बैंक राशि, स्टेट बैंक में एन.एम.एम.एल. का अंतशेष	74998582	74999466
5	अनुसूची–15. अन्य आय, सभागार का किराया	2062251	2064459

इन अंतरों का समाधान किया जाना चाहिए।

ग. सहायता अनुदान

ग. 1 संस्था को प्राप्त सहायता अनुदान तथा आंतरिक प्राप्तियों का ब्योरा निम्न प्रकार है :

	योजनागत	योजनागत (उ.पू.)	गैर योजनागत	आंतरिक प्राप्तियां	
				योजनागत*	गैर–योजनागत
1/4/2014 को आदि शेष	0.63	0.00	0.10	668.61	103.12
जोड़े	0.00	17.90	1699.90	1608.42	106.68
कुल	0.63	17.90.	1700.00	2277.03	209.80
घटाएं कुल व्यय	0.00	1.52	1810.47 लाख रूपए (1698.99 लाख रूपए गैर योजनागत अनुदान तथा 111.48 लाख रूपए गैर योजनागत शीर्ष के तहत् प्राप्त आंतरिक प्राप्तियां)	0.00	111.48
31 मार्च 2015 को अव्ययित शेष	0.63	16.37	1.01	2277.03	98.32

* योजनागत शीर्ष (समग्र निधि) के तहत् प्राप्त आंतरिक प्राप्तियां का वर्णन यहां नहीं किया गया है क्योंकि वर्ष 2014–15 के बाद समग्र निधि के प्रावधानानुसार (लेखों पर टिप्पणियां) में इनका उपयोग केवल योजनागत गतिविधियों के लिए ही किया जा सकता है।

ग. 2 लेखापरीक्षा पार्टी ने पाया है कि वर्ष 2013–14 के दौरान संस्था को 2000 लाख रूपए का गैर आवर्ती अनुदान संस्कृति मंत्रालय से सिलेक्टिड वर्क्स, पोर्टल तथा संस्था के उन्नयन के लिए प्राप्त हुआ जिसमें से नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय ने वर्ष 2014–15 में केवल 545.42 लाख रूपए का ही उपयोग किया। परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2015 को 1454.58 लाख रूपए अव्ययित शेष बच गया।

ग. 3 संस्था को वर्ष 2012–13 के दौरान संस्कृति मंत्रालय से श्री मोतीलाल नेहरू की 150वीं वर्षगांठ संबंधी स्मरणोत्सव समारोह आयोजित करने के लिए 35.00 लाख रूपए का विशेष सहायता अनुदान प्राप्त हुआ। इसमें से संस्था ने 2014–15 तक केवल 6.95 लाख रूपए (वर्ष 2012–13 में 0.24 लाख रूपए, वर्ष 2013–14 में 6.71 लाख रूपए तथा 2014–15 के दौरान शून्य खर्चा) का ही उपयोग किया। इससे 31 मार्च, 2015 को 28.05 लाख रूपए अव्ययित शेष बच गया।

डी. प्रबंधन पत्र : लेखा परीक्षा रिपोर्ट में पायी गई कमियों की जानकारी अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय को समाधान/आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है।

v. उपरोक्त टिप्पणियों के प्रकाश में मेरे विचार एवं अभ्युक्तियों के अधीन मैं सूचित करता हूँ कि इस प्रतिवेदन से संबंधित तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुरुप हैं।

vi. मेरे विचार और मेरी सर्वोत्तम जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित वित्तीय विवरण, संलग्न प्रपत्र सही और उचित रुप प्रस्तुत करते हैं जोकि भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुरुप है।

(क) जहां तक यह 31 मार्च, 2015 को नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के कार्यकलापों के तुलन पत्र से संबंधित है, तथा

(ख) जहां तक यह उसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे के कमी से संबंधित है।

भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 04.02.2016

महानिदेशक, लेखापरीक्षा
(केन्द्रीय राजस्व)

अनुलग्नक

1. **पर्याप्त आंतरिक लेखापरीक्षा व्यवस्था**

कोई आंतरिक लेखापरीक्षा व्यवस्था नहीं है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय का जनवरी/फरवरी, 2010 में केवल 2006–07 से 2008–09 की अवधि का प्रदर्शन मूल्यांकन ही किया गया था।

2. **पर्याप्त आंतरिक नियंत्रक व्यवस्था**

कोई आंतरिक लेखापरीक्षा व्यवस्था न होने तथा संविधिक बकायों को न जमा कराने के कारण संस्था की आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था पर्याप्त नही पाई गई।

3. **स्थाई परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**

वर्ष 2014–15 से संबंधित स्थाई परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया एवं कोई कमी नहीं पाई गई।

4. **चल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**

वर्ष 2014–15 से संबंधित वस्तुसूची जैसे लेखन सामग्री एवं अन्य उपभोग्य सामग्रियों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया एवं कोई कमी नहीं पाई गई।

5. **बकाया भुगतान की नियमितता**

31 मार्च, 2015 की यथास्थिति के अनुसार नई पेंशन योजना अंशदान के 13.49 लाख रुपए बकाया के रुप में हैं क्योंकि इसे संबंधित नोडल एजेंसी के खाते में जमा नहीं कराया गया है।